THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 339 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.3, 2082 शुक्रवार, 6 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव के लिए जारी की छह प्रत्याशियों के नाम की लिस्ट

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने राज्यसभा चुनाव के लिए गुरुवार को छह प्रत्याशियों के नाम की लिस्ट जारी की। इस लिस्ट में कांग्रेस के दो मौजूदा सांसदों अभिषेक मनु सिंघवी और फूलो देवी नेताम का नाम है। ये दोनों क्रमश: तेलंगाना और छत्तीसगढ़ से मैदान में हैं। इनके अलावा कांग्रेस पार्टी ने हरियाणा से कर्मवीर सिंह बौद्ध और हिमाचल प्रदेश से अनुराग शर्मा के नाम की घोषणा की। अनुराग शर्मा हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के करीबी माने जाते हैं। वह कांगड़ा में कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष हैं।

'सैन्य संघर्ष समाधान नहीं'

पीएम मोदी ने की यूक्रेन और ईरान जंग रोकने की अपील, बोले-संवाद एकमात्र तरीका

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब की मौजूदगी में हैदराबाद हाउस में दोनों देशों के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ। इससे पहले फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की गई।

वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रायसीना डायलॉग 2026 को संबोधित करते यूक्रेन और अमेरिका-इस्राइल-ईरान युद्धों को जल्द से जल्द समाप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संघर्षों को सुलझाने का एकमात्र तरीका संवाद और कूटनीति ही है। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, एक स्वस्थ ग्रह हमारी साझा प्राथमिकता है। हमें खुशी है कि इस वर्ष हम फिनलैंड के साथ मिलकर भारत में विश्व चक्रीय अर्थव्यवस्था मंच की मेजबानी करेंगे। इससे हमारे सतत विकास प्रयासों को नई गति और नए विचार मिलेंगे। भारत और फिनलैंड दोनों ही कानून के शासन, संवाद और कूटनीति में विश्वास रखते हैं।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि हम इस बात पर एकमत हैं कि केवल सैन्य संघर्ष से किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, हम संघर्ष के शीघ्र अंत और शांति के लिए हर प्रयास का समर्थन करते रहेंगे। हम इस बात पर भी सहमत हैं कि बढ़ती वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक संस्थानों में सुधार न केवल आवश्यक है, >14

राष्ट्रपति स्टब जयशंकर से मिले : मिडिल ईस्ट के मौजूदा हालात पर चर्चा की

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। भारत की चार दिन की यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब गुरुवार को भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मिले। राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने कहा कि उन्हें जयशंकर से बात करना हमेशा अच्छा लगता है। दोनों नेताओं के बीच मिडिल ईस्ट में जारी उथल-पुथल और यूक्रेन जंग पर चर्चा हुई।

जयशंकर से मुलाकात के बाद फिनलैंड के राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा, मेरे अच्छे दोस्त, भारत के विदेश मंत्री जयशंकर से बात करना हमेशा अच्छा लगता है। हमने मौजूदा सुरक्षा हालात, राजनीतिक माहौल पर बात की, जिसमें मध्य पूर्व और यूक्रेन में रूस का युद्ध, ट्रांसअटलांटिक संबंध और यूरोपीय संघ-भारत संबंध शामिल हैं।

भारत चौथी बार टी-20 वर्ल्डकप के फाइनल में

इंग्लैंड को 7 रन से हराया, सैमसन ने 89 रन बनाए, बेथेल का शतक बेकार

मुंबई, 5 मार्च (एजेंसियां)। भारत ने चौथी बार टी-20 वर्ल्डकप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम ने गुरुवार को दूसरे सेमीफाइनल मैच में इंग्लैंड को 7 रन से हराया। टीम 2007, 2014, 2024 में भी फाइनल तक पहुंच चुकी है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। टीम इंडिया ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 253 रन बनाए। 254 रन चेज कर रही इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 246 रन ही बना सकी।

संजू सैमसन ने फिफ्टी लगाई : भारतीय टीम की ओर से संजू सैमसन ने 89 रन की पारी खेली। जबकि शिवम दुबे ने 43 रन बनाए। ईशान किशन ने 39, हार्दिक पंड्या ने 27 और तिलक वर्मा ने 21 रन का योगदान दिया। इंग्लैंड से विल जैक्स और आदिल रशीद ने 2-2 विकेट झटके। एक विकेट जोफ्रा आर्चर को मिला। 2 बैटर्स रनआउट हुए।

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया

भारत ने टी-20 वर्ल्डकप में अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बना लिया। टीम इंडिया का सबसे बड़ा स्कोर रिकॉर्ड 256 रन है। जोकि टीम ने इस वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर-8 मैच में बनाया था। ओवरऑल टी-20 वर्ल्ड कप में यह चौथा सबसे बड़ा स्कोर रहा। श्रीलंका के नाम टी-20 वर्ल्ड कप में हाईएस्ट टोटल का रिकॉर्ड हैं, टीम ने केन्या के खिलाफ 2007 में 260 रन बनाए थे।

बंगाल के राज्यपाल और लद्दाख के एलजी का इस्तीफा

ममता बोलीं-मुझे गृहमंत्री ने बताया आरएन रवि नए गवर्नर होंगे, ये केंद्र का एकतरफा फैसला

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने और लद्दाख के उपराज्यपाल कवींद्र गुप्ता ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। डॉ. बोस 23 नवंबर 2022 को बंगाल के राज्यपाल बने थे। आरएन रवि बंगाल के अब नए राज्यपाल होंगे। बंगाल में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। राज्य की सीएम ममता बनर्जी ने कहा- बोस के इस्तीफे की खबर अचानक आने से मैं हैरान हूं। अभी तक मुझे उनके इस्तीफे की असली वजह के बारे में जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुझे बताया है कि आरएन रवि को बंगाल का नया गवर्नर बनाया जा रहा है। लेकिन इस फैसले को लेकर तय परंपरा के अनुसार मुझसे कोई सलाह नहीं ली गई। बोस के कार्यकाल के दौरान कई बार राज्य सरकार और राजभवन के बीच मतभेद भी सामने आए थे। विशेष रूप से विश्वविद्यालयों की नियुक्तियों, प्रशासनिक हस्तक्षेप और कुछ संवैधानिक मुद्दों को लेकर विवादों की खबरें आती रही हैं।

नीतीश ने राज्यसभा के लिए भरा नामांकन

> बोले-नई सरकार को सहयोग रहेगा, गृह विभाग पर ठोका दावा

पटना, 5 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने गुरुवार को विधानसभा पहुंचकर राज्यसभा कैंडिडेट के लिए नामांकन दाखिल किया। सीएम के साथ बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन, रामनाथ ठाकुर, उपेन्द्र कुशवाहा और शिवेश कुमार ने भी नामांकन दाखिल किया। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। नामांकन के बाद जेडीयू ने गृह विभाग पर अपना दावा ठोका है। अभी ये बीजेपी के पास है। सम्राट चौधरी बिहार के गृहमंत्री हैं।

वहीं, जदयू के सूत्रों के अनुसार सीएम नीतीश ने बेटे निशांत कुमार 8 मार्च (रविवार) को जेडीय जॉइन करेंगे। इसके बाद पार्टी में निशांत के आगे की भूमिका तय की जाएगी। पार्टी के नेता बैठक में इसपर फैसला लेंगे। नीतीश कुमार ने निशांत कुमार के ज्वाइनिंग को लेकर हरी झंडी दे दी है। निशांत की ज्वाइनिंग आज ही होनी थी। इसको लेकर जेडीयू कार्यालय में कार्यकर्ता के लिए भोज का इंतजाम किया गया था। लेकिन राज्यसभा नामांकन कार्यक्रम के कारण ज्वाइनिंग नहीं हुई। इधर, नीतीश के नॉमिनेशन के बाद अमित शाह ने कहा, उनका ये कार्यकाल बिहार के इतिहास में स्वर्णिम पृष्ठ के रूप में लिखा जाएगा। बिहार के विकास के सारे मायने को उन्होंने गति देने का काम किया। उन्होंने अपने शासनकाल में बिहार को जंगलराज से मुक्त करने का काम किया। उन्होंने न केवल बिहार की सड़कों को गांव तक जोड़ा, उसकी स्थिति में भी सुधार किया। इतने लंबे कार्यकाल में विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री रहते हुए उनके कुर्ते पर कभी दाग नहीं लगा। भ्रष्टाचार का आरोप लगे बिना इतना लंबा राजनीतिक सफर शायद ही किसी ने तय किया हो, जो नीतीश कुमार ने तय किया है। >14

जंग के बीच एस. जयशंकर ने ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास से फोन पर की बात

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसिया)। ईरान इजरायल युद्ध के बीच विदेश मंत्री जयशंकर ने ईरानी विदेश मंत्री से फोन पर बातचीत की। इस बातचीत की जानकारी विदेश मंत्री ने खुद ट्वीट पर दी। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आज दोपहर ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के साथ टेलीफोन पर बातचीत हुई। इससे पहले भारत ने गुरुवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन पर शोक व्यक्त किया था।

राज्यसभा चुनाव-महाराष्ट्र से शरद पवार समेत 7 प्रत्याशियों का नामांकन

> टीएमसी के 4 उम्मीदवारों ने पर्चा भरा, 37 सीटों पर नामांकन का आज आखिरी दिन

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसिया)। राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन भरने का गुरुवार को आखिरी दिन है। महाराष्ट्र की सात सीटों के लिए महायुति के छह उम्मीदवारों और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के शरद पवार ने नामांकन दाखिल किया।

बिहार में भाजपा के दो प्रत्याशी पार्टी के नेशनल प्रेसिडेंट नितिन नवीन और शिवेश कुमार ने नॉमिनेशन किया। वहीं बिहार के सीएम नीतीश कुमार अब राज्यसभा जा रहे हैं, उन्होंने भी पर्चा भरा।

अब बिहार को नया सीएम मिलेगा। नितिन और नीतीश के नामांकन में गृह मंत्री अमित शाह मौजूद रहे। इधर, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के 4 उम्मीदवारों कोएल मल्लिक, मेनका गुरस्वामी, राजीव कुमार और बाबुल सुप्रियो ने आज अपना नामांकन दाखिल किया।

पश्चिम एशिया संकट : 'जंग हमारे घर तक आ गई'

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर हमला, पूछा-अब तक चुप क्यों?

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर फिर हमला बोला है। मामला हिंद महासागर में एक ईरानी युद्धपोत के डूबने से जुड़ा है। आरोप है कि श्रीलंका के पास एक अमेरिकी पनडुब्बी ने इस जहाज पर हमला किया था। राहुल गांधी ने इस घटना पर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए हैं।

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि पश्चिम एशिया का संघर्ष अब भारत के दरवाजे तक पहुंच गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप लगाया कि उन्होंने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को त्याग दिया है। राहुल ने कहा कि ऐसे समय में देश को एक स्थिर नेतृत्व की जरूरत है। उन्होंने आगे लिखा, यह संघर्ष हमारे घर तक आ गया है, हिंद महासागर में एक ईरानी युद्धपोत डूब गया है। फिर भी प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं कहा है। इसके बजाय, भारत के पास एक समझौता करने वाले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने हमारी रणनीतिक स्वायत्तता को छोड़ दिया है।

भारत के कार्यक्रम से लौट रहा था जहाज :

यह ईरानी युद्धपोत आइरिस देना विशाखापट्टनम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 (आइएफआर) और मिलान 2026 में हिस्सा लेने के बाद वापस लौट रहा था। भारत ने इस जहाज को इन कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था।

राहुल गांधी ने खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण भारत की तेल आपूर्ति पर मंडरा रहे खतरे को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, भारत की तेल आपूर्ति खतरे में है, क्योंकि हमारे आयात का 40 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। एलपीजी और एलएनजी के लिए तो स्थिति और भी खराब है।

पूर्व विदेश सचिव ने कहा- अमेरिका ने भारत की अनदेखी की

भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने कहा कि 'आइरिस देना' ने भारत के बुलावे पर ही इन नौसैनिक अभ्यासों में हिस्सा लिया था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमले ने भारत की संवेदनशीलता को नजरअंदाज किया है। सिब्बल के मुताबिक, जहाज निहत्था था क्योंकि ऐसे अभ्यासों में जहाज गोला-बारूद लेकर नहीं चल सकते।

सिब्बल ने कहा कि यह हमला सुनियोजित था, क्योंकि अमेरिका को इस अभ्यास में ईरानी जहाज की मौजूदगी की जानकारी थी। अमेरिका को भी इस अभ्यास में बुलाया गया था, लेकिन उसने आखिरी समय में अपना नाम वापस ले लिया था, शायद इसी ऑपरेशन की वजह से। उन्होंने कहा कि भारत की नैतिक जिम्मेदारी बनती है क्योंकि वे हमारे मेहमान थे।

अजित पवार विमान हादसा सीआईडी ने तेज की मामले की जांच

वीएसआर कंपनी के अधिकारियों से की पूछताछ

पुणे, 5 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने गुरुवार को वीएसआर वेंचर्स के बड़े अधिकारियों से पूछताछ की। इसी कंपनी का विमान बारामती में हादसे का शिकार हुआ था, जिसमें उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जान चली गई थी। सीआईडी के एक अधिकारी ने इस कार्रवाई की जानकारी दी है। हालांकि, जांच अभी चल रही है, इसलिए उन्होंने ज्यादा विवरण नहीं दिया।

28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती एयर स्ट्रिप के पास वीएसआर वेंचर्स का 'लियरजेट 45' विमान क्रैश हो गया था। इस दुखद घटना में अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। हादसे के बाद बारामती तालुका पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज हुआ था। बाद में इस केस की जांच पुणे सीआईडी को सौंप दी गई। जांच एजेंसी यह पता लगा रही है कि क्या इस हादसे के पीछे कोई साजिश थी या यह आपराधिक लापरवाही का मामला है। सूत्रों के मुताबिक, सीआईडी ने इस संबंध में कंपनी को कुछ सवालों की सूची भी भेजी थी।

अब इस मामले में राजनीतिक बयानबाजी भी तेज है। एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार ने बुधवार को आरोप लगाया कि कोई वीएसआर वेंचर्स को बचाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की शुरूआती रिपोर्ट ने उनके शक को सही साबित किया है। एएआईबी की 22 पन्नों की रिपोर्ट में बताया गया है कि हादसे के समय दृश्यता (विजिबिलिटी) बहुत कम थी। रिपोर्ट में रनवे पर धुंधले निशान और वहां ढीली बजरी होने की बात भी कही गई है। वहीं, अजित पवार के बेटे जय पवार ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि कंपनी के मालिक रोहित सिंह उड़ान के दौरान पायलट की सीट पर सो रहे थे।

भारत के लिए होर्मुज स्ट्रेट बंद नहीं?

ईरान ने अमेरिका, इजराइल और यूरोप के लिए जारी किया नया फरमान

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसिया)। ईरान की ओर से होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही बंद किए जाने की वजह से पूरी दुनिया में तेल की किल्लत होने की आशंका बढ़ती जा रही है। भारत की चिंता इस वजह से बढ़ी है, क्योंकि हमारा रोजाना लगभग 26 लाख बैरल कच्चा तेल इसी रास्ते होकर आता है। लेकिन, ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशन गार्ड कोर ने गुरुवार को कहा है कि उसने होर्मुज स्ट्रेट को सिर्फ अमेरिका, इजरायल, यूरोप और उनके पश्चिमी सहयोगियों के लिए ही बंद किया है।

ईरान का रिवॉल्यूशन गार्ड- होर्मुज स्ट्रेट सबके लिए बंद नहीं

भारत में तेल को लेकर बढ़ती चिंता के बीच ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशन गार्ड कोर की ओर से होर्मुज स्ट्रेट को लेकर जो बयान आया है, वह बहुत बड़ी राहत की खबर हो सकती है। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते में से एक है और यहां ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच युद्ध शुरू होने से जहाजों की आवाजाही पुरी तरह से ठप है। सैकड़ों जहाज कतारों में खड़े हैं।

ईरानी सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरईबी के अनुसार इस्लामिक रिवॉल्युशनरी गार्ड कोर ने कहा है, हमने पहले कहा था कि अंतर्राष्ट्रीय कानून और संकल्पों के आधार पर युद्ध के समय में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले रास्ते पर नियंत्रण का अधिकार होगा। इस्लामिक रिवॉल्युशनरी गार्ड कोर का अब कहना है कि अगर जहाज अमेरिका, इजरायल, यूरोप और उनके समर्थकों के होते हैं.... देखे जाते हैं, उनको निश्चित तौर पर निशाना बनाया जाएगा।

जब से अमेरिका और इजरायल ने ईरान के खिलाफ ज्याइंट ऑपरेशन शुरू किया है, यह स्ट्रेट बंद है और तेल की कीमतें बढ़ रही हैं और इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था खतरे में पड़ती नजर आ रही है।

भारत के लिए होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के मायने :

> चिंता इस बात की है कि अगर पश्चिम एशिया में 10-15 लड़ाई खिंच गई तो भारत में तेल और पेट्रोलियम पदार्थों की दिक्कतें शुरू हो सकती हैं।

> युद्ध शुरू होने से पहले तक भारत इसी रास्ते प्रतिदिन 26 लाख बैरल कच्चा तेल मंगवाता था।

> इस रास्ते सिर्फ कच्चा तेल ही नहीं, एलपीजी और एलएनजी भी मंगवाया जाता है।

> भारत कच्चे तेल के लिए 85 प्रतिशत से ज्यादा विदेशों के आयात पर निर्भर है और इनमें से अधिकतर तेल पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों से होर्मुज स्ट्रेट से होकर ही आता है।

> एक अनुमान के अनुसार भारत का करीब 50 से 55 प्रतिशत कच्चा तेल और एलएनजी का आयात इसी रास्ते होता है। इसलिए भारत होर्मुज स्ट्रेट पर बहुत ज्यादा निर्भर है।

खामेनेई की मौत पर भारत ने जताई संवेदना

ईरानी दूतावास पहुंचे विदेश सचिव विक्रम मिसरी

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। भारत सरकार की ओर से विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने नई दिल्ली स्थित ईरान के दूतावास पहुंचकर ईरान के मारे गए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के प्रति शोक व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने दूतावास में रखी शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर कर अपनी संवेदनाएं दर्ज कीं। विक्रम मिसरी ने खामेनेई के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए ईरान की सरकार और वहां के लोगों के प्रति संवेदना प्रकट की। भारत ने इस कठिन समय में ईरान के साथ एकजुटता और सहानुभूति व्यक्त की है।

इसके साथ विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने ईरान के राजनयिक प्रतिनिधियों से मुलाकात कर भारत की ओर से शोक संदेश दर्ज कराया। उन्होंने खामेनेई के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईरान की सरकार और वहां के लोगों के प्रति सहानुभूति जताई। भारत लंबे समय से ईरान के साथ कूटनीतिक और आर्थिक संबंध बनाए हुए है। ऐसे में इस घटना के बाद भारत की प्रतिक्रिया को क्षेत्रीय कूटनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी क्षेत्र में शांति की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान केवल सैन्य टकराव से नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत संवाद और कूटनीति के रास्ते को ही स्थायी समाधान मानता है।

उनका कहना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय है और जल्द से जल्द संघर्ष समाप्त होना चाहिए। भारत ने इस संकट के बीच संतुलित और सावधानी भरा रुख अपनाया है। भारत एक तरफ ईरान के साथ अपने पारंपरिक संबंध बनाए रखना चाहता है, वहीं दूसरी ओर वैश्विक शांति और स्थिरता की भी बात कर रहा है।

उपग्रह चित्रों से बनेगा मकान सूचीकरण ब्लॉक

गृहमंत्री ने डिजिटल जनगणना के लिए लांच किए चार टूल

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली में जनगणना-2027 के लिए चार डिजिटल टूल्स का सॉफ्ट लॉन्च और शुभंकर-'प्रगति' (महिला) और 'विकास' (पुरुष) का औपचारिक अनावरण किया है। देशभर में गणना कार्यों को सुगम बनाने के लिए सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) ने एडवांस डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किए हैं।

इन टूल्स में डिजिटल जनगणना के दौरान, उपग्रह चित्रों की सहायता से मकान सूचीकरण ब्लॉक बनेगा। देशभर में 30 लाख से अधिक प्रगणक, पर्यवेक्षक और अन्य अधिकारी जनगणना-2027 में शामिल होंगे। दो चरणों में होने वाली जनगणना-2027 दुनिया का सबसे बड़ा जनगणना कार्य है। पहली बार जनगणना डिजिटल माध्यम से की जाएगी। पहली बार स्व-गणना का विकल्प भी दिया जा रहा है। जनगणना-2027 के शुभंकर 'प्रगति' (महिला प्रगणक) और 'विकास' (पुरुष प्रगणक) को मैत्रीपूर्ण एवं सहज प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। साथ ही 'प्रगति' और 'विकास' 2047 में भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने में महिलाओं और पुरुषों की बराबर की भागीदारी के भी प्रतीक हैं। इन शुभंकरों के माध्यम से जनगणना 2027 से संबंधित जानकारी, उद्देश्य एवं प्रमुख संदेश समाज के विभिन्न वर्गों तक प्रभावी और जन-सुलभ रूप में पहुंचाए जाएंगे।

रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास भीषण आग, 70 से ज्यादा झुग्गियां जलकर खाक

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास झुग्गियों में बृहस्पतिवार सुबह आग लग गई। आग लगने की जानकारी मिलते ही करीब 15 दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। दमकल विभाग के मुताबिक, आग सुबह 4.15 पर लगी थी, आग में करीब 70 से 80 झुग्गियां जलकर राख हो गई है। आग पर लगभग काबू पा लिया गया है। दमकल विभाग की ओर से तलाशी का काम भी जारी है। रिठाला झुग्गी फायर डिपार्टमेंट से एडीओ सीएल मीणा ने कहा कि आग में एक लड़की की जली हुई बॉडी मिली है और उसे पुलिस को सौंप दिया गया है।

'मतुआ समुदाय को नागरिकता देने में केंद्र सरकार कर रही राजनीति'

सीएम ममता बनर्जी ने लगाया आरोप

कोलकाता, 5 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार नागरिकता प्रदान करने के नाम पर मतुआ समुदाय के सदस्यों को अनिश्चितता और भ्रम में धकेल रही है। मतुआ समुदाय की मुखिया बिनापानी देवी, जिन्हें लोकप्रिय रूप से बरोमा के नाम से जाना जाता है। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए बनर्जी ने दावा किया कि केंद्र सरकार उन लोगों की पहचान पर सवाल उठा रही है, जो लंबे समय से देश के नागरिक हैं।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र में भाजपा सरकार की साजिश के कारण

हमारे मतुआ भाई-बहनों को अस्थिर और भ्रामक स्थिति में धकेला जा रहा है। नागरिकता प्रदान करने के नाम पर राजनीति खेली जा रही है। उन्होंने आगे कहा, "उनकी पहचान पर ही सवाल उठाया जा रहा है। एसआईआर के माध्यम से उन्हें जानबूझकर मतदाता सूची से बाहर किया जा रहा है। पीढ़ियों से इस देश के नागरिक रहे लोग, जिनके वोटों से सरकारें चुनी जाती हैं, उन्हें अब दोबारा नागरिकता'देने के नाम पर अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार समुदाय के अधिकारों को कमजोर करने वाले किसी भी कदम का विरोध करना जारी रखेगी। यह अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मेरे मतुआ भाइयों और बहनों और बंगाल की जनता के अधिकारों को छीनने के प्रयासों के खिलाफ हमारा संघर्ष जारी रहेगा। हम बंगाल की जनता को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होने देंगे। बनर्जी ने कहा कि उनका बिनापानी देवी के साथ व्यक्तिगत और आध्यात्मिक संबंध था। उन्हें उनका मातृवत स्नेह प्राप्त हुआ था।

उनकी सरकार ने समुदाय के कल्याण के लिए कई पहल की

उन्होंने कहा, "बरोमा बिनपानी देवी की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि और प्रणाम अर्पित करती हूं। हरिचंद ठाकुर और गुरुचंद ठाकुर द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करते हुए, मतुआ महासंघ बंगाल के सामाजिक सुधार और पुनर्जागरण का अभिन्न अंग रहा है।"

उन्होंने कहा, बरोमा ने जीवन भर इन आदर्शों का पोषण किया। उनके नेतृत्व में, मतुआ महासंघ सामाजिक समानता और बंधुत्व के स्तंभ के रूप में स्थापित हुआ। बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार ने समुदाय के कल्याण के लिए कई पहल की हैं, जिनमें मतुआ विकास बोर्ड की स्थापना और उत्तर 24 परगना जिले के ठाकुरनगर में हरिचंद-गुरुचंद विश्वविद्यालय की स्थापना शामिल है

ईरान समर्थक प्रदर्शनों के बाद कश्मीर में स्थिति सुधरी, लेकिन प्रतिबंध बरकरार

श्रीनगर, 5 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के विरोध में जम्मू कश्मीर में प्रदर्शनों के बाद सुरक्षा बल पूरी मुस्तैदी से काम कर रहे हैं। तनाव धीरे-धीरे कम हो रहा है, हालांकि कश्मीर में गुरुवार को भी प्रतिबंध जारी रहे। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे घाटी क्षेत्र में दिनभर प्रतिबंध लागू रहेंगे और किसी भी प्रकार के विरोध प्रदर्शन या लोगों के जमावड़े की अनुमति नहीं होगी।

श्रीनगर जिले और घाटी के अन्य जिलों में सभी संवेदनशील स्थानों पर पुलिस और सीआरपीएफ की टुकड़ियों को तैनात किया गया था। प्रतिबंधों को लागू करने के लिए सड़क चौराहों पर बैरिकेड और नाकाबंदी की गई थी। श्रीनगर और अन्य जिलों में शिया मुस्लिम आबादी वाले क्षेत्रों में इन प्रतिबंधों को और अधिक सख्ती से लागू किया जा रहा है। अधिकारियों की तरफ से एहतियाती उपायों को जारी रखने के बावजूद घाटी में स्थिति में स्पष्ट रूप से सुधार हो रहा था क्योंकि श्रीनगर शहर के ऊपरी इलाकों और घाटी के अन्य सभी जिला मुख्यालयों में लोग एक-दो के समूह में जीवन की आवश्यक वस्तुएं खरीदने के लिए निकल रहे थे। श्रीनगर के ऊपरी इलाकों में स्थित लाल चौक को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रों में दुकानें सामान्य रूप से चलती रहीं। दुकानें वहां बंद रहीं, जहां प्रतिबंधों को लागू करने के लिए बैरिकेड, टिन की चादरें और कंटीले तार लगाए गए थे।

जैसे-जैसे तनाव कम होने लगा, सुरक्षा बलों ने भी उन लोगों के प्रति नरम रुख दिखाया जो सामान्य जीवन की गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए बाहर निकल रहे थे, जहां भी ऐसी गतिविधियां संभव थीं। श्रीनगर शहर में, पुराने शहरी इलाकों को छोड़कर कार्यालय जाने वाले लोग घाटी के अन्य हिस्सों की तरह ही सुबह अपने कर्तव्यों को फिर से शुरू करने के लिए निकले।

पहलगाम हमले में नया ट्विस्ट

आतंकी जांच में पहली बार चीन की मदद लेगा भारत; एनआईए मांगेगी सीक्रेट जानकारी

जम्मू, 5 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) पहलगाम हमले की जांच के लिए अब चीन तक पहुंच गई है। इस हमले की जांच के दौरान बरामद हुआ गोप्रो हीरो-12 ब्लैक कैमरा सबसे पहले चीन में ही एक्टिवेट हुआ था। एनआईए यह पता लगाना चाहती है कि कैमरा सबसे पहले किसने और कहां इस्तेमाल किया और यह पहलगाम हमले में लिप्त आतंकियों तक कैसे पहुंचा। कैमरे का इस्तेमाल कथित तौर पर हमले से पहले पहलगाम और उसके साथ सटे इलाकों की रेकी के लिए किया गया था। जम्मू स्थित एनआईए की विशेष अदालत ने इस मामले में चीन के सक्षम न्यायिक प्राधिकरण को लेटर रोगेटरी (अनुरोध पत्र) जारी करने के एनआईए के आग्रह को अनुमति दे दी है। यह पहला अवसर है जब जम्मू-कश्मीर में हुए किसी आतंकी हमले की जांच के सिलसिले में भारत सरकार चीन से सहयोग लेगी। यह अनुमति दो मार्च को जम्मू स्थित विशेष जज (एनआईए अदालत) प्रेम सागर ने दी थी।

डीआईजी संदीप चौधरी ने किया था आवेदन

आदेश के अनुसार, पहलगाम हमले की जांच में शामिल एनआईए के डीआइजी संदीप चौधरी ने एक आवेदन किया था। इसमें जांच में मदद के लिए भारतीय विदेश मंत्रालय के जरिए अनुरोध पत्र जारी करने का आग्रह किया गया था। यह एक देश की अदालत द्वारा दूसरे देश की अदालत से की गई एक औपचारिक प्रार्थना है। एनआईए ने अदालत में अनुमति के लिए आग्रह करते हुए कहा कि आतंकी हमले के षड्यंत्र को पूरी तरह से उजागर करने के लिए और हमले को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल विभिन्न वस्तुओं और इलेक्ट्रानिक उपकरणों की जांच की गई है।

जांच के दौरान गोप्रो कैमरा मिला है, जिसका सीरियल नंबर-सी3501325471706 है। हमलावरों या उनके मददगारों ने हमले से पहले घटनास्थल की जासूसी कब की, कैसे की और इसका इस्तेमाल कहां कैसे कर रहे थे, इन सभी बिंदुओं का पता लगाने के लिए जरूरी है कि इसके पहले खरीदार से लेकर अंतिम उपयोगकर्ता तक का पता चल सके।

मां के सामने 5वीं मंजिल से कूदा युवक,मौत

इंदौर, 5 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर के चंदन नगर थाना क्षेत्र स्थित ताप्ती परिसर में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात एक युवक ने पांचवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना रात करीब 2 से 3 बजे के बीच की बताई जा रही है। मृतक की पहचान राज (23) पिता मनोज मकवाना के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि गर्मी लगने के कारण वह रात में अपनी मल्टी के नीचे टहल रहा था।

चौकीदार ने उससे देर रात घूमने की वजह पूछी। इसी दौरान वहां पुलिस की गाड़ी भी पहुंच गई। जानकारी के मुताबिक पुलिसकर्मी ने राज को रोककर पूछताछ की और उसे थप्पड़ भी मारे। परिवार का आरोप है कि इसके बाद राज घबरा गया और पकड़े जाने के डर से मल्टी की पांचवीं मंजिल पर पहुंचकर नीचे कूद गया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

इन्फ्लुएंसर नैन्सी ग्रेवाल की कनाडा में हत्या

जालंधर, 5 मार्च (एजेंसियां)। जालंधर मूल की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नैन्सी ग्रेवाल की कनाडा के विंडसर शहर में हत्या कर दी गई है। नैन्सी डेरा ब्यास के मुखी बाबा गुरिंदर ढिल्लों और खालिस्तानी गतिविधियों की सोशल मीडिया पर खुलकर आलोचना करती थीं। अज्ञात हमलावर ने उनके घर में घुसकर चाकू से हमला किया। गंभीर रूप से घायल नैन्सी को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

इस घटना के बाद भारतीय समुदाय में भी सनसनी फैल गई है। कनाडा पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कनाडाई मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक मंगलवार रात पुलिस को सूचना मिली कि विंडसर के टॉड लेन इलाके में रहने वाली नैन्सी ग्रेवाल पर उनके घर के भीतर चाकू से हमला किया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस और एसेक्स-विंडसर आपातकालीन चिकित्सा सेवा के सदस्य रात करीब साढ़े नौ बजे टॉड लेन के 2400 ब्लॉक में पहुंचे। मौके पर पहुंची टीम ने गंभीर रूप से घायल नैन्सी को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उन्होंने दम तोड़ दिया।

कनाडा पुलिस के अधिकारी माइकल पियर्स ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि यह एक गंभीर आपराधिक मामला है और पुलिस हर पहलू से इसकी जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां हमलावरों की पहचान के लिए लगातार काम कर रही हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना के बाद पुलिस ने टॉड लेन पर कनाडा स्ट्रीट और बिशप स्ट्रीट के बीच के इलाके को घेराबंदी कर सील कर दिया।

जिस घर में यह वारदात हुई, वहां मुख्य दरवाजे तक जाने वाली सीढ़ियों और रास्ते पर मिले सबूतों को चिन्हित कर जांच की जा रही है। इसके अलावा घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर टॉड लेन पर ही एक जंगली इलाके के आसपास भी पुलिस ने पीली टेप लगाकर एरिया को बंद कर दिया है। बताया जा रहा है कि यहां हर्ब ग्रे पार्कवे के पास पैदल चलने वाले रास्तों का प्रवेश द्वार है और पुलिस इस क्षेत्र को भी जांच के दायरे में लेकर संभावित सबूत जुटा रही है।

जंगलों में बाघों की लौटती दहाड़

इंदौर, 5 मार्च (एजेंसियां)। वनमंडल के घने जंगल इन दिनों बाघों और तेंदुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनते जा रहे हैं। घने वन क्षेत्र, पर्याप्त जल स्रोतों की उपलब्धता और शिकार (प्रेय) प्राणियों की बढ़ती संख्या ने इस इलाके को बड़े मांसाहारी वन्यजीवों के लिए अनुकूल बना दिया है। जनवरी-फरवरी के बीच चोरल क्षेत्र में तेंदुए के साथ ही बाघ की मौजूदगी के ठोस प्रमाण मिले हैं, जहां कई जगहों पर पंजों के निशान (पगमार्क) और विष्ठा पाई गई। तेंदुओं की गतिविधियां तो रोजाना देखी जा रही हैं। दिसंबर के तीसरे सप्ताह में हुई बाघ गणना (ऑल इंडिया टाइगर एस्टीमेशन) के दौरान इंदौर वनमंडल में बाघ की काफी हलचल दर्ज की गई। इंदौर-चोरल-महू का जंगल पहले से ही बाघों के लिए संभावित क्षेत्र माना जाता रहा है।

गणना में नाहरझाबुआ-भड़किया, उमठ-वेका (चोरल) और मलेंडी-मांगलिया (महू) जैसे इलाकों में पंजों के निशान और अन्य प्रमाण मिले। वन अधिकारियों का कहना है कि बाघ अब उदयनगर से बड़वाह तक अपना नया टेरिटरी (क्षेत्र) बना रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, खिवनी अभयारण्य से उदयनगर-बड़वाह तक का जंगल क्षेत्र बाघों के लिए सुरक्षित और अनुकूल है।

वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (देहरादून) भी इसे संभावित टाइगर कॉरिडोर मानता है। पिछले कुछ वर्षों में बाघों ने अपना दायरा बढ़ाया है। सड़क, रेलवे और अन्य विकास परियोजनाओं से जंगलों पर असर पड़ा, जिससे वन्यजीव नए सुरक्षित इलाकों की तलाश में निकले। यही वजह है कि 2022 से अब तक चोरल, महू और मानपुर क्षेत्रों में बाघ की गतिविधियां बढ़ी हैं।

कांग्रेस का बड़ा दांव, 6 उम्मीदवारों में 3 सवर्ण चेहरों को दी जगह

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी ने नामांकन के अंतिम दिन अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी ने इस बार उम्मीदवारों के चयन में आदिवासी, दलित, अल्पसंख्यक और सवर्ण समाज के चेहरों को जगह दी है। कांग्रेस की ओर से जारी लिस्ट में आदिवासी समाज से फूलोदेवी नेताम, दलित समाज से कर्मवीर सिंह बौद्ध, अल्पसंख्यक समाज से टी क्रिस्टोफर और सवर्ण समाज से वेम नरेंद्र रेड्डी, अनुराग शर्मा और अभिषेक मनुसिंघवी को उम्मीदवार बनाया गया है।

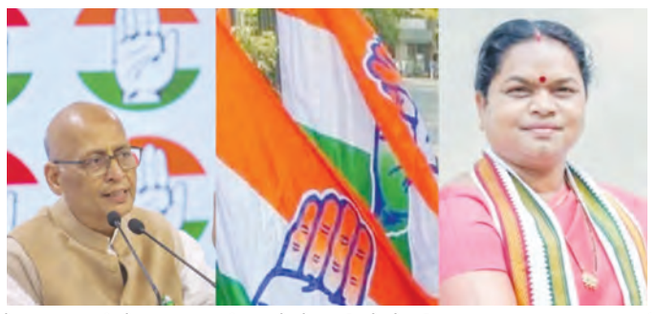

फूलोदेवी नेताम को फिर मिला मौका

कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ से आदिवासी नेता फूलोदेवी नेताम को एक बार फिर राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है। आदिवासी समाज से आने वाली फूलोदेवी नेताम को कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी का करीबी माना जाता है। 25 मई 2013 को छत्तीसगढ़ के दरबा घाटी में हुए नक्सली हमले में फूलोदेवी नेताम बाल-बाल बच गई थीं। उस हमले में उन्हें गोली भी लगी थी, जिसके अंश आज भी उनके शरीर में मौजूद है। पिछली बार कांग्रेस ने राज्य से बाहरी नेताओं को राज्यसभा भेजा था, जिनमें राजीव शुक्ला, रंजीत रंजन और केटीएस तुलसी शामिल थे। इसे लेकर प्रदेश इकाई में नाराजगी भी देखी गई थी। लिहाजा इस बार राज्य इकाई से किसी राज्य के व्यक्ति को ही उम्मीदवार बनाने का दबाव पार्टी पर था।

हिमाचल से अनुराग शर्मा

कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के जिला अध्यक्ष अनुराग शर्मा को भी राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाया है। उन्हें मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का करीबी माना जाता है। ठाकुर और ब्राह्मण बहुल आबादी वाले हिमाचल प्रदेश में ब्राह्मण समाज से उम्मीदवार उतारकर कांग्रेस जातीय समीकरणों को संतुलित करने की कोशिश कर रही है।

कर्मवीर सिंह बौद्ध को दलित प्रतिनिधित्व

अनुसूचित जाति समुदाय से आने वाले कर्मवीर सिंह बौद्ध को भी कांग्रेस ने राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है। उन्हें कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के। राजू और कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम का करीबी माना जाता है।

तेलंगाना से वेम नरेंद्र रेड्डी

तेलंगाना से वेम नरेंद्र रेड्डी को उम्मीदवार बनाया गया है। वे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के सलाहकार हैं और रेड्डी समुदाय से आते हैं। पहले ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि पार्टी बी। सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाएगी, लेकिन मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी शुरू से ही अपने सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी के पक्ष में पैरवी कर रहे थे।

तमिलनाडु से टी क्रिस्टोफर को मौका

कांग्रेस ने तमिलनाडु में डीएमके के साथ गठबंधन के तहत मिली एक सीट से टी क्रिस्टोफर को उम्मीदवार बनाया है। माना जा रहा है कि पार्टी राज्य में ईसाई समुदाय को साधने की रणनीति के तहत यह फैसला लिया है, क्योंकि तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव भी ज्यादा दूर नहीं हैं।

एमपी में गिद्धों की संख्या 14 हजार पार

भोपाल, 5 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में अबकी बार गिद्धों की संख्या 14 हजार के पार पहुंच गई है। वन विभाग के 3 दिन के सर्वे में ये आंकड़े सामने आए हैं। हालांकि, रिपोर्ट फाइनल होने के बाद संख्या बढ़ सकती है। पिछली गणना में 12 हजार 981 गिद्ध मिले थे। पन्ना में लाल सिर और वन विहार नेशनल पार्क में सफेद पीठ वाले गिद्ध पाए गए हैं। पिछले 10 साल में इनकी संख्या दोगुनी हुई है।

एमपी पहले से चीता, टाइगर, तेंदुआ स्टेट है। अब यहां गिद्धों की संख्या भी बढ़ गई है। इस बार 20 से 22 फरवरी तक हुए सर्वे में गिद्धों की करीब 7 प्रजाति पाई गई हैं। इनमें भारतीय गिद्ध, सिनेरियस गिद्ध, मिस्र गिद्ध (व्हाइट स्कैवेंजेर) और हिमालयन ग्रिफॉन जैसी प्रजातियां प्रमुख हैं। 23 फरवरी को मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने रायसेन जिले के हलाली डैम क्षेत्र में लुप्तप्राय प्रजाति के 5 गिद्धों को प्राकृतिक वातावरण में छोड़ा था। इन पर उच्च तकनीक वाले जीपीएस ट्रैकर लगाए गए हैं।

'सिर्फ व्हाट्सएप चैट के आधार पर तलाक का आदेश नहीं दे सकते'

बॉम्बे हाई कोर्ट ने पलटा निचली अदालत का फैसला

मुंबई, 5 मार्च (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक ऐसे फैसले को पलट दिया है। इस फैसले में सिर्फ व्हाट्सएप चैट्स के आधार पर पति को उसकी पत्नी से क्रूरता का हवाला देकर तलाक मिल गया था। कोर्ट ने साफ कहा कि महज मैसेज दिखाकर तलाक नहीं दिया जा सकता, जब तक कि ठोस सबूत पेश न किए जाएं और दूसरी पार्टी को अपना पक्ष रखने का मौका न मिले। यह फैसला 27 फरवरी को जस्टिस भारती डांगरे और जस्टिस मंजुषा देशपांडे की बेंच ने दिया। कोर्ट ने नासिक फैमिली कोर्ट के मई 2025 के आदेश को पूरी तरह रद कर दिया और मामले को वापस उसी कोर्ट में भेज दिया है, जहां अब दोनों पक्षों को सबूत पेश करने और बहस करने का पूरा मौका मिलेगा।

यह मामला हिंदू मैरिज एक्ट की धारा 13(1)(आईए) के तहत क्रूरता के आधार पर तलाक से जुड़ा है। पति ने दावा किया था कि पत्नी ने उसे और उसके परिवार को मानसिक रूप से परेशान किया। फैमिली कोर्ट ने पति की बात को सही माना और तलाक दे दिया, लेकिन हाई कोर्ट ने इसे गलत ठहराया।

नासिक फैमिली कोर्ट ने पति की गवाही को व्हाट्सएप और एसएमएस चैट्स से समर्थन मिलने की बात कही थी। कोर्ट के मुताबिक, पत्नी बार-बार नासिक छोड़कर पुणे शिफ्ट होने की जिद कर रही थी, जहां वह ससुराल वालों को छोड़ना चाहती थी। चैट्स में सास और ननद के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक बातें भी थीं। पत्नी ने पति के इनकार पर दबाव बनाने, इमोशनल ब्लैकमेल करने और गुस्से में कड़वी-कड़वी भाषा इस्तेमाल करने का आरोप लगा था। फैमिली कोर्ट ने कहा था कि पत्नी ऐसी हरकतें नहीं कर सकती, इसलिए पति को उसके साथ रहना जरूरी नहीं है। इस आधार पर तलाक मंजूर कर दिया गया। कोर्ट ने पति की गवाही को 'अनचैलेंज्ड' यानी बिना विरोध के माना, क्योंकि मामला एक्स-पार्टे (एक तरफा) चला था। पत्नी को सुनवाई का मौका नहीं मिला था।

हाई कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश की जांच की और पाया कि सिर्फ चैट्स पर भरोसा करके तलाक नहीं दिया जा सकता। जजों ने कहा, महज व्हाट्सएप चैट्स पर निर्भर रहकर तलाक का फैसला नहीं हो सकता, क्योंकि इसे ठीक से सबूत के तौर पर पेश नहीं किया गया। कोर्ट ने यह भी नोट किया कि पत्नी को इन चैट्स का जवाब देने या उन्हें चुनौती देने का कोई मौका नहीं दिया गया।

जस्टिस डांगरे और देशपांडे ने कहा कि क्रूरता साबित करने के लिए सही तरीके से सबूत पेश करना जरूरी है। बिना दूसरी पार्टी को सुने और बिना क्रॉस-एग्जामिनेशन के ऐसे संवेदनशील फैसले नहीं हो सकते। इसलिए उन्होंने फैमिली कोर्ट के तलाक के आदेश को पूरी तरह खारिज कर दिया।

भैंसा खाकर चला गया बाघ, देखती रह गई तैनात वन विभाग की टीम

हल्द्वानी, 5 मार्च (एजेंसियां)। फतेहपुर रेंज के अंतर्गत पीपलपोखरा और पनियाली गांव में दो महिलाओं को मारने वाले बाघ को पकड़ने के लिए वन विभाग की ओर से बिछाए गए जाल में बाघ फंस नहीं पाया। उसे पकड़ने के लिए बनाए गए मचान पर तैनात टीम को वह चकमा देकर निकल गया। बाघ को पकड़ने के लिए वन विभाग ने पांच पिंजरे, 58 ट्रैप कैमरे लगाए हैं। दो मचान पर ट्रैंकुलाइजर के साथ विभाग की टीम तैनात है। इसके अलावा बाघ को जाल में फंसाने के लिए एक भैंसा बांधा गया है। सोमवार को बाघ वहां पर आया।

उसने मचान के पास बांधे गए भैंसे को खाया और चला गया। लेकिन टीम उसे ट्रैंकुलाइज नहीं कर पाई। वह विभाग की टीम को चकमा देकर निकल गया। रामनगर डिवीजन के डीएफओ डीएस मर्तोलिया ने बताया कि बाघ ट्रैप कैमरे में भी नजर आया है। बाघ की प्रवृत्ति होती है कि वह अपना बचा हुआ शिकार खाने दोबारा आता है। जैसे ही वह आएगा, उसे पकड़ लिया जाएगा।

अधिकारियों के ठिकानों पर लोकायुक्त की छापेमारी

आय से अधिक संपत्ति का खुलासा

बैंगलूरू, 5 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक में लोकायुक्त ने आय से अधिक संपत्ति के आरोपों के संबंध में विभिन्न जिलों के कई सरकारी अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत अधिकारियों को निशाना बनाते हुए बंगलूरू, मांड्या, धारवाड़, हासन, मैसूरू, विजयपुरा और यादगीर जैसे जिलों में कई स्थानों पर की गई।

किन पदों के अधिकारियों को बनाया गया निशाना?

लोकायुक्त अधिकारियों के अनुसार, ये छापे सहायक कार्यकारी अभियंता, जूनियर इंजीनियर, उप विद्युत निरीक्षक और तालुक पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी जैसे पदों पर तैनात अधिकारियों पर केंद्रित थे। इन छापों का उद्देश्य उन सरकारी कर्मचारियों की जांच करना था, जिनकी संपत्ति उनकी घोषित आय से काफी अधिक पाई गई है।

हासन में क्या दृश्य देखने को मिला?

छापेमारी के दौरान हासन नगर निगम के सहायक कार्यकारी अभियंता एम।सी सत्यानारायण के आवास पर काफी नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला। लोकायुक्त अधिकारियों को उनके घर का दरवाजा न खुलने के कारण एक घंटे से अधिक समय तक बाहर इंतजार करना पड़ा। जब सत्यानारायण ने गेट खोलने के अनुरोधों का जवाब नहीं दिया, तो अधिकारियों ने घर में प्रवेश करने के लिए पहली मंजिल पर चढ़ने का प्रयास किया। यह घटनाक्रम इस बात का संकेत देता है कि कुछ अधिकारी जांच से बचने का प्रयास कर सकते हैं।

हुबली में भी हुई कार्रवाई

एक अन्य मामले में, अधिकारियों ने कर्नाटक ग्रामीण अवसंरचना विकास निगम के मुख्य अभियंता वसंतप्पा नायक के हुबली स्थित आवास पर भी तलाशी ली। फिलहाल बंगलूरू में कार्यरत नायक को पिछले साल अप्रैल में हुबली से बंगलूरू स्थानांतरित किया गया था। अधिकारियों ने उनके हुबली स्थित आवास पर भी तलाशी अभियान चलाया।

आय से अधिक संपत्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई

यह व्यापक तलाशी अभियान आज सुबह जल्दी शुरू हुआ और इसमें लोकायुक्त अधिकारियों की कई टीमों ने भाग लिया। यह कार्रवाई संदिग्धों के आवासों और कार्यालयों पर की गई, जो आय से अधिक संपत्ति रखने की शिकायतों के बाद की गई थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

न किसी के धोखे में आओ, न किसी को धोखे में डालो

शुक्रवार, 6 मार्च, 2026

तेलंगाना में रेलवे अवसंरचना का तीव्र गति से विकास : केंद्रीय मंत्री

हैदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने गुरुवार को हैदराबाद (नामपल्ली) रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उनके साथ दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव, सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक डॉ. आर. गोपालकृष्णन, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (आरएसपी) संदीप जैन, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. श्रीधर तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री ने स्टेशन परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों का दौरा कर पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

उन्होंने स्टेशन भवन, बेसमेंट पार्किंग, सर्कुलेटिंग एरिया आदि का निरीक्षण किया तथा कार्यस्थल पर अपनाए जा रहे सुरक्षा उपायों की भी समीक्षा की। इसके बाद स्टेशन पर मीडिया को संबोधित करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेलंगाना राज्य में रेलवे अवसंरचना का तीव्र गति से विकास हो रहा है। उन्होंने बताया कि हैदराबाद रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास 327.27 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है, जिसमें शहर की पहचान के अनुरूप आधुनिक शहरी ढांचा और विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में इस स्टेशन से प्रतिदिन लगभग 60 ट्रेनें संचालित होती हैं और यहां प्रतिदिन औसतन 28,000 यात्रियों की आवाजाही होती है। पुनर्विकास के बाद स्टेशन यात्रियों को बेहतर अनुभव प्रदान करेगा और भविष्य की आवश्यकताओं को भी पूरा करेगा। आगामी सुविधाओं के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि स्टेशन पर 16 लिफ्ट, 8 एस्केलेटर, 2 ट्रैवलेटर, बेसमेंट पार्किंग, फुट ओवर ब्रिज, सीसीटीवी, वाई-फाई, फूड कोर्ट, फार्मेसी एवं मेडिकल सुविधाएं, दिव्यांगजन के लिए विशेष सुविधाएं आदि उपलब्ध कराई जाएंगी। केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए तेलंगाना राज्य को 5,454 करोड़ रुपए का रेलवे बजट आवंटित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में नई रेल लाइनों, डबलिंग, थर्ड लाइन, बाईपास लाइन, स्टेशन पुनर्विकास और सुरक्षा उन्नयन जैसे 47,984 करोड़ रुपए से अधिक के बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर कार्य जारी है।

उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 346 किलोमीटर नई रेल लाइन और 513 किलोमीटर डबल लाइन, थर्ड लाइन, फोर्थ लाइन तथा बाईपास कार्य पूरे किए जा चुके हैं। स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम 'कवच 3.2' को तेलंगाना में 639 रूट किलोमीटर पर लागू किया गया है, जो 63 स्टेशनों को कवर करता है। इन सेक्शनों पर कवच 4.0 में उन्नयन की प्रक्रिया जारी है तथा अतिरिक्त 384 रूट किलोमीटर पर नई स्थापना का कार्य भी किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि बजट में घोषित सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में हैदराबाद—चेन्नई (विजयवाड़ा के रास्ते), हैदराबाद—बेंगलुरु (महबूबनगर के रास्ते) और हैदराबाद—पुणे से तीन तेलंगाना से संबंधित हैं। इससे पहले दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण दिया, जबकि मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (आरएसपी) संदीप जैन ने मीडिया को परियोजना की प्रमुख विशेषताओं के बारे में जानकारी दी।

तेलंगाना में पहली राष्ट्रीय लोक अदालत 28 मार्च को

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (टीएसएलएसए) ने राज्य में होने वाली पहली राष्ट्रीय लोक अदालत की तारीख को 14 मार्च से बदलकर 28 मार्च कर दिया है। टीएसएलएसए के कार्यकारी अध्यक्ष के आदेशानुसार, लोक अदालत अब तेलंगाना के सभी न्यायालयों में 28 मार्च (शनिवार) को आयोजित की जाएगी। विवादियों को सुलझाए जा सकने वाले आपराधिक मामलों, चेक बाउंस मामलों, वैवाहिक विवादों (तलाक को छोड़कर), भागीदारी के मुकदमे, धन विवाद और अन्य लंबित दीवानी मामलों को सुलझाने का अवसर मिलेगा। प्री-लिटिगेशन (मुकदमे शुरू होने से पहले के मामले) भी सुलझाए जा सकते हैं। टीएसएलएसए ने बताया कि यदि मामले लोक अदालत में सुलझ जाते हैं, तो फाइलिंग के समय दिए गए कोर्ट फीस वापस कर दिए जाएंगे।

लोक अदालत द्वारा दिया गया निर्णय अंतिम होगा और अपील की कोई व्यवस्था नहीं होगी। विवादियों को सलाह दी गई है कि वे अपने नजदीकी कोर्ट परिसरों में स्थित जिला लीगल सर्विसेज अथॉरिटी कार्यालयों से संपर्क कर अपने मामलों की सूची बनवाएं।

भाजपा महिला मोर्चा का महिला दिवस समारोह आज

विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर चर्चा

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना राज्य महिला मोर्चा की अध्यक्ष डॉ. मेकला शिल्पा रेड्डी ने कहा कि 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भाजपा तेलंगाना राज्य महिला मोर्चा की राज्य इकाई के नेतृत्व में 6 मार्च को सोमाजीगुड़ा स्थित एक होटल में भव्य रूप से महिला दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम से संबंधित पोस्टर का अनावरण भाजपा तेलंगाना राज्य कार्यालय में महिला मोर्चा की राज्य अध्यक्ष डॉ. मेकला शिल्पा रेड्डी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि कल (6 मार्च) आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद बंसुरी स्वराज तथा विशिष्ट अतिथियों के रूप में भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव और सांसद डी.के. अरुणा शामिल होंगी।

उन्होंने कहा कि हर वर्ष भाजपा महिला मोर्चा के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को भव्य रूप से मनाया जाता है और इस वर्ष आयोजित होने वाले कार्यक्रम की विशेषता अलग होगी। उन्होंने बताया कि 'विकसित भारत 2047' के नारे के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को विकास की दिशा में आगे ले जा रहे हैं। उसी प्रेरणा के साथ इस वर्ष के समारोह को इस विषय पर केंद्रित किया गया है कि महिलाएं विकसित भारत के निर्माण में किस प्रकार भागीदार बन सकती हैं। महिलाओं द्वारा किए जाने वाले कार्यों और उनकी भूमिका के माध्यम से विकसित भारत की दिशा में कैसे आगे बढ़ा जा सकता है, इसी अवधारणा के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देशभर में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाला 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' लागू कर महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। 'बूमेन-लेड डेवलपमेंट' के नारे के साथ महिलाओं को निर्णय लेने वाले पदों तक पहुंचाने और राष्ट्र निर्माण में नेतृत्व देने के लिए कई कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सभी क्षेत्रों में महिलाओं को प्राथमिकता देते हुए सुशासन प्रदान कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर केंद्र सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम कर रही है, वहीं दूसरी ओर तेलंगाना राज्य में महिलाओं के प्रति अत्यंत खराब शासन चल रहा है। शिल्पा रेड्डी ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी सरकार महिलाओं को दिए गए गारंटी और वादों को लागू करने में विफल रही है।

एमडी ड्रग बेचने वाले तीन लोग गिरफ्तार, सभी आरोपी राजस्थान के

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी की सीसीएस (डिटेक्टिव विभाग) की स्पेशल क्राइम टीम ने गुरुवार को तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। आरोपी जो एमडीएमए नामक प्रतिबंधित मादक पदार्थ को बेचने की कोशिश कर रहे थे। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में जोग सिंह, निवासी , कुतुबुल्लापुर, हैदराबाद, चुनाराम चौधरी निवासी, अशोक बाजार, अफजलगंज, हैदराबाद, अमृत पुरोहित निवासी, डबल रोड, कुकटपल्ली, हैदराबाद शामिल है। सभी लोग मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले है।

आरोपियों के पास से 72 ग्राम एमडी ड्रग (मेथामफेटामाइन), 4 मोबाइल फोन बरामद हुआ है। जांच के दौरान पता चला कि आरोपियों ने एमडीएमए ड्रग के पैकेट हासिल कर उन्हें हैदराबाद में ग्राहकों को बेचने की योजना बनाई थी ताकि अधिक मुनाफा कमाया जा सके। एमडीएमए एक सिंथेटिक साइकोट्रॉपिक पदार्थ है जो आमतौर पर पाउडर या क्रिस्टल के रूप में मिलता है। यह एक उत्तेजक (स्टिमुलेंट) ड्रग है, जो अस्थायी रूप से उत्साह या सहानुभूति की भावना बढ़ा सकती है, लेकिन इसके सेवन से शरीर का तापमान बढ़ना, हृदय गति तेज होना और मांसपेशियों में जकड़न जैसे गंभीर स्वास्थ्य जोखिम भी हो सकते हैं। आरोपियों ने संभावित खरीदारों और बिक्री के स्थानों के बारे में जानकारी एकत्र करने के बाद बशीरबाग स्थित बीजेआर प्रतिमा के पास एमडीएमए के पैकेट बेचने की योजना बनाई थी। वे इसे 6 हजार से 8 हजार प्रति ग्राम की कीमत पर बेचने का प्रयास कर रहे थे। स्पेशल क्राइम टीम के स्टाफ और आबिड्स पुलिस की संयुक्त टीम ने सफलतापूर्वक आरोपियों को गिरफ्तार कर मादक पदार्थ और अन्य सामग्री जब्त की।

अज़हरुद्दीन ने कैथोलिक नेताओं से मुलाकात की

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अज़हरुद्दीन ने सेंट जॉन क्षेत्रीय सेमिनरी, रामंतापुर, हैदराबाद में आयोजित तेलुगु कैथोलिक बिशप परिषद की बैठक में भाग लिया। इस बैठक में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश दोनों से सम्मानित बिशप शामिल हुए, जहां समुदाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों तथा अल्पसंख्यक कल्याण और विकास से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। मंत्री ने सभा को संबोधित किया और बिशपों के साथ बातचीत की, जिसमें उन्होंने अल्पसंख्यक समुदायों के कल्याण, विकास और सशक्तिकरण के प्रति तेलंगाना सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। निगम अध्यक्ष दीपक जॉन और कई अन्य चर्च नेता भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

खाड़ी देशों से हैदराबाद आने वाली 16 उड़ानें रद्द

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पश्चिम एशिया में तनावपूर्ण स्थिति का असर हैदराबाद से आने-जाने वाली उड़ानों पर पड़ा है। गुरुवार को खाड़ी देशों से शमशाबाद हवाई अड्डे के लिए आने वाली 16 उड़ानें रद्द कर दी गईं। साथ ही, शमशाबाद से खाड़ी देशों के लिए रवाना होने वाली 15 उड़ानें भी रद्द कर दी गईं।

चेनुर नगरपालिका में विकास कार्यों में तेजी आई

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम और खनन मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी के चेनुर नगरपालिका को मॉडल शहरी स्थानीय निकाय बनाने की योजना की घोषणा के बाद विकास कार्यों में तेजी आ गई है। पिछले तीन दिनों में, कांग्रेस नेताओं और स्थानीय निवासियों ने क्याथनपल्ली नगरपालिका के कई वार्डों में सोलर पैनल हाई मास्ट लाइट्स का उद्घाटन किया। यह काम गद्देरागादी विनायक कॉलोनी (वार्ड 8), लेनिन नगर पुराना सब्जी बाजार (वार्ड 20), क्याथनपल्ली क्रॉस रोड, गणेश टाउनशिप, पद्मावती कॉलोनी (पुराना थिम्मापुर, वार्ड 9), और गंगा कॉलोनी (वार्ड 16) में किया गया। सोलर लाइटिंग का अनुमानित खर्च 17.50 लाख है और इसे बेहतर प्रकाश सुविधाओं की मांग के बाद लगाया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि नई लाइटों से सुरक्षा बेहतर हुई है, खासकर बच्चों के खेल क्षेत्रों और बतुकम्मा जैसे त्योहारों और शाम की सभाओं वाले सामुदायिक स्थानों में। चेनुर नगरपालिका में भी पद्मसाली कल्याण मंडपम स्ट्रीट (वार्ड 9) और जेंडावाड़ा के कम्मलोल्ला वाडा पेड़दा बावि (वार्ड 2) के पास सोलर हाई मास्ट लाइट्स स्थापित की गईं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि नगरपालिका के सभी 18 वार्डों में मुख्य सड़कों और अंधेरे क्षेत्रों में लाइटें लगाई जाएंगी। इसी बीच, वार्ड 2 के काजीपुरा, बोक्कालागुडेम और जेंडावाड़ा में नगरपालिका कर्मचारियों ने सैनिटेशन सुधार कार्य के तहत नालियों की सफाई की। फरवरी के अंतिम सप्ताह में, मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने चेनुर को मॉडल नगरपालिका बनाने की रूपरेखा पेश की थी और स्थानीय प्रतिनिधियों को इन्फ्रास्ट्रक्चर कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया।अधिकारियों के अनुसार लगभग 50 करोड़ के परियोजनाएं पहले ही शुरू हो चुकी हैं, जिनमें बोरवेल, सीसी सड़कें और साइड ड्रेन्स शामिल हैं। हर घर में पीने का पानी पहुँचाया जाएगा, और गोदावरी नदी का पानी शहर तक लाने के लिए एक विशेष परियोजना भी योजना में है। नगरपालिका जल्द ही सड़क चौड़ीकरण कार्य और जाति संगठनों के लिए सामुदायिक हॉल का निर्माण भी करेगी। अधिकारियों ने छह महीनों के भीतर निवासियों को गोदावरी रेत उपलब्ध कराने का वादा किया है। सरकार ने शहर के लिए 100 नई इंदिरम्मा हाउस भी मंजूर की हैं। देवुलावाड़ा, बाब्बेरु और चेलुक गांवों के किसानों को लगभग 18 करोड़ का मुआवजा मिला है। शहर में 100-बेड अस्पताल मई में उद्घाटन के लिए तैयार है।

मौला अली में अयातुल्ला खामेनेई का पोस्टर फाड़ने से तनाव

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि के मौला अली कमान क्षेत्र में बुधवार रात उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गई जब कुछ युवकों ने कथित तौर पर ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का पोस्टर फाड़ दिया। बताया जाता है कि 28 फरवरी को तेहरान में हुए अमेरिका-इजराइल संयुक्त हवाई हमलों में ईरानी नेता की मौत के बाद स्थानीय शिया समुदाय के लोगों ने विरोध दर्ज कराने के लिए मौला अली कमान इलाके में खामेनेई के पोस्टर लगाए थे। बुधवार रात कुछ युवकों ने इन पोस्टरों को फाड़ दिया, जिससे क्षेत्र में तनाव फैल गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने संबंधित युवक को पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और पूरे इलाके में निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री का बयान भ्रामक कहानी पेश करने का प्रयास : बीआएस

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ बीआरएस नेता और एमएलसी श्रवण दासोजु ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना की, जिन्होंने राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया। श्रवण ने इसे 'राजनीतिक घमंड और आत्म-प्रचार' करार दिया। अपने बयान में, दासोजु ने कहा कि मुख्यमंत्री राष्ट्रीय राजनीति में खुद को 'किंगमेकर' के रूप में दिखाने की कोशिश कर रहे हैं और इसे अत्यंत हास्यास्पद और राजनीतिक रूप से निंदनीय' बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी की टिप्पणियों में 'अवैध रूप से अर्जित संपत्ति से जन्मा खतरनाक अहंकार' झलकता है और कहा कि राज्य का नेता देश के प्रधानमंत्री के चयन पर प्रभाव दिखाने का दावा करके राष्ट्रीय राजनीति की गंभीरता को कम करता है। राहुल गांधी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए, दासोजु ने कहा कि यह 'भारत जोड़ो यात्रा' सहित पूरे देश में वर्षों की जन भागीदारी और संघर्ष के माध्यम से निर्मित हुआ है और इसे क्षेत्रीय नेताओं से प्रचार के लिए वैधता की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के बयान इस तरह की भ्रामक कहानी पेश करने का प्रयास हैं कि गांधी नेतृत्व लेने में हिचकिचा रहे हैं, जिसे उन्होंने 'रेवंत की अपनी छवि को बढ़ावा देने के लिए जानबूझकर राजनीतिक फ्रेमिंग' बताया।

'मार्गदर्शक' पीड़ितों को मदद पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे : सज्जनार

महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक परिवर्तनकारी पहल

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। महिलाओं की सुरक्षा के लिए सामुदायिक सहयोग तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हैदराबाद सिटी के पुलिस आयुक्त तथा हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल (एचसीएससी) के अध्यक्ष वी.सी. सज्जनार ने आज 'मार्गदर्शक कार्यक्रम' का शुभारंभ किया। यह एक सशक्त सामुदायिक मार्गदर्शन पहल है, जिसका उद्देश्य महिलाओं, बच्चों और कमजोर वर्गों को समय पर सहायता और संस्थागत समर्थन तक पहुंच उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह में एचसीएससी के महासचिव शेखर रेड्डी, संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) एन. स्वेता, हैदराबाद सिटी पुलिस की महिला सुरक्षा विंग की डीसीपी तथा एचसीएससी महिला मंच की संयोजक डॉ. लावण्या एनजेपी, एचसीएससी महिला मंच की संयुक्त सचिव ख्याति नरवाने सहित कई गणमान्य व्यक्ति और स्वयंसेवक उपस्थित रहे। यह पहल एक मजबूत सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल का प्रतिनिधित्व करती है, जिसमें पुलिस और नागरिक समाज मिलकर कार्यस्थल और समुदाय दोनों में महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सहयोग करते हैं। 'मार्गदर्शक' एक दूरदर्शी पहल है, जिसकी परिकल्पना पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने सुरक्षा तंत्र में मौजूद एक महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर अनदेखी चुनौती को ध्यान में रखते हुए की है। हालांकि गंभीर अपराधों की रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी तंत्र के माध्यम से कार्रवाई की जाती है, लेकिन कई ऐसे मामले होते हैं जो छोटे स्तर की परेशानी और औपचारिक रूप से दर्ज होने वाले अपराधों के बीच के दायरे में आते हैं। उत्पीड़न, डराने-धमकाने, कार्यस्थल का दबाव, घरेलू विवाद, पीछा करना, दबाव बनाना या रिश्तों से जुड़ी समस्याओं का सामना करने वाली कई महिलाएं अक्सर अधिकारियों के पास जाने से हिचकिचाती हैं।

इस झिझक के कई कारण होते हैं। इन कारणों से कई घटनाएं तब तक रिपोर्ट नहीं होतीं जब तक वे गंभीर अपराध का रूप नहीं ले लेतीं। इस अंतर को समझते हुए वी.सी. सज्जनार ने मार्गदर्शक कार्यक्रम की कल्पना एक ऐसे संरचित मार्गदर्शन तंत्र के रूप में की, जिससे किसी भी परेशानी में फंसे व्यक्ति को दिशा और सहायता मिल सके। 'मार्गदर्शक' पहल के अंतर्गत प्रशिक्षित सामुदायिक स्वयंसेवकों का एक नेटवर्क तैयार किया गया है, जो पीड़ितों को उपलब्ध सहायता तंत्र तक पहुंचने में मार्गदर्शन प्रदान करेगा। मार्गदर्शक स्वयंसेवक लोगों को उचित संस्थागत मंचों तक मार्गदर्शन देंगे। इसके साथ ही प्रारंभिक सलाह और जिम्मेदार रेफरल सहायता प्रदान करेंगे। पीड़ितों को उपलब्ध कानूनी और सुरक्षा तंत्र के बारे में जानकारी देंगे। पुलिस, कानूनी सेवाओं, परामर्श सहायता और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों से जोड़ेंगे। परिस्थितियां गंभीर होने से पहले समय पर शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। महत्वपूर्ण बात यह है कि मार्गदर्शक कानून प्रवर्तन एजेंसियों का विकल्प नहीं हैं, बल्कि वे ऐसे सहायक मार्गदर्शक हैं जो पीड़ितों को सही समय पर सही संस्थागत सहायता तक पहुंचाने में मदद करते हैं। मार्गदर्शक कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षित सामुदायिक मार्गदर्शकों के माध्यम से सहायता को अधिक सुलभ, सहज और पीड़ित-अनुकूल बनाना है, जो रेफरल प्रक्रियाओं, कानूनी प्रावधानों, साइबर सुरक्षा तंत्र और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों की जानकारी रखते हैं। यह कार्यक्रम हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल के महिला मंच के माध्यम से संचालित किया जा रहा है, जिसका मार्गदर्शन डॉ. लावण्या एनजेपी, डीसीपी महिला सुरक्षा विंग कर रही हैं। इस पहल की संरचना और कार्यप्रणाली तैयार करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। महिला मंच की संयुक्त सचिव ख्याति नरवाने ने सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने और स्वयंसेवकों का एक समर्पित नेटवर्क तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जो मार्गदर्शक के रूप में कार्य करेंगे। इनके संयुक्त प्रयासों का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा के लिए संवेदनशील, जिम्मेदार और समुदाय-आधारित सहायता प्रणाली तैयार करना है। इस अवसर पर वी.सी. सज्जनार ने स्वयंसेवकों को इस महत्वपूर्ण पहल का हिस्सा बनने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि मार्गदर्शक पीड़ितों को सही संस्थागत तंत्र तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने स्वयंसेवकों को सलाह दी कि मार्गदर्शन और परामर्श देते समय पीड़ितों को पुलिस, कानूनी विशेषज्ञों और आधिकारिक सहायता तंत्र तक पहुंचाने का कार्य करें और किसी भी स्थिति में कानून को अपने हाथ में न लें। उन्होंने इस कार्यक्रम को जिम्मेदार नागरिकों के लिए समाज में सकारात्मक योगदान देने का अवसर बताया, जिससे वे संकट में पड़े लोगों की सहानुभूति, स्पष्ट मार्गदर्शन और समय पर सहायता के माध्यम से मदद कर सकें।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Kartik Jadhav S/o Pandurang Jadhav R/o Shivaji Peth, Near Uppali Buruz, Doble Galli, Vijayapura Karnataka 586101 changed my name as Kartik P Jadhav

चाहिए

प्रमुख एलईडी इवेंट कंपनी में लड़कों की जरूरत है। सैलरी 15,000-25,000+अकोमोडेशन+इनसेंटिव्स+कमिशन। संपर्क नं. 8977147791, 6281947791.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पाकिस्तानी सबा के वोटर आईडी कार्ड का मसला उलझा

मेरठ, 5 मार्च (एजेंसियां)। नकली वोटर कार्ड बनवाने के आरोप में जेल गई पाकिस्तान की रहने वाली सबा फरहत का मामला उलझता जा रहा है। सबा के अधिवक्ता वीके शर्मा के अनुसार- पुलिस ने जो दावा किया था, वह गलत साबित हो रहा है।सबा पर दिखाए गए दो वोटर आईडी कार्ड में से एक सठला की नाजिया का है। इत्तेफाक से उसके पति का नाम भी फरहत है। दावा यहां तक है कि इससे जुड़े साक्ष्य भी जुटाकर कोर्ट में दाखिल कर दिए गए हैं,

जिनको 7 मार्च की सुनवाई के दौरान शामिल किया जाएगा। सबा फरहत मूलरूप से पाकिस्तान के लाहौर की रहने वाली हैं जो करीब 35 वर्ष पूर्व मेरठ के फरहत मसूद के साथ निकाह कर भारत आ गई थीं। तभी से वह लॉन्ग टर्म वीजा पर भारत में ही रह रही हैं। सबा का यह वीजा मार्च-2027 तक वैध है। पिछले दिनों देहलीगेट पुलिस ने एक शिकायत के आधार पर सबा फरहत के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया।

चाकू मारकर पत्नी की हत्या

मुरादाबाद, 5 मार्च (एजेंसियां)। बिजली मैकेनिक ने अपनी पत्नी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। इसके बाद वही चाकू अपने पेट में भी घोप लिया। इस घटना में उसकी भी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बिजली मैकेनिक शादी के 9 साल बाद भी बच्चा नहीं होने पर पत्नी से खफा था। आए दिन दंपती के बीच झगड़ा होता था। बिजली मैकेनिक दूसरी शादी की तैयारी कर रहा था, बीवी उसमें आड़े आ रही थी। इसलिए उसने उसकी हत्या कर दी। घटना शाम मझोला थाना क्षेत्र की है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर छानबीन में जुट गई।

भारत का किशनगंज कैसे बना मिनी ईरान

किशनगंज, 5 मार्च (एजेंसियां)। ईरान-इजराइल के बीच चल रही जंग ने सिर्फ पश्चिम एशिया को ही नहीं, बल्कि भारत के कोने-कोने तक हलचल पैदा कर दी है। किशनगंज का "मिनी ईरान" इसका जीवंत उदाहरण बन गया है, जहां सदियों से बसे शिया परिवार खुद को उस संघर्ष से जुड़ा हुआ महसूस कर रहे हैं। मिनी ईरान की गलियों में इन दिनों अगर किसी एक मुद्दे की सबसे ज्यादा चर्चा है, तो वह इजराइल और ईरान के बीच छिड़ी जंग है।

स्थानीय लोगों का कहना है, 'ईरान पर अत्याचार हो रहा है, लेकिन भारत खामोश क्यों है? उनका मानना है कि जुल्म देखकर भी चुप रहना, जुल्म का ही साथ देना है।' समुदाय के बुजुर्ग और प्रभावशाली व्यक्ति सय्यद इमाम अली गुस्से में कहते हैं, "अगर आप जालिम को जालिम नहीं कहते, तो आप भी जुल्म में शामिल हैं। भारत एक बड़ा और ताकतवर देश है, वह आवाज उठा सकता है, लेकिन वह चुप है। चुप रहना भी जुल्म को स्वीकार करने जैसा है।"

अबूधाबी में फंसे संत सकुशल अयोध्या लौटे एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत, पूर्व सांसद भी पहुंचे

अयोध्या, 5 मार्च (एजेंसियां)। दशरथ महल बड़ा स्थान के महंत बिंदुगद्याचार्य और महंत देवेंद्र प्रसादाचार्य महाराज अबूधाबी में एक सप्ताह तक फंसे रहने के बाद सकुशल अयोध्या लौट आए हैं। उनके सुरक्षित लौटने की खबर से संत समाज और श्रद्धालुओं में खुशी का माहौल है। सुबह महर्षि एयरपोर्ट पर उनके आगमन पर पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह, रसिक पीठ के आचार्य महंत जनमेजय शरण तथा महंत हेमंत दास सहित अनेक संतों और भक्तों ने फूलमाला पहनाकर उनका स्वागत किया। जानकारी के अनुसार, महंत देवेंद्र प्रसादाचार्य महाराज 27 फरवरी को अबूधाबी स्थित स्वामीनारायण मंदिर के दर्शन के लिए गए थे।

इसी दौरान ईरान और इजरायल के बीच बढ़े तनाव के कारण खाड़ी क्षेत्र में हालात बिगड़ गए और कई उड़ानों पर अस्थायी रोक लगा दी गई। इसके चलते उनकी 2 मार्च को प्रस्तावित भारत वापसी संभव नहीं हो सकी और वे वहीं रुकने को विवश हो गए।

एनडीए ने जनता से किया धोखा' रोहिणी के नीतीश पर तीखे प्रहार

तेजस्वी बोले- हमारी सहानुभूति उनके साथ

पटना, 5 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल की ओर से अमरेंद्र धारी सिंह (एडी सिंह) को राज्यसभा उम्मीवार बनाया है। तेजस्वी यादव राजद नेताओं के साथ एडी सिंह का नामांकन कार्यक्रम में शामिल होने विधानसभा पहुंचे। यहां पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला। तेजस्वी यावदव ने आरोप लगाया कि भाजपा सीएम नीतीश कुमार और उनकी पार्टी को खत्म करना चाहती है। महाराष्ट्र मॉडल बिहार में लाया गया है। हमारी पूरी सहानुभूति नीतीश कुमार के साथ है। उनके साथ जो हो रहा है, वह जनता जान रही है।

हमलोगों ने पहले ही सीएम बदलने की बात कही थी। हमलोग पहले से ही कहते आ रहे थे कि भाजपा ने नीतीश कुमार को हाईजेक कर लिया। यह बात आज साबित हो गई। यह सबको पता था कि भाजपा ऐसा करेगी। वह जिस भी सहयोगी दल के साथ रही है, वहां ऐसा हुआ है। पूरे देश में भाजपा आएसएस का एजेंडा लागू करना चाहती है। भाजपा मशीन तंत्र से चुनाव लड़ती है।

'एनडीए ने जनता को धोखा दिया'

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार चुनाव में जिस तरह भाजपा ने मशीन तंत्र का दुरुपयोग किया, उसे जनता ने देखा। बिहार में जन भावना के खिलाफ सत्ता का परिवर्तन हो रहा है। यह सब भाजपा करवा रही है। बिहार में कौन अधिकारी, मंत्री और केंद्र के किस नेता ने नीतीश कुमार को हाईजेक कर लिया है? वह जनता जानती है। यह जनता के साथ धोखा है। एनडीए ने नारा दिया था कि 2025 से 2030 फिर से नीतीश। लेकिन, भाजपा का लालच देखिए किस तरह से नीतीश कुमार से इस्तीफा दिलवाया जा रहा है। भाजपा वाले चाहते हैं जनता दल यूनाईटेड खत्म हो जाए। निशांत कुमार ने राजनीति में आने के सवाल पर तेजस्वी ने कहा कि हमलोग पहले से ही कहते रहे हैं उन्हें राजनीति में आना चाहिए।

'अपनी बदहाली के लिए नीतीश कुमार खुद जिम्मेदार'

नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने पर निशाना साधते हुए लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने एक्स पर लिखा कि अपनों के साथ बारम्बार बेवफाई करने वाले नीतीश कुमार जी खुद के गर्त में धकेले जाने और अपनी बदहाली के आप खुद जिम्मेदार हैं। आपके साथ आज जो हो रहा आप उसके ही हकदार हैं। आज अवसरवादिता के शिखर पुरुष नीतीश कुमार जी को जैसा निर्णय लेने के लिए भाजपा के द्वारा मजबूर किया गया , ये तो 28 जनवरी, 2024 को ही तय हो गया था , जब नीतीश कुमार जी ने गुलाटी मारने की अपने जगजाहिर कौशल की पुनरावृत्ति करते हुए महागठबंधन / इंडिया अलायन्स का साथ छोड़ा था। कुर्सी से चिपके रहने की अपनी स्वभावतः मज़बूरी की वजह से ही आज नीतीश कुमार जी उस भाजपा के हाथों की कठपुतली बन चुके हैं, जो अपने सहयोगियों की राजनीतिक कब्र खोदने और उनको दफनाने के लिए ही जानी जाती है। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे जी का जो हश्र भाजपा ने किया, नीतीश कुमार जी उससे भी नहीं चेते और अपने पुराने समाजवादी साथियों के बार-बार आगाह करने के बावजूद खुद ही कब्र सरीखी भाजपा की गोद में जा बैठे। अपने ही विनाश के लिए भाजपा के द्वारा जारी तुगलकी फरमान पर अपनी रजामंदी देने वाले नीतीश कुमार जी के बारे में अब दो बातें तो जाहिर एवं साबित होती हैं' नीतीश कुमार जी की सोचने-समझने की शक्ति पूरी तरह से क्षीण हो चुकी है और नीतीश कुमार जी की कोई बहुत कमजोर नस भाजपा ने जरूर दबा रखी है।

राजद सांसद ने क्या कहा?

इधर, राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि पिछले कुछ समय से भारतीय जनता पार्टी की रणनीति में भी बदलाव दिखाई दे रहा है। महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन के बाद भाजपा ने कई नए राजनीतिक प्रयोग किए हैं। महाराष्ट्र मॉडल के बाद बाद भाजपा ने अन्य राज्यों में भी नए समीकरणों पर काम करना शुरू किया है। मनोज झा के मुताबिक बिहार में भी इसी तरह के राजनीतिक प्रयोग की कोशिशें देखने को मिल रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने से जदयू की राजनीति और संगठन पर बड़ा असर पड़ सकता है।

'भाजपा का रवैया अब स्पष्ट'

वहीं, राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने पर कहा कि बिहार की राजनीति में अचानक बड़ा उलटफेर दिखाई दे रहा है। किसी ने नहीं सोचा था कि चुनाव के तुरंत बाद भाजपा इतनी जल्दी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटा देगी, लेकिन उनके नेता तेजस्वी यादव लगातार कहते रहे हैं कि भाजपा जदयू को कमजोर कर नीतीश कुमार को कुर्सी से हटाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि जदयू के कुछ लोग भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, जबकि कई नेता चाहते हैं कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने रहें। मृत्युंजय तिवारी ने इसे बड़ा राजनीतिक अपहरण करार देते हुए कहा कि सहयोगी दलों के प्रति भाजपा का रवैया अब धीरे-धीरे स्पष्ट होता जा रहा है।

'नीतीश युग कभी समाप्त नहीं हो सकता'

वहीं, जदयू नेता केसी। त्यागी ने नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नीतीश युग कभी समाप्त नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने एक नए बिहार का निर्माण किया है। जैसे कर्पूरी ठाकुर और चौधरी चरण सिंह आज भी याद किए जाते हैं, वैसे ही नीतीश कुमार को भी लंबे समय तक याद रखा जाएगा। त्यागी ने कहा कि उनके राज्यसभा जाने से सदन की गरिमा बढ़ेगी और बहस का स्तर ऊंचा होगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि नीतीश कुमार को उनकी बौद्धिक क्षमता और संसदीय अनुभव के लिए सर्वश्रेष्ठ सांसद का सम्मान भी मिल चुका है।

भाकियू लोकहित के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बाना पर हमला

हापुड़, 5 मार्च (एजेंसियां)। थाना हाफिजपुर क्षेत्र के गांव मोरपुर के निकट मार्केट के पास कुछ आरोपितों ने भाकियू(लोकहित) के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मारपीट कर दी। आरोप है कि पुलिस से शिकायत करने पर उन्हें हत्या की धमकी दी गई। मामले में पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद व कुछ अज्ञात आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है।

पुलिस में दर्ज रिपोर्ट में भाकियू(लोकहित) के राष्ट्रीय अध्यक्ष गांव चितौली के देवेंद्र बाना ने बताया कि बुधवार शाम करीब छह बजे वह अपने बेटे और भतीजे के साथ गांव मोरपुर से अपने घर लौट रहे थे। जब वह मोरपुर स्थित मार्केट के पास पहुंचे तो वहां पहले से मौजूद गांव मोरपुर के सोनू और सौरव व उनके कुछ अन्य साथियों के साथ उन्हें रोक लिया। आरोप है कि आरोपितों ने उन्हें रोककर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपितों ने उनके साथ मारपीट कर दी, जिससे वह घबरा गए।

शोर-शराबा होने पर आसपास के लोग एकत्र होने लगे, जिसके बाद आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के बाद वह थाना हाफिजपुर पहुंचे और तहरीर देकर आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। थाना हाफिजपुर प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर नामजद व अज्ञात आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बॉयफ्रेंड ने रेप के बाद किया प्रेमिका का मर्डर

पूर्णिया, 5 मार्च (एजेंसियां)। पूर्णिया में 13 साल की छात्रा से रेप के बाद हत्या कर दी गई। मर्डर का आरोप लड़की के बॉयफ्रेंड(16) पर ही है। बॉयफ्रेंड ने फोन कर लड़की को मिलने बुलाया। जबरन रेप के बाद गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। मर्डर के बाद लाश बांस की झाड़ी से लटका दिया। लाश घर से 500 मीटर दूर अमौर थाना क्षेत्र के एक गांव की है। सूचना मिलते ही अमौर और डगरूआपुलिस मौके पर पहुंची। बायसी डीएसपी और फॉरेंसिक की टीम भी घटनास्थल पहुंची। लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच भेज दिया। वारदात के बाद से फरार आरोपी बॉयफ्रेंड को पुलिस ने धर दबोचा है।

छाती की हड्डियां टूटकर फेफड़े में धंसी पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर भी हैरान

हाथरस, 5 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में दर्दनाक हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने हादसे की गंभीरता बयां की। किसी की छाती की हड्डी टूट गई तो किसी का सिर फट गया। पीछे बैठीं नत्थो देवी तो कुचल गई थीं। उनके शरीर की कई हड्डियां टूट गईं थीं। यही स्थिति लोकेश के साथ भी हुई। सिर में आई गंभीर चोट व अत्यधिक खून बह जाने के कारण उसकी मौत हो गई। झटके से पिंकी का सिर कार से टकराया, जिससे सिर फूट गया और खून बहने से मौत हो गई। विजय व दिनेश की छाती की हड्डी टूटी और फेफड़े में धंस गई। श्वांस नली में खून भर जाने से इन्होंने भी दम तोड़ दिया। सुनीता देवी भी झटके के साथ दो सीटों में फंस गईं थीं। उनकी भी छाती व सिर की हड्डी टूट गई थी।

गर्दन की हड्डी में भी चोट आई थी। हाथरस में यमुना एक्सप्रेस-वे पर हुए भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौत का मुख्यमंत्री योगी ने संज्ञान लिया। प्रमुख सचिव के निर्देश पर उप परिवहन आयुक्त आगरा विदिशा सिंह के नेतृत्व में आगरा व अलीगढ़ मंडल से संभागीय परिवहन विभाग के अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर हादसे के कारणों की जांच की।

एक करोड़ की ठगी का खुलासा

मेरठ, 5 मार्च (एजेंसियां)। मेरठ के आबू प्लाजा स्थित रघुनंदन ज्वेलर्स से एक करोड़ रुपये की ज्वेलरी ठगने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को हिरासत में लिया है। मामले में प्राथमिकी भी दर्ज कर ली गई है। पुलिस के अनुसार ठगे गए अधिकांश गहने बरामद कर लिए गए हैं, जबकि बाकी गहनों की बरामदगी के लिए कार्रवाई जारी है।

इस सनसनीखेज ठगी की वारदात के बाद पुलिस ने उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, बिहार, पश्चिम बंगाल और मुंबई समेत सात राज्यों में दबिश दी थी। करीब दस संदिग्धों से पूछताछ के बाद पुलिस ने ठग गिरोह के तीन सदस्यों को हिरासत में लिया। हालांकि अभी तक उनकी गिरफ्तारी कहां से हुई, इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

सीएम ने जनता दर्शन में सुनी 150 लोगों की समस्या

गोरखपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। 4 दिवसीय दौरे पर गोरखपुर पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार की सुबह गोरखनाथ मंदिर में 150 लोगों की समस्या सुनी। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के बाहर आयोजित जनता दर्शन में लोगों को बैठाया गया था। सीएम एक-एक कर सभी के पास गए और उनसे समस्या जानी। उनका आवेदन लिया और संबंधित अधिकारियों को देते हुए कहा कि समस्याओं का समाधान किया जाए। सीएम ने कहा कि किसी की जमीन पर कोई कब्जा कर रहा है तो ऐसा करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें। होली का अगला दिन होने के बाद भी पर्याप्त संख्या में सुबह ही लोग गोरखनाथ मंदिर पहुंच गए थे। उन्हें कुर्सियों पर बैठाया गया था। मंदिर परिसर का भ्रमण करने के बाद सीएम जनता दर्शन कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने सबकी समस्या सुनी। उन्होंने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, सबकी समस्या का समाधान होगा।

जनत दर्शन में बड़ी संख्या में लोग जमीन से जुड़ी समस्या लेकर पहुंचे थे। इसके साथ ही पारिवारिक विवाद को लेकर भी कई लोग पहुंचे थे। सीमए ने अधिकारियों से ये मामले हल कराने का निर्देश दिया है। सीएम के सामने कई लोगों ने परिजनों की गंभीर बीमारी में आर्थिक सहायता की गुहार भी लगाई। सीएम ने अधिकारियों से कहा कि इस्टीमेट बनवाकर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि किसी भी दशा में पैसे के अभाव में इलाज नहीं रुकेगा।

सीएम ने जनता दर्शन में आए लोगों से कहा कि जिलाधिकारी व अन्य अधिकारी रोज अपने कार्यालयों में बैठते हैं। वहां जाकर अपनी समस्या बताएं। सबकी समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देश दिया कि तहसील एवं जिले स्त्र पर समस्याओं का समाधान किया जाए।

कनपटी से सटाकर मारी गोली

मेरठ, 5 मार्च (एजेंसियां)। मेरठ जिले के हस्तिनापुर थाना क्षेत्र के गांव गणेशपुर में पारिवारिक विवाद के चलते एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक भतीजे ने अपनी सगी चाची को तमंचे से गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह करीब 9:30 बजे घर के सदस्य अपने-अपने काम में व्यस्त थे। इसी दौरान आरोपी शिवा अचानक कमरे में पहुंचा और अपनी चाची पूजा त्यागी (32) की कनपटी पर तमंचा सटाकर गोली मार दी। गोली लगने से पूजा गंभीर रूप से घायल होकर फर्श पर गिर गईं और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। गोली चलने की आवाज सुनकर मृतका के पति धर्मेंद्र त्यागी बेडरूम में पहुंचे तो पत्नी लहूलुहान हालत में पड़ी थीं। वहीं आरोपी शिवा हाथ में तमंचा लेकर मौके से भागता हुआ दिखाई दिया।

तिहाड़ जेल से छूटने के बाद अमेठी पहुंचे एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष, एआई समिट के दौरान किया था प्रदर्शन

अमेठी, 5 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में विरोध प्रदर्शन के मामले में गिरफ्तार एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ सिंह जेल से छूटने के बाद अपने गृह नगर अमेठी पहुंचे। गौरीगंज रेलवे स्टेशन पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

इस दौरान समर्थकों ने फूलमाला पहनाकर उनका अभिवादन किया। सौरभ सिंह ने कहा कि यह किसानों और युवाओं से जुड़ा मुद्दा है और इस संघर्ष को आगे भी जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दौरान कांग्रेस के साथ अमेठी के लोगों का भी सहयोग मिला, जिससे हौसला बढ़ा। कुछ दिन पहले दिल्ली के भारत मंडपम में एआई समिट का कार्यक्रम हुआ था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद थे। इसी दौरान कांग्रेस से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए कई लोगों की गिरफ्तारी शुरू की। मुंशीगंज के सेवई हेमगढ़ गांव निवासी सौरभ सिंह को पुलिस ने हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार किया था।

बाद में उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें तिहाड़ जेल भेज दिया गया। जेल से रिहा होने के बाद वह पहली बार अमेठी पहुंचे। गौरीगंज रेलवे स्टेशन पर पहले से मौजूद कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष शुभम सिंह के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता स्टेशन पहुंचे थे।

सीएम नीतीश कुमार के पास कितनी संपत्ति?

पटना, 5 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वर्ष 2025 के लिए अपनी चल और अचल संपत्ति का विवरण सार्वजनिक कर दिया है। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत जारी इस घोषणा में उन्होंने अपनी वित्तीय स्थिति का पूरा ब्योरा साझा किया है। हर साल की तरह इस बार भी उन्होंने पारदर्शिता की परंपरा को कायम रखा है। 24 दिसंबर 2025 को जारी इस विवरण में उनकी आय, संपत्ति और अन्य संपत्तियों का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। संपत्ति के आंकड़े बताते हैं कि मुख्यमंत्री का निजी जीवन आज भी काफी सादा है।

घोषणा के मुताबिक उनके पास सीमित चल संपत्ति ही दर्ज है। घोषणा के अनुसार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास नकद के रूप में केवल 20,552 रुपये हैं। इसके अलावा उनके बैंक खातों में कुल जमा राशि लगभग 57 हजार रुपये बताई गई है। पटना सचिवालय स्थित एसबीआई शाखा में 27,217 रुपये जमा हैं। संसद भवन, दिल्ली स्थित एसबीआई शाखा में 3,358 रुपये मौजूद हैं। वहीं पटना के बोरिंग रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक में 27,191 रुपये जमा हैं। इन आंकड़ों से उनके सीमित निजी बैंक बैलेंस की जानकारी सामने आई है। मुख्यमंत्री आज भी 2015 में खरीदी गई अपनी 'फोर्ड इकोस्पोर्ट' कार का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस वाहन की कीमत लगभग 11.32 लाख रुपये बताई गई है।

आभूषण के नाम पर उनके पास दो सोने की अंगूठियां हैं। इसके अलावा एक मोती जड़ित चांदी की अंगूठी भी उनके पास दर्ज है। इन तीनों आभूषणों का कुल बाजार मूल्य करीब 2.03 लाख रुपये आंका गया है। इससे साफ है कि निजी आभूषण भी सीमित ही हैं।

अखिलेश यादव ने की इजरायल-अमेरिकी हमले की निंदा

अयातुल्लाह खामनेई समेत 165 छात्रा की मौत पर जताया दुख

लखनऊ, 5 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई पर इजराइली-अमेरिकी हमले की निंदा की। इस हमले में खामेनेई की मौत हो गई थी। सपा अध्यक्ष ने मीनार के स्कूल पर हुए हमले पर भी दुख जताया और कहा कि ऐसे कृत्यों की वजह से मानव जीवन पर गंभीर खतरा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर इज़राइल-अमेरिका के बीच जारी जंग पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा- 'समाजवादी पार्टी अयातुल्ला खामेनेई पर हुए हमले और मीनाब के एक स्कूल पर हुए सबसे घातक इज़रायली-अमेरिकी हमलों में से एक, जिसमें 165 छात्राएं मारी गईं, दोनों की कड़ी निंदा करती है।

जिनेवा कन्वेंशन और अंतरराष्ट्रीय कानून, जो संघर्ष के समय में भी मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाए गए हैं, ऐसे कृत्यों से गंभीर रूप से खतरे में हैं। हम उनकी शहादत को नमन करते हैं और इस क्षति से दुखी, शोक संतृप्त सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।'

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले में वहां के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला खामेनेई की मौत के बाद भारत में रहने वाले शिया समुदाय के मुस्लिमों में भी काफी नाराजगी देखने को मिल रही है, बीते कई दिनों से देश के अलग-अलग हिस्सों में इस अमेरिका-इजराइल के खिलाफ गुस्सा देखने को मिल रहा हैं। खामेनेई की मौत की ख़बर आने के बाद यूपी की राजधानी लखनऊ, अलीगढ़, मुजफ्फरनगर, रायबरेली समेत प्रदेश के तमाम हिस्सों में बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन देखने को मिले हैं।

अयातुल्ला अली खामनेई की मौत के बाद यूपी में हो रहे प्रदर्शन पर

बृजभूषण सिंह ने दिया तहलका मचा देने वाला बयान!

कैसरगंज, 5 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामनेई की मौत के बाद भारत में किए जा रहे प्रदर्शनों और मातम पर कैसरगंज से भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह का बड़ा बयान सामने आया है। बृजभूषण शरण सिंह ने इस मुद्दे पर अपनी ही पार्टी के विधायक राजेश्वर सिंह से अलग स्टैंड लेते हुए शिया समुदाय की भावनाओं का समर्थन किया है।

पूर्व सांसद ने कहा है कि इस घटना से हिंदुस्तान गम में है और जो लोग मातम मना रहे हैं, उनका दुख जायज है। बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि ईरान में जिनकी हत्या हुई है, उनके सजातीय और उनके धर्म को मानने वाले लोगों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा, उनकी भावना को ठेस पहुंची है और इस कारण से जहां-जहां शिया समुदाय के लोग हैं, वे अपना आक्रोश और दुख प्रकट कर रहे हैं। वे भी यही चाहते हैं कि यह हिंसा बंद होनी चाहिए। पूर्व सांसद ने मौजूदा स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि युद्ध किसी भी स्थिति में किसी के लिए अच्छा नहीं होता। उन्होंने कहा कि उनके होश में यह पहली बार है जब इतने सारे देश एक साथ युद्ध में शामिल दिख रहे हैं। ऐसी हत्याओं और हमलों से न केवल वह स्वयं, बल्कि पूरा भारत और सरकार चिंतित है।

बृजभूषण शरण सिंह ने जोर देकर कहा कि जारी हिंसा से पूरी दुनिया को नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा, खेल जगत को नुकसान हो रहा है। शेयर मार्केट गिर रहा है। तमाम देशों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत और हम सभी यही चाहते हैं कि यह युद्ध जल्द से जल्द बंद होना चाहिए और समाधान के लिए बातचीत का रास्ता खुलना चाहिए।

युवती को धमकी- स्टेज पर दूल्हे के सामने गोली मारूंगा:आरोपी बोला

ग्वालियर, 5 मार्च (एजेंसियां)। ग्वालियर में 22 वर्षीय युवती को उसके पड़ोसी समीर खान ने जान से मारने की धमकी दी है। युवती की 11 मार्च को शादी होना है। आरोप है कि समीर ने कहा कि यदि उसने मारपीट के मामले में अपने बयान नहीं बदले तो वह शादी के स्टेज पर दूल्हे के सामने उसे गोली मार देगा। उसने बिहार के बक्सर में स्टेज पर दुल्हन को गोली मारने जैसी घटना दोहराने की धमकी भी दी। आरोपी ने यह भी कहा कि वह युवती पर एसिड फेंककर उसका चेहरा बिगाड़ देगा और शादी में इतना हंगामा करेगा कि बारात वापस लौट जाएगी। इतना ही नहीं, उसने पूरे परिवार को गोली मारने की धमकी भी दी। घटना 3 मार्च को सुबह करीब 11 बजे सिकंदर कंपू, गिरवाई क्षेत्र की बताई जा रही है। पीड़ित युवती ने गिरवाई थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी समीर खान की तलाश शुरू कर दी है।

'बिहार में नेतृत्व का तख्तापलट,

जनादेश के साथ धोखा', नीतीश के राज्यसभा जाने पर कांग्रेस का हमला

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की पुष्टि करने के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। उनके इस फैसले के बाद कांग्रेस ने भाजपा को घेरा है। सांसद जयराम रमेश ने इसे बिहार में नेतृत्व तख्तापलट करार दिया है। साथ ही बिहार के जनादेश के साथ विश्वासघात बताया है।

> बिहार में नेतृत्व का तख्तापलट हुआ है। यह जनता के जनादेश के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात है। कांग्रेस चुनाव प्रचार के समय से ही जो बात कह रही थी, वह अब सच साबित हो गई है।

क्या बोले जयराम रमेश?

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि बिहार चुनाव प्रचार के समय कांग्रेस जो बात कह रही थी, वह अब सच साबित हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'जी2' ने मिलकर सत्ता में बदलाव और तख्तापलट किया है। उनके अनुसार, यह कई मायनों में लोगों के जनादेश के साथ विश्वासघात है।

नीतीश कुमार ने एक्स पर दी जानकारी

नीतीश कुमार ने खुद साफ किया है कि वह इस बार राज्यसभा जाना चाहते हैं। उन्होंने 'एक्स' पर अपनी बात साझा की। नीतीश ने कहा कि वह राज्यसभा के सदस्य बनना चाहते हैं, लेकिन बिहार के लोगों से उनका रिश्ता भविष्य में भी बना रहेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि एक विकसित बिहार बनाने के लिए वह लोगों के साथ मिलकर काम करते रहेंगे। नीतीश ने यह भी कहा कि राज्य में जो नई सरकार बनेगी, उसे उनका पूरा सहयोग और मार्गदर्शन मिलता रहेगा।

यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब नीतीश कुमार ने 2025 के चुनाव में अपनी पांचवीं जीत दर्ज की है। इस चुनाव में एनडीए (एनडीए) ने दो-तिहाई बहुमत हासिल किया। नीतीश कुमार ने 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। वह बिहार के इतिहास में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले व्यक्ति हैं।

क्या है नीतीश राजनीतिक सफर?

नीतीश कुमार का राजनीतिक सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने 1985 में विधायक के रूप में राजनीति में कदम रखा था। साल 1994 में उन्होंने जॉर्ज फर्नांडिस के साथ मिलकर समता पार्टी बनाई। वह 1996 में लोकसभा के लिए चुने गए और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में केंद्रीय मंत्री के रूप में काम किया। साल 2005 में एनडीए ने बिहार विधानसभा में बहुमत पाया और नीतीश मुख्यमंत्री बने। साल 2010 के चुनावों में उनके गठबंधन ने बड़ी जीत हासिल की। हालांकि, जून 2013 में उन्होंने भाजपा से नाता तोड़ लिया और आरजेडी व कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया। 2014 में उन्होंने अपनी जगह जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनाया, लेकिन 2015 में वह फिर इस पद पर लौटे और महागठबंधन को जीत दिलाई।

2017 में उन्होंने आरजेडी का साथ छोड़ा और फिर एनडीए में आ गए। 2022 में वह एक बार फिर महागठबंधन में शामिल हुए। जनवरी 2024 में उन्होंने फिर पाला बदला और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई। इसके बाद 2025 के चुनाव में उन्होंने भारी जीत हासिल की।

ब्रिटिश कोलंबिया में खाई में गिरे ट्रक से दो पंजाबी युवकों की मौत

तरनतारन, 5 मार्च (एजेंसियां)। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में हुए एक भीषण सड़क हादसे में पंजाब के तरनतारन जिले के दो युवकों की मौत हो गई। यह हादसा हाईवे नंबर 97, जिसे अलास्का हाईवे के नाम से भी जाना जाता है, पर नेल्सन शहर के पास हुआ। दुर्घटना में ट्रक के गहरी खाई में गिरने से दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही तरनतारन जिले के दोनों गांवों में शोक की लहर दौड़ गई और परिवारों में मातम का माहौल बन गया। मृतकों की पहचान तरनतारन जिले के गांव माड़ी गौर सिंह (भिक्खीविंड) निवासी 32 वर्षीय तलविंदर सिंह गिल और गांव एलोवाल (वीरोवाल) निवासी करीब 30 वर्षीय जजबीर सिंह के रूप में हुई है। दोनों युवक कनाडा के एडमोंटन शहर में रहते थे और ट्रक ड्राइवर के रूप में काम करते थे। जानकारी के अनुसार दोनों युवक ड्यूटी के दौरान ट्रक लेकर जा रहे थे।

कृषि विभाग में हजारों रिक्त पदों पर जीतू पटवारी ने उठाए सवाल

पीएम मोदी से हस्तक्षेप की मांग

भोपाल, 5 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर राज्य की सरकारी उदासीनता पर सवाल उठाए। साथ ही आरोप लगाया कि कृषि विभाग में हजारों पद रिक्त है जिससे किसान बुरी तरह बेहाल हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे गए पत्र में कहा कि मध्य प्रदेश को देश का कृषि प्रधान राज्य कहा जाता है, मगर राज्य की कृषि व्यवस्था ही सरकारी उदासीनता के बोझ तले दम तोड़ रही है।

राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषि कल्याण वर्ष घोषित किया है किंतु सरकारी तंत्र की स्थिति इस घोषणा का मजाक उड़ा रही है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने राज्य के कृषि विभाग की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में साढ़े 14 हजार पद स्वीकृत हैं, जिनमें से लगभग साढ़े आठ हजार पद रिक्त पड़े हैं।

इसका आशय साफ है कि 60 फीसदी अमला गैर हाजिर है। ऐसे में किसानों की समस्याओं का समाधान कैसे संभव है जो सरकार की ओर से दावा किया जाता है। यह स्थिति सिर्फ कृषि विभाग तक सीमित नहीं है, बल्कि कृषि से जुड़े लगभग सभी सहयोगी विभागों का यही आलम है। देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान है जिनका मध्य प्रदेश से नाता है और वह लगभग दो दशक तक राज्य के मुख्यमंत्री भी रहे हैं। कांग्रेस नेता जीतू पटवारी ने आगे लिखा कि केंद्र सरकार में कृषि मंत्री के रूप में कार्यरत चौहान लगभग दो दशक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे यदि उस लंबे कार्यकाल में कृषि व्यवस्था को मजबूत किया गया होता तो आज प्रदेश का कृषि तंत्र इस तरह खाली और कमजोर नहीं होता।

उन्होंने प्रधानमंत्री से मांग की है कि राज्य में कृषि और उससे जुड़े विभागों के रिक्त पदों की स्थिति की तत्काल समीक्षा की जाए। वहीं किसानों से जुड़े विभागों में शीघ्र भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के लिए राज्य सरकार को निर्देशित करें और कृषि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मैदानी स्तर पर संस्थागत क्षमता बढ़ाने की राष्ट्रीय रणनीति तैयार करें।

ट्रेन के वॉशरूम में जज की पत्नी की मौत

रतलाम, 5 मार्च (एजेंसियां)। कांचीगुड़ा-भगत की कोठी एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 17606) में यात्रा के दौरान अतिरिक्त जिला न्यायाधीश राजकुमार चौहान की पत्नी उषा चौहान की ट्रेन के वॉशरूम में मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने ट्रेन रुकवाकर वॉशरूम का दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकाला। प्रारंभिक तौर पर महिला को साइलेंट अटैक आने की आशंका जताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अतिरिक्त जिला न्यायाधीश राजकुमार चौहान अपनी पत्नी उषा चौहान के साथ जोधपुर से निंबाहेड़ा जा रहे थे। दोनों अलग-अलग कोच में यात्रा कर रहे थे।

निंबाहेड़ा पहुंचने से पहले उषा चौहान ने फोन कर अपने पति को बताया कि वह वॉशरूम जा रही हैं। जब ट्रेन निंबाहेड़ा स्टेशन पहुंची तो राजकुमार चौहान ट्रेन से उतर गए, लेकिन उनकी पत्नी कोच से बाहर नहीं आईं। काफी देर तक इंतजार करने के बाद भी जब उषा चौहान नहीं पहुंचीं तो उन्हें चिंता हुई और उन्होंने तुरंत रेलवे पुलिस को सूचना दी।

पलटेगा मौसम या गर्मी तरेरेगी आंख

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली, उत्तर प्रदेश से लेकर पंजाब-हरियाणा तक अब तेज गर्मी का अहसास हो रहा है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि मार्च के पहले हफ्ते में ही उत्तर पश्चिम भारत के कई हिस्सों में और मध्य भारत में अब भयंकर गर्मी पड़ने वाली है और अधिकतम तापमान सामान्य से 4-6 डिग्री अधिक रहने के आसार हैं। कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के असर से 7 से 10 मार्च के बीच पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में हल्की बारिश और बर्फबारी भी होने की संभावना है। दिल्ली में होली बाद पारा और तेजी से चढ़ने वाला है। मार्च के पहले हफ्ते में ही अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री तक पहुंच जाएगा। ऐसे में भयंकर गर्मी का अहसास दिल्ली एनसीआर में होगा।

लेकिन पहाड़ी इलाकों में बारिश और बर्फबारी के इस मौसम का मैदानी इलाकों में कोई प्रभाव देखने को नहीं मिलेगा और गर्मी धीरे-धीरे प्रचंड रूप धारण करेगी। दिल्ली में फरवरी के आखिरी हफ्ते से तापमान बढ़ने का जो संकेत मिला था, वो अब धीरे-धीरे प्रबल रूप लेता जा रहा है। न्यूनतम तापमान भी 10 मार्च तक 17 से 19 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। इससे सुबह के वक्त भी हल्की फुल्की सर्दी का अहसास भी गायब होने वाला है। पहाड़ी इलाकों में 4 मार्च से मौसम बदलने वाला है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में 9 मार्च के बीच हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है।

7 से 10 मार्च के छिटपुट हल्की बारिश और बर्फबारी के आसार हैं। हिमाचल प्रदेश में 7 से 10 मार्च के बीच हल्की बरसात और बर्फबारी होने की संभावना है। उत्तराखंड में 8 से 10 मार्च हल्की बारिश और बर्फबारी के आसार हैं।

उत्तरी कोंकण के कुछ इलाकों में भी 6 मार्च के बीच तेज गर्मी पड़ने की चेतावनी है। आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में भी गर्मी और उमस का अहसास होगा। महाराष्ट्र के विदर्भ इलाकों में तेज गर्मी पड़ने का संकेत है।

कर्नल सोफिया-विंग कमांडर व्योमिका का पराक्रम आपने देखा

कौन हैं मेजर स्वाति? जिन्होंने यूएन में गाड़ दिए झंडे

बेंगलुरु, 5 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय सेना की बेटियां आज विश्व पटल पर अपनी बहादुरी और मानवीय दृष्टिकोण का लोहा मनवा रही हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह जैसी दिग्गज सैन्य अधिकारियों के पदचिह्नों पर चलते हुए अब मेजर स्वाति शांतकुमार का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गूंज रहा है। दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में तैनात 31 वर्षीय मेजर स्वाति लैंगिक हिंसा को संबोधित करने और महिला सशक्तिकरण के माध्यम से शांति स्थापना के लिए सम्मानित किया गया। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से ताल्लुक रखने वाली मेजर स्वाति का सैन्य सफर बेहद प्रेरणादायक है।

सेना में आने से पहले उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और आईबीएम जैसी प्रतिष्ठित कंपनी में सिक्योरिटी एनालिस्ट के तौर पर काम किया। अपने पिता के सहयोग और लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ने के संकल्प के साथ वह 8 साल पहले भारतीय सेना में शामिल हुईं। उनका मानना है कि "बदलाव लाने के लिए कोई भी व्यक्ति बहुत छोटा नहीं होता"। मेजर स्वाति ने दक्षिण सूडान के मलाकल में भारत की पहली ऑल-वमेन मिलिट्री एंगेजमेंट टीम का नेतृत्व किया।

उन्होंने वहां लैंगिक आधार पर होने वाली हिंसा के खिलाफ मोर्चा खोला। उनकी प्रमुख पहल इक्वल पार्टनर्स, लास्टिंग पीस के तहत पुरुष और महिला सैनिकों की मिश्रित गश्त शुरू की गई। इस पहल का असर यह हुआ कि वर्षों से खामोश महिलाएं अब खुलकर अपनी समस्याओं पर बात करने लगीं। उन्होंने बच्चों की सुरक्षा, स्कूल जाने में आने वाली बाधाओं और घरेलू हिंसा जैसे मुद्दों पर अपनी आवाज उठाई। मेजर स्वाति का कहना है, "जब हम एक मां को यह समझाते हैं कि उसके बच्चे को हथियार के बजाय किताब उठानी चाहिए तो वह शांति की एक सीरीज की शुरुआत होती है।" मेजर स्वाति को उनके निस्वार्थ सेवा भाव और मलाकल में शांति बहाली के प्रयासों के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव द्वारा मान्यता दी गई है।

उन्होंने 18 महीनों तक कठिन परिस्थितियों में काम करते हुए यह साबित किया कि नेतृत्व केवल आदेश देना नहीं बल्कि लोगों से जुड़ना है। वह शांति को एक बड़े समझौते के रूप में नहीं बल्कि बदलाव की एक निरंतर प्रक्रिया के रूप में देखती हैं। अपने मिशन को पूरा कर भारत लौटने की तैयारी कर रही मेजर स्वाति अगली पीढ़ी को एक ही संदेश देती हैं,

मिजोरम में एनसीबी ने 31 करोड़ की नशीली दवाओं के साथ चार तस्करों को किया गिरफ्तार

आइजोल, 5 मार्च (एजेंसियां)। मिजोरम में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के जरिए हो रही ड्रग्स तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने 31 करोड़ से अधिक कीमत की नशीली दवाइयों के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। एनसीबी के अधिकारियों के अनुसार, सीमा क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर तीन समन्वित ऑपरेशन चलाए गए। इन अभियानों के दौरान कुल 36.434 किलोग्राम मेथामफेटामाइन और 905 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। जब्त की गई नशीली दवाओं की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 31 करोड़ रुपए बताई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई खुफिया सूचना के आधार पर की गई थी। यह कार्रवाई एसआईबी मिजोरम और राज्य के एक्साइज एवं नारकोटिक्स विभाग के साथ मिलकर की गई। ऑपरेशन के दौरान तस्करों की गतिविधियों पर नजर रखते हुए संदिग्धों को पकड़ा गया। इस मामले में एक म्यांमारी नागरिक समेत कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस तस्करी नेटवर्क के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। जांच एजेंसियों का मानना है कि मिजोरम और पूर्वोत्तर क्षेत्र का इस्तेमाल अंतर्राष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट की ओर से तस्करी के लिए किया जा रहा है। म्यांमार से सटे सीमावर्ती इलाकों के जरिए बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ भारत में लाने की कोशिश की जाती है, जिस पर रोक लगाने के लिए सुरक्षा एजेंसियां लगातार अभियान चला रही हैं। एनसीबी ने इस कार्रवाई को ड्रग्स के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता बताया है। एजेंसी ने कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए केंद्र और राज्य की विभिन्न एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। साथ ही, एनसीबी ने लोगों से अपील की है कि यदि उन्हें कहीं भी नारकोटिक्स से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी मिले तो वे तुरंत "मानस हेल्पलाइन" के टोल-फ्री नंबर 1933 पर सूचना दें।

एजेंसी ने आश्वासन दिया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। एनसीबी के अधिकारियों ने कहा कि ड्रग्स की तस्करी रोकने के लिए टीम हमेशा तैयार रहती है। जैसी ही कोई सूचना मिलती है, घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया जाता है। इससे पहले भी कई बार इस तरह के ऑपरेशन के जरिए ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

आठ दिन बाद मां ने तोड़ा दम

बेटी और पिता की पहले हो चुकी है मौत

शहडोल, 5 मार्च (एजेंसियां)। ऑनलाइन गेमिंग की लत ने शहडोल में एक हंसते-खेलते परिवार को हमेशा के लिए उजाड़ दिया। कोतवाली थाना क्षेत्र की पुरानी बस्ती स्थित सत्यम वीडियो के पास 24 फरवरी की दरमियानी रात हुई इस दर्दनाक घटना में अब तीसरी मौत भी हो गई है। मेडिकल कॉलेज शहडोल में आठ दिनों तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद मां राजकुमारी ने भी दम तोड़ दिया। इससे पहले 25 फरवरी को पिता शंकर लाल गुप्ता और बेटी स्वाति गुप्ता की मौत हो चुकी थी। पुलिस के अनुसार पुरानी बस्ती निवासी शंकर लाल गुप्ता को ऑनलाइन बीडीजी और एविएटर गेम की लत लग गई थी।

बताया जा रहा है कि इस गेम में वह लगातार पैसे हारते गए और लाखों रुपये के कर्ज में डूब गए। आर्थिक दबाव और मानसिक तनाव के चलते उन्होंने 24 फरवरी की रात एक खौफनाक कदम उठा लिया। आरोप है कि शंकर लाल ने कोल्डड्रिंक में जहर मिलाकर पहले अपनी पत्नी राजकुमारी और बेटी स्वाति को पिला दिया, इसके बाद खुद भी वही जहरीला पेय पी लिया। कुछ ही देर में तीनों की हालत बिगड़ने लगी। परिजनों और पड़ोसियों की मदद से उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान 25 फरवरी को शंकर लाल गुप्ता और उनकी बेटी स्वाति गुप्ता ने दम तोड़ दिया था, जबकि राजकुमारी का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा था।

करीब आठ दिनों तक जिंदगी से जंग लड़ने के बाद आखिरकार राजकुमारी भी मौत के आगे हार गईं। इस हृदय विदारक घटना के बाद परिवार में अब केवल 15 वर्षीय बेटा अनिकेत गुप्ता ही बचा है। घटना के समय वह घर पर मौजूद नहीं था, जिसके कारण वह जहरीला पेय पीने से बच गया और उसकी जान बच गई।

सरकार जब्त करेगी करोड़पति कॉन्स्टेबल का 100 करोड़ का गोल्ड-कैश

भोपाल, 5 मार्च (एजेंसियां)। आरटीओ के पूर्व करोड़पति कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा और उसके सहयोगी चेतन सिंह गौर से जुड़े मामले में बरामद 100 करोड़ रुपए के सोना और नकदी को सरकारी खजाने में जमा किया जाएगा। आयकर विभाग की एडजुडिकेटिंग अथॉरिटी ने भोपाल स्थित बेनामी निषेध इकाई (बीपीयू) की कार्रवाई को सही ठहराया है। अथॉरिटी ने सौरभ शर्मा को सोने का वास्तविक मालिक बताया है। सौरभ शर्मा दिसंबर 2024 में तब चर्चा में आया था, जब लोकायुक्त, प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग ने उसके ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की थी। इसी दौरान 18 और 19 दिसंबर की दरमियानी रात भोपाल के मेंडोरी में इनोवा कार से 11 करोड़ रुपए कैश और 51.8 किलो गोल्ड जब्त किए गए थे। इसका लिंक भी सौरभ से जुड़ा था।

इसके बाद सौरभ और उसके सहयोगियों की बेशुमार संपत्ति सामने आई थी। हालांकि, अब तक हुई पूछताछ में सौरभ शर्मा ने यह स्वीकार नहीं किया है कि मेंडोरी में इनोवा कार में मिला सोना और कैश उसका है। एडजुडिकेटिंग अथॉरिटी द्वारा आयकर विभाग की बेनामी विंग की कार्रवाई को सही ठहराने के बाद अब सौरभ शर्मा और चेतन सिंह गौर के पास अपील का विकल्प है। दोनों यदि अपील करते हैं, तो सुनवाई के बाद इस पर फैसला होगा। यदि तय समय सीमा के भीतर अपील नहीं की जाती है, तो भारत सरकार इस मामले में नीलामी की कार्रवाई कर गोल्ड और कैश को जब्त कर सकती है। आयकर विभाग की भोपाल स्थित बेनामी निषेध इकाई ने पीबीपीटी अधिनियम, 1988 के तहत अगस्त 2025 में सोना, नकदी और इनोवा वाहन की अस्थायी कुर्की की थी। उस समय इसकी कुल कीमत करीब 52 करोड़ रुपए आंकी गई थी। जांच एजेंसियों के अनुसार बरामद सोना और नकदी का वर्तमान मूल्य करीब 100 करोड़ रुपए आंका गया है। अब एडजुडिकेटिंग अथॉरिटी के फैसले के बाद इन संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। आयकर विभाग ने इस लेनदेन को पीबीपीटी अधिनियम की धारा 2(9)(ए) के तहत बेनामी लेनदेन माना है।

जांच में चेतन सिंह गौर को बेनामीदार और रिटायर्ड आरटीओ कांस्टेबल सौरभ शर्मा को वास्तविक मालिक बताया गया है। आयकर विभाग सौरभ शर्मा, उसके सहयोगी चेतन सिंह गौर, शरद जायसवाल और उनके रिश्तेदारों से जुड़ी 32 से अधिक अचल संपत्तियों और बैंक खातों में जमा राशि की भी जांच कर रहा है। इन मामलों में एडजुडिकेटिंग अथॉरिटी का अलग फैसला आना बाकी है।

नीलगिरी क्षेत्र में 7-8 मार्च को होगी गिद्धों की गणना

चेन्नई, 5 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक के वन विभाग 7 और 8 मार्च को नीलगिरी क्षेत्र में एक समन्वित गिद्ध गणना करेंगे। इसका उद्देश्य दक्षिण भारत के सबसे महत्वपूर्ण आवासों में से एक में संकटग्रस्त गिद्धों की आबादी का आकलन करना है। गणना के दौरान टीमें तय समय पर गिद्धों की गतिविधियों का रिकॉर्ड रखेंगी और उड़ान की दिशा व समय को दर्ज करेंगी, ताकि दोहरी गणना से बचा जा सके। यह सर्वेक्षण नीलगिरी बायोस्फीयर रिजर्व के भीतर प्रमुख वन क्षेत्रों पर केंद्रित होगा, जो देश के दक्षिणी भाग में गिद्धों के लिए एक महत्वपूर्ण गढ़ के रूप में उभरा है। यह अभ्यास पिछली गणना के उत्साहजनक परिणामों के बाद किया जा रहा है, जिसमें तीनों राज्यों में गिद्धों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई थी।

वन्यजीव अधिकारियों के बीच आशावाद बढ़ाने वाली एक नई घटना में, मुदुमलाई टाइगर रिजर्व के फील्ड स्टाफ ने हाल ही में रिजर्व के मुख्य क्षेत्र में पहली बार एक गिद्ध का घोंसला देखा है। अब तक, अधिकांश घोंसला बनाने की गतिविधियां बफर जोन में ही दर्ज की गई थीं। वन अधिकारियों ने घोंसला बनाने के व्यवहार और जनसंख्या के रुझानों पर बारीकी से नजर रखने के लिए इस वर्ष के सर्वेक्षण हेतु मुदुमलाई के मुख्य क्षेत्र में आठ महत्वपूर्ण स्थानों की पहचान की है। समन्वित सर्वेक्षण में नीलगिरी क्षेत्र के कई प्रमुख वन्यजीव आवासों को शामिल किया जाएगा। तमिलनाडु में निगरानी मुदुमलाई टाइगर रिजर्व, सत्यमंगलम टाइगर रिजर्व और तिरुनेलवेली वन्यजीव अभयारण्य में की जाएगी। कर्नाटक में टीमें बांदीपुर टाइगर रिजर्व, नागरहोल टाइगर रिजर्व और बिलिगिरि रंगनाथ मंदिर (बीआरटी) टाइगर रिजर्व का सर्वेक्षण करेंगी, जबकि केरल में यह अभ्यास वायनाड वन्यजीव अभयारण्य पर केंद्रित रहेगा।

जांगडा ने कांग्रेस छोड़ने का किया एलान

हांसी, 5 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा ओबीसी कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष तेलूराम जांगड़ा ने कांग्रेस छोड़ने का एलान किया है। राज्यसभा चुनाव में ओबीसी वर्ग को टिकट न देने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए कांग्रेस छोड़ी है। इस संदर्भ में उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष को अपना त्यागपत्र भी भेज दिया है। उन्होंने यह भी घोषणा की है कि वह भविष्य में किसी अन्य राजनीतिक पार्टी से नहीं जुड़ेंगे।

तेलूराम जांगड़ा पिछले 30 वर्षों से कांग्रेस में थे। वह कांग्रेस सरकार के दौरान वर्ष 2011 में हरियाणा पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य भी बने थे, करीब 6 वर्ष तक का उनका कार्यकाल था। इसके बाद वह कांग्रेस में ही रहे। तेलु राम जांगड़ा का कहना है कि ओबीसी वर्ग की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्हें उम्मीद थी कि हरियाणा में जिन दो सीटों पर राज्यसभा चुनाव होना है उनमें कांग्रेस अपना प्रत्याशी ओबीसी वर्ग से चुनेगी।

चाबहार पर संकट: क्या पाकिस्तान करेगा हमला? भारत की बढ़ीं मुश्किलें

इस्लामाबाद, 5 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सऊदी अरब और अमेरिका के समर्थन में जल्द ही तीसरे खाड़ी युद्ध में शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। अगर ऐसा होता है तो पाकिस्तान की अमेरिका के शीर्ष क्षेत्रीय सहयोगी के रूप में भूमिका बहाल हो सकती है, जिसका वह दशकों से इंतजार कर रहा है।

इससे वह अमेरिका के सहयोग से अफगानिस्तान में तालिबान शासन को भी उखाड़ फेंक सकता है। हालांकि, इसके लिए पाकिस्तान को अमेरिकी सैनिकों को बगराम एयरबेस पर फिर से तैनात करना होगा। अमेरिका भी जानता है कि अगर वह बगराम में अपनी उपस्थिति फिर से कायम करता है तो इससे न सिर्फ अफगानिस्तान में उसकी मौजूदगी बढ़ेगी, बल्कि ईरान और मध्य एशिया के दूसरे रूसी सहयोगियों के लिए टेंशन की बात होगी।

ईरान के खिलाफ लड़ाई में क्यों शामिल होगा पाकिस्तान?

कूटनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान इसके लिए सऊदी अरब के साथ किए रक्षा समझौतों का हवाला दे सकता है। ईरान ने पिछले कुछ दिनों में सऊदी अरब पर दर्जनों बार हमले किए हैं। उसका कहना है कि वह सिर्फ सऊदी में मौजूद अमेरिकी सैन्य ढांचे को निशाना बना रहा है, लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है। ईरान साफतौर पर डरा नहीं है, लेकिन पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने उसे सऊदी अरब के साथ पाकिस्तान के रक्षा समझौते की याद दिलाई है। ऐसे में माना जा रहा है कि अगर ईरानी हमले जारी रहते हैं तो पाकिस्तान भी इसमें शामिल हो सकता है।

इशाक डार ने कहा, "सऊदी अरब के साथ हमारा एक डिफेंस पैक्ट है। मैंने ईरानी साइड को हमारे डिफेंस पैक्ट के बारे में बताया, जिस पर उन्होंने मुझसे यह पक्का करने को कहा कि सऊदी अरब की जमीन का इस्तेमाल न हो। फिर मैंने शटल कम्युनिकेशन किया, जिसके नतीजे में, जैसा कि आप तुलना कर सकते हैं, ईरान से सबसे कम हमले सऊदी अरब और ओमान पर होते हैं।" हालांकि वास्तविकता यह है कि ईरान न पाकिस्तान की बात को नजरअंदाज किया है और सऊदी अरब पर हमलों की संख्या बढ़ाई है।

सऊदी अरब के साथ हमारा एक डिफेंस पैक्ट है। मैंने ईरानी साइड को हमारे डिफेंस पैक्ट के बारे में बताया, जिस पर उन्होंने मुझसे यह पक्का करने को कहा कि सऊदी अरब की जमीन का इस्तेमाल न हो। फिर मैंने शटल कम्युनिकेशन किया, जिसके नतीजे में, जैसा कि आप तुलना कर सकते हैं, ईरान से सबसे कम हमले सऊदी अरब और ओमान पर होते हैं। जानकारों का कहना है कि पाकिस्तान का सऊदी अरब के साथ डिफेंस पैक्ट का मतलब हमलों को रोकना होता है, ना कि सिर्फ उनकी संख्या और तेजी को कम करना होता है। हालांकि, ऐसा हुआ नहीं है, जैसा पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने दावा किया है। उनका मानना है कि सऊदी अरब और पाकिस्तान अब इस मुश्किल में हैं कि या तो वे अपने आपसी डिफेंस पैक्ट को एक्टिवेट करें ताकि वे इसमें मिलकर ईरान के खिलाफ लड़ाई को बढ़ा सकें। अगर ऐसा होता है तो शायद वे अमेरिका के साथ कोऑर्डिनेट करें, या चुपचाप यह मान लें कि वे मिलिट्री के हिसाब से कमजोर हैं और बस युद्ध खत्म होने का इंतजार करते रहें।

पाकिस्तान के पास ईरान पर हमला करने के तीन प्रमुख कारण हैं, जो सीधे उसके हित में हैं। पहला- वह क्षेत्र में अमेरिका के सबसे बड़े सहयोगी के तौर पर अपनी जगह वापस पा सकता है, जिसे भारत ने हथिया लिया है। इस कारण पाकिस्तान को अमेरिकी सैन्य मदद रुकी हुई है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मोर्चों पर भी पाकिस्तान को अमेरिका की सहायता नहीं मिलती है। वह अमेरिकी सैन्य तकनीक और हथियारों का भी एक्सक्लूसिव उपभोक्ता बढ़ सकता है, जो भारत के खिलाफ उसकी सैन्य तैयारियों को तेजी देगा।

अजरबैजान ने की ईरान के ड्रोन हमलों की निंदा

राजदूत तलब कर दी कार्रवाई की चेतावनी

बाकू, 5 मार्च (एजेंसियां)। अजरबैजान ने गुरुवार को दावा किया कि ईरान की ओर से उसके इलाके में ड्रोन हमले किए गए। इन हमों में नखचिवान क्षेत्र को निशाना बनाया गया। हमले में बुनियादी ढांचे को नुकसान हुआ और कुछ नागरिक घायल भी हुए।

अजरबैजानी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, पांच मार्च की दोपहर ईरान की सीमा से ड्रोन हमले किए गए। ये हमले अजरबैजान के नखचिवान स्वायत्त गणराज्य के इलाके में हुए। मंत्रालय ने बताया कि एक ड्रोन नखचिवान हवाई अड्डे की टर्मिनल इमारत से टकराया। वहीं, दूसरा ड्रोन शकराबाद गांव में एक स्कूल के पास गिरा।

इस घटना की निंदा करते हुए अजरबैजान के विदेश मंत्रालय ने कहा, इन हमलों से हवाई अड्डे की इमारत को नुकसान पहुंचा और दो नागरिक घायल हो गए।

बिहार का अगला सीएम कौन?

जदयू या भाजपा में से इस नाम पर लग सकती है मुहर, दौड़ में कौन-कौन शामिल

पटना, 5 मार्च (एजेंसियां)। बिहार का नया मुख्यमंत्री कौन होगा? क्या 2020 से तैयारी में लगे केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय आएंगे बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने? या, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की ओर से बहुत पहले घोषित सम्राट चौधरी उप मुख्यमंत्री की कुर्सी से उठकर सीएम की कुर्सी पर बैठेंगे? नाम तो महिला चेहरे के रूप में श्रेयसी सिंह का भी चल रहा। दूसरी तरफ, दबाव के नाम पर दिल्ली जा रहे नीतीश कुमार की जगह उनके बेटे निशांत कुमार को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाने का भी चक्र चल रहा है। लेकिन, इन सभी के बीच भाजपा के नेताओं को यह भी लग रहा है कि कोई चौंकाने वाला नाम अचानक सीएम के रूप में न सामने आ जाए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके नित्यानंद राय यादव समाज से आते हैं। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री हैं। बिहार चुनाव 2020 के समय इनका नाम तेजी से और लंबे समय तक चला था। बिहार की जातीय जनगणना में सर्वाधिक संख्या हिंदुओं के अंदर यादव जाति की दिखी थी। बिहार की राजनीति में एनडीए के सामने खड़ी होने वाली सबसे बड़ी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल का कोर वोटर यादव ही है। लालू प्रसाद यादव को कमजोर करने के लिए रामकृपाल यादव को भाजपा ने इसलिए ही बुलाया था। ऐसे में नित्यानंद राय भाजपा के लिए सीएम के मजबूत दावेदार बताए जाते रहे हैं।

दूसरे दलों से होकर भाजपा में आए सम्राट चौधरी बिहार प्रदेश अध्यक्ष रहे तो सामने नीतीश कुमार तब महागठबंधन के मुख्यमंत्री थे। सम्राट ने अपना मुरेठा उन्हें कुर्सी से हटाने तक बांधे रहने की बात कही थी। बाद में नीतीश वापस एनडीए में आए और सम्राट चौधरी उनके ही डिप्टी सीएम बन गए। उन्होंने मुरेठा त्याग दिया। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में सम्राट चौधरी भाजपा की कमान संभाले दिखे, लेकिन चूंकि अब तक का रिकॉर्ड किसी डिप्टी के सीएम बनने का नहीं रहा है और भाजपा ने अब तक उन्हें ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है। सम्राट चौधरी कुशवाहा समाज से आते हैं, जो जदयू के सामने भाजपा को मजबूत करने में काम आएगा- यह कहा गया था।

राफेल बनाने वाली डसॉल्ट उत्पादन बढ़ाने में नाकाम

भारत से डील को बेचैन, फ्रांस सरकार ने नहीं दिया है सिग्नल

पेरिस, 5 मार्च (एजेंसियां)। फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट उम्मीद लगाए बैठी है कि इस साल के अंत तक भारत के साथ 114 राफेल लड़ाकू विमान का सौदा कर लिया जाएगा। लेकिन सवाल ये है कि क्या फ्रांसीसी कंपनी अपने ऑर्डर को जल्द से जल्द पूरा भी कर पाएगी?

डसॉल्ट के पास राफेल को लेकर एक बड़ा बैकलॉग है यानि उसे जितने ऑर्डर मिले हुए हैं वो उसे पूरा करने के लिए ही हाथ पैर मार रही है।

31 दिसंबर 2025 तक फ्रांसीसी एयरफ्रेमर के पास राफेल फाइटर जेट के 220 ऑर्डर था। इनमें से 175 राफेल अलग अलग देशों को दिए जाने हैं जबकि 45 राफेल फ्रांसीसी वायुसेना के लिए है। इस बीच भारत ने फरवरी में घोषणा की थी कि उसने अपनी मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट की जरूरत को पूरा करने के लिए राफेल खरीदने का फैसला किया है। डसॉल्ट के चीफ एग्जीक्यूटिव एरिक ट्रैपियर ने 4 मार्च को एक

प्रेस ब्रीफिंग के दौरान इसपर बात की है। उनसे पूछा गया था कि भारत के साथ 114 राफेल के लिए सौदा कब तक पूरा होने की उम्मीद है? इसपर उन्होंने कहा 'हम यह पक्का करना चाहते हैं कि कॉन्ट्रैक्ट इसी साल साइन हो जाए। क्या ऐसा होगा? हम अगले साल देखेंगे।'

राफेल सौदा के लिए भारत की सबसे बड़ी शर्त मेक इन इंडिया है। भारत कम से कम 50 प्रतिशत स्वदेशी निर्माण चाहता है। डसॉल्ट पहले ही राफेल फ्यूजलेज सेक्शन का दूसरा सोर्स बनाने के लिए टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के साथ सौदा साइन कर चुकी है। ऐसा पहली बार होने जा रहा है जब लड़ाकू जेट के पार्ट्स फ्रांस के बाहर बनाए जाएंगे और इस सौदे के तहत एक स्थानीय फाइनल असेंबली लाइन भी बनागा जाएगा। फ्लाइट ग्लोबल के मुताबिक डसॉल्ट राफेल को मिलने वाले संभावित ऑर्डर के लिए अपनी योजनाओं को लेकर फ्रांसीसी सरकार से सिग्नल का इंतजार कर रही है। फ्रांस की सरकार ने डसॉल्ट के साथ 42 जेट के लिए एक ट्रांच 5 एग्रीमेंट साइन किया है लेकिन यह अभी साफ नहीं है कि ट्रांच 6 डील कब पूरी होगी।

ट्रैपियर का कहना है कि टाइमिंग को लेकर सवाल फ्रेंच डीजीए मिलिट्री प्रोक्योरमेंट एजेंसी से पूछे जाने चाहिए। लेकिन उन्होंने ये भी कहा कि फ्रांस के लिए प्रोडक्शन रेट अभी काफी कम है और इसके पीछे बजट संबंधित दिक्कते हैं। डसॉल्ट ने पिछले साल अपने फ्रांसीसी वायुसेना को 11 जेट बनाकर डिलीवर किए थे। अभी यही रेट बने रहने की संभावना है।

नेपियर ने कहा कि ऐसा नहीं है कि हम प्रोडक्शन रेट बढ़ाना नहीं चाहते लेकिन अगर आप इसे बढ़ाना चाहते हैं तो आपको कैश देना होगा। कुल मिलाकर डसॉल्ट इस साल 28 राफेल डिलीवर करने की सोच रहा है जो 2025 में 26 राफेल से दो ज्यादा है।

ईरान ने भारत से लौट रहे युद्धपोत आईआरआईएस डेना पर स्ट्राइक का लिया बदला

अमेरिकी टैंकर पर किया बड़ा हमला

तेहरान, 5 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका ने हिंद महासागर में अपने युद्धपोत आईआरआईएस डेना पर किए गये अमेरिकी हमले का 24 घंटे में ही बदला ले लिया है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान ने उत्तरी फारस की खाड़ी में एक अमेरिकी टैंकर पर भीषण हमला किया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने ईरान के इस हमले को लेकर जानकारी दी है। ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा है कि यूएस शिप में आग लगी हुई थी। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब ईरानी विदेश मंत्री ने चेतावनी दी है कि यूएस को श्रीलंका के तट पर आईआरआईएस डेना पर हुए हमले का बहुत पछतावा होगा।

अमेरिका ने बुधवार को हिंद महासागर में श्रीलंका के पास आईआरआईएस डेना पर पनडुब्बी से हमला किया था। इस युद्धपोत में 130 क्रू मेंबर्स थे जिनमें से 87 लोगों के शव बरामद कर लिए गये हैं। 32 लोगों को गंभीर हालत में श्रीलंकन नौसेना ने रेस्क्यू किया है और अस्पताल में भर्ती करवाया है। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने बदला लेने की कसम खाई है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि हिंद महासागर में ईरानी युद्धपोतपर हमले के कुछ घंटों बाद इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अमेरिकी टैंकर को निशाना बनाया है। उसने उत्तरी फारस की खाड़ी में एक अमेरिकी टैंकर पर हमला किया है। ईरानी सरकारी मीडिया ने कहा कि अमेरिकी जहाज़ में आग लगी हुई थी।

श्रीलंका के पास ईरानी जहाज पर हुए हमले के बाद आईआरजीसी ने अमेरिका को सख्त चेतावनी दी थी। इसके फौरन बाद ये हमला किया गया है। आईआरजीसी ने कहा था कि होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों का आना-जाना उसके कंट्रोल में होगा। यानि अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष कम होने के बजाए लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान में अभी तक युद्ध शुरू होने के बाद 1000 से ज्यादा लोग मारे गये हैं।

बियर के बोतल से हमला

धनबाद, 5 मार्च (एजेंसियां)। धनबाद के सरायढेला थाना क्षेत्र के उड़िया पट्टी में गुरुवार को आपसी विवाद के दौरान बियर की बोतल से हमला किया गया। इस घटना में दो युवक और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए धनबाद के एसएनएमएमसीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, विक्की हाड़ी अपनी बहन रानी देवी के घर उड़िया पट्टी आए हुए थे। इसी दौरान कुछ स्थानीय युवक नशे की हालत में वहां पहुंचे और एक व्यक्ति के साथ मारपीट की, जिससे उसका सिर फट गया। जब विक्की हाड़ी और उनके भाई बीच-बचाव करने गए, तो हमलावरों ने बियर की बोतलें तोड़कर उन पर हमला कर दिया।

संसद में भड़का पूर्व सैनिक: ईरान में बमबारी के विरोध पर सांसदों के साथ हाथापाई

वॉशिंगटन, 5 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में ईरान के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियान को लेकर एक संसदीय सुनवाई के दौरान बड़ा हंगामा हो गया। सुनवाई के बीच विरोध जताने पहुंचे एक पूर्व अमेरिकी मरीन सैनिक पहुंचा। उसको जबरन बाहर निकालते समय उसका हाथ टूट गया। यह घटना बुधवार को अमेरिकी संसद परिसर में हुई। पूर्व मरीन सार्जेंट ब्रायन मैकगिनेस सशस्त्र सेवाओं की उपसमिति की सुनवाई के दौरान अचानक खड़े होकर विरोध करने लगे।

वह ईरान के खिलाफ अमेरिका-इस्राइल के सैन्य अभियान का विरोध कर रहे थे। उन्होंने जोर से कहा कि कोई भी इस्राइल के लिए लड़ना नहीं चाहता। इसके बाद कैपिटल पुलिस और कुछ सांसदों ने उन्हें कमरे से बाहर निकालने की कोशिश की। इसी दौरान धक्का-मुक्की में उनका हाथ दरवाजे में फंस गया और टूट गया। ब्रायन मैकगिनेस मरीन की वर्दी पहनकर सुनवाई में पहुंचे थे। जैसे ही चर्चा शुरू हुई, उन्होंने खड़े होकर जोर से नारे लगाने शुरू कर दिए। वीडियो में देखा गया कि वह चिल्लाकर कह रहे थे कि अमेरिकी सैनिकों को इस युद्ध में नहीं झोंका जाना चाहिए। पुलिस अधिकारियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और उन्हें कमरे से बाहर ले जाने की कोशिश की। इसी दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पुलिसकर्मियों ने उन्हें पकड़कर बाहर खींचा। इस दौरान उनका हाथ दरवाजे में फंस गया और जोरदार झटका लगने से टूट गया। एक गवाह ने बताया कि अधिकारियों ने उन्हें जमीन पर गिराकर काबू में किया।

दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर मुठभेड़, 1 एसीएम नक्सली ढेर

दोनों तरफ से हुई गोलीबारी, मौके से शव समेत इंसास, एसएलआर रायफल बरामद

दंतेवाड़ा, 5 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-बीजापुर जिले के बॉर्डर पर पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 5 लाख रुपए का इनामी नक्सली मारा गया है। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने मौके से एक एसएलआर, इंसास रायफल, पिस्टल समेत बड़ी मात्रा में हथियार और नक्सली सामग्री बरामद की है। मारे गए माओवादी की पहचान भैरमगढ़ एरिया कमेटी के एसीएम राजेश पुनेम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 3 मार्च को थाना गीदम क्षेत्र के ग्राम गुमलनार, गिरसापारा और नेलगोड़ा के बीच जंगल-पहाड़ी इलाके में नक्सलियों के हथियार और सामग्री डंप किए जाने की सूचना मिली थी। इस सूचना पर पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा के निर्देश पर डीएसपी राहुल कुमार उइके के नेतृत्व में डीआरजी और बस्तर फाइटर्स के जवानों की टीम सर्चिंग के लिए रवाना हुई।

दोपहर करीब 12:30 बजे पुलिस की टीम संदिग्ध इलाके की ओर बढ़ते हुए जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में सर्चिंग और घेराबंदी कर रही थी। इसी दौरान रात करीब 8:30 से 9 बजे के बीच पहले से घात लगाए बैठे भैरमगढ़ एरिया कमेटी के 8 से 10 सशस्त्र नक्सलियों ने पुलिस पार्टी पर हमला कर दिया।

हमले के बाद जवानों ने भी मोर्चा संभालते हुए नक्सलियों की गोलियों का जवाब दिया। पुलिस की जवाबी फायरिंग के बाद नक्सली अंधेरे और घने जंगल का फायदा उठाकर भाग निकले। मुठभेड़ के बाद इलाके में सर्चिंग करने पर एक पुरुष नक्सली का शव बरामद हुआ।

मृत नक्सली की पहचान भैरमगढ़ एरिया कमेटी के एसीएम राजेश पुनेम के रूप में हुई है, जिस पर 5 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

शव के पास से एसएलआर रायफल, इंसास रायफल, पिस्टल, वॉकी-टॉकी, मैगजीन और बड़ी संख्या में जिंदा व खाली कारतूस बरामद किए गए।

हाईकोर्ट बोला-प्रेम संबंध टूटना सुसाइड के लिए उकसाना नहीं

प्रेमी के शादी से मना करने पर युवती ने दी जान, युवक के दोषमुक्ति का फैसला बरकरार

बिलासपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। जस्टिस संजय एस अग्रवाल ने कहा कि केवल प्रेम संबंध टूट जाना या शादी से इनकार कर देना, किसी व्यक्ति को आत्महत्या के लिए उकसाने (दुष्प्रेरण) का सबूत नहीं माना जा सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक सरकारी पक्ष यह साबित न कर दे कि आरोपी की भूमिका आत्महत्या के मामले में सीधी और सक्रिय थी, तब तक उस पर दुष्प्रेरण का आरोप नहीं लगाया जा सकता। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया। साथ ही सत्र न्यायालय की ओर से दिए गए आरोपी को दोषमुक्त करने के फैसले को भी बरकरार रखा। मामला बिलासपुर जिले से जुड़ा हुआ है।

दरअसल चकरभाठा थाना क्षेत्र में रहने वाले सुनील कुमार साहू और 21 वर्षीय युवती के बीच दोस्ती थी, जिसके बाद दोनों एक-दूसरे से प्यार करने लगे। साल 2016 में दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन युवक के माता-पिता इस रिश्ते के लिए तैयार नहीं थे। इसी दौरान साल 2016 में ही युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

आरोप लगाया गया कि घटना से 3-4 दिन पहले दोनों के बीच विवाद हुआ था।

होली के जश्न में चली गोलियां

बरमसिया फुटबॉल ग्राउंड में विवाद, दो युवक गंभीर रूप से घायल, पैसे को लेकर हंगामा

धनबाद, 5 मार्च (एजेंसियां)। धनबाद में होली के जश्न के बीच फायरिंग की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। धनसार थाना क्षेत्र के बरमसिया फुटबॉल ग्राउंड में होली के दौरान अचानक हुए विवाद में दो युवकों को गोली लग गई। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे।

घायल युवकों को आनन-फानन में इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की। घटना के पीछे की वजहों को खंगाला जा रहा है। घायलों की पहचान बरमसिया क्षेत्र के रहने वाले विष्णु कुमार और पुष्पक मिश्रा के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार विष्णु कुमार के पैर में गोली लगी है, जबकि पुष्पक मिश्रा के पेट में गोली लगने से उसकी हालत ज्यादा गंभीर बताई जा रही है। दोनों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि होली के जश्न के दौरान अचानक विवाद बढ़ गया और देखते ही देखते गोली चलने की आवाज से पूरा इलाका दहल उठा।

एमबीबीएस छात्र की लाश 30 मिनट रेलिंग से लटकी रही

फार्च्यूनर ने टक्कर मारी, दोस्त डॉक्टर से बोला- जिंदा कर दीजिए

गोरखपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। गोरखपुर में बेकाबू फॉर्च्यूनर की टक्कर से स्कूटी सवार एमबीबीएस छात्र की मौत हो गई। छात्र होली पर दोस्त के घर गया था। रात में खाना खाकर हॉस्टल जा रहा था। ओवरब्रिज पर फॉर्च्यूनर ने स्कूटी में सामने से टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि छात्र हवा में उछला और 15 मीटर दूर ओवरब्रिज की रेलिंग से टकराकर औंधे मुंह लटक गया। आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे और ओवरब्रिज पर भीड़ लग गई। लोग वीडियो बनाते रहे, लेकिन किसी ने छात्र को रेलिंग से नहीं उतारा। 30 मिनट शव रेलिंग से लटका रहा। इसके बाद राहगीर की सूचना पर पुलिस पहुंची और छात्र को नीचे उतारा और जिला अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्र की मौत के बाद उसका दोस्त अस्पताल पहुंचा। शव देखकर फूट-फूटकर रोने लगा और कहने लगा डॉक्टर साहब, मेरे दोस्त को जिंदा कर दीजिए।

हादसे के बाद प्रॉपर्टी डीलर गोल्डेन साहनी फॉर्च्यूनर लेकर फरार हो गया। पुलिस ने एक घंटे बाद उसे ट्रेस कर गिरफ्तार कर लिया। संतकबीरनगर के रहने वाले 22 साल के आकाश पांडेय बीआरडी मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस थर्ड ईयर के छात्र थे। घटना बुधवार रात 10 बजे शाहपुर थाना क्षेत्र के मोहद्दीपुर-कौवाबाग ओवरब्रिज पर हुई।

आकाश पांडेय बुधवार को होली मनाने के बाद देर शाम दोस्त अनूप के घर गया था। वहां उसने रात का खाना खाया। रात 10 बजे वह वापस हॉस्टल जा रहा था, तभी मोहद्दीपुर-कौवाबाग ओवरब्रिज पर हादसा हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बेकाबू फॉर्च्यूनर ने तीन-चार गाड़ियों को टक्कर मार दी। दूसरी गाड़ियों में हल्की टक्कर लगी, जबकि आकाश की स्कूटी में जोरदार टक्कर हुई।

शराब के लिए पैसे न देने पर युवक की हत्या

पलामू, 5 मार्च (एजेंसियां)। पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के चेड़ाबार गांव में शराब के लिए पैसे न देने पर एक युवक की हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मृतक और आरोपियों के बीच मामूली कहासुनी इतनी बढ़ गई कि आरोपियों ने युवक को कोयल नदी किनारे ले जाकर मार डाला।

मृतक की पहचान नावाबाजार थाना क्षेत्र के करचा गांव निवासी युगेश सिंह के रूप में हुई है। वह 27 फरवरी को अपनी पत्नी को डिग्री की परीक्षा दिलाने चेड़ाबार स्थित ससुराल आया था। शाम को वह अपने साले के साथ शराब पीने निकला था। साला घर लौट गया, लेकिन युगेश नशे में गांव में ही रुक गया। रात में गांव के शिवपूजन सिंह उर्फ शिवकुमार सिंह (28) और जयप्रकाश सिंह उर्फ हुड़िया (23) ने युगेश से शराब पीने के लिए पैसे मांगे।

पैसे को लेकर विवाद बढ़ने पर दोनों आरोपी युगेश को जबरन कोयल नदी की ओर ले गए। वहां उन्होंने लोहे के फाइटर से युगेश के सिर पर कई वार किए और गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। बाद में शव को नदी किनारे झाड़ियों में छिपा दिया गया। 28 फरवरी की दोपहर कोयल नदी से शव बरामद होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। इस संबध में मृतक की पत्नी ने शिवपूजन सिंह सहित पांच लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पूछताछ में शिवपूजन ने हत्या की बात कबूल की और पूरी घटना बताई।

सनातन धर्म में क्यों एक साथ की जाती है इन देवी देवताओं की पूजा

भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा अर्चना

देवों के देव महादेव भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा एक साथ की जाती है. इसकी वजह भगवान शिव को चेतना, वैराग्य और स्थिरता का प्रतीक माना गया है. वहीं मां पार्वती शक्ति, सृजन और क्रिया की ऊर्जा हैं. अर्धनारीश्वर का स्वरूप इस बात का प्रतीक है कि जीवन में केवल शांति या केवल ऊर्जा पर्याप्त नहीं है, जब स्थिरता और शक्ति साथ चलते हैं, तभी जीवन संतुलित होता है. इसी लिए भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा से व्यक्ति की इच्छा पूर्ति के साथ ही जीवन में संतुलन आता है।

भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा

धन और समृद्धि की कामना में हम भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं. मां लक्ष्मी धन और ऐश्वर्य की देवी हैं. वहीं भगवान विष्णु धर्म और संरक्षण के प्रतीक हैं. धन तभी टिकता है, जब वह धर्म और नैतिकता से जुड़ा हो. केवल समृद्धि नहीं, बल्कि संतुलित समृद्धि ही स्थायी सुख देती है।

भगवान श्रीराम और माता सीता

मर्यादा और करुणा का संतुलन हमें भगवान श्रीराम और माता सीता की जोड़ी में दिखाई देता है. श्रीराम कर्तव्य, अनुशासन और आदर्श नेतृत्व के प्रतीक हैं, जबकि मां सीता त्याग, धैर्य और भावनात्मक शक्ति का रूप हैं. यह जोड़ी बताती है कि धर्म कठोर नहीं होना चाहिए और प्रेम कमजोर नहीं. जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का मेल ही आदर्श जीवन बनाता है।

भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी

भक्ति और प्रेम के उच्चतम रूप को समझना हो तो श्रीकृष्ण और राधा रानी का स्मरण किया जाता है. कृष्ण दिव्य ज्ञान और लीला के प्रतीक हैं, जबकि राधा आत्मा की शुद्ध भक्ति का स्वरूप है. उनका संबंध हमें सिखाता है कि सच्चा प्रेम अधिकार नहीं, समर्पण होता है, जब अहंकार मिटता है, तभी प्रेम परिवर्तन लाता है।

एग्जाम से पहले ये सरस्वती मंत्र पढ़ लें

1. सरस्वती बीज मंत्र "ॐ अम नमः" यह बीज मंत्र देवी सरस्वती को समर्पित है. परंपरा के अनुसार, इसे स्नान के बाद सुबह शांत मन से 108 बार जपना शुभ माना जाता है. 'अम' को ज्ञान और वाणी का मूल ध्वनि बीज माना गया है. नियमित 11 दिनों तक इसका जाप करने से मन स्थिर होता है और स्मरण शक्ति बेहतर होती है. हालांकि यह ध्यान रखना जरूरी है कि मंत्र अभ्यास का विकल्प नहीं है, बल्कि मानसिक तैयारी का एक हिस्सा है।

2. पढ़ाई शुरू करने से पहले का मंत्र "सरस्वती नमस्तुभ्यं, वरदे कामरूपिणी।

विद्यारम्भं करिष्यामि, सिद्धिर्भवतु मे सदा." यह मंत्र पढ़ने या लिखने से पहले बोला जाता है. कई छात्र बताते हैं कि इसे बोलने से उनका मन भटकता नहीं और पढ़ाई में रुचि बढ़ती है. परीक्षा कक्ष में प्रवेश से पहले इसे

मन ही मन दोहराने से घबराहट कम हो सकती है. मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं कि कोई भी सकारात्मक रिवाज आत्मविश्वास को स्थिर करता है।

3. परीक्षा के दिन क्या करें? अध्ययन कक्ष साफ और व्यवस्थित रखें. रोज 5–10 मिनट ध्यान करें और हल्के या सफेद रंग के वस्त्र पहनना पारंपरिक रूप से शुभ माना जाता है. साथ ही घर से निकलने से पहले दही-चीनी खाना भी शुभ होता है. ये उपाय वैज्ञानिक नियम नहीं हैं, लेकिन सकारात्मक मानसिक स्थिति बनाने में मदद कर सकते हैं.

4. सूर्य मंत्र का महत्व कुछ परंपराओं में परीक्षा के दिन सुबह सूर्य को जल अर्पित करें और "ॐ घृणि सूर्याय नमः" मंत्र का 11 बार जाप करें. मान्यता है कि इससे ऊर्जा और एकाग्रता बढ़ती है. हालांकि, विशेषज्ञ दोहराते हैं कि ये अभ्यास मानसिक मजबूती के लिए हैं, पढ़ाई का विकल्प नहीं. संतुलित नजरिया जरूरी आध्यात्मिक उपाय आत्मविश्वास दे सकते हैं, लेकिन परीक्षा में अच्छे अंक आपकी तैयारी पर निर्भर करते हैं. नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और पर्याप्त नींद—ये तीन चीजें किसी भी मंत्र से ज्यादा प्रभावशाली साबित होती हैं. मंत्रों को मानसिक सहारा समझें, चमत्कार नहीं. अगर छात्र संतुलित दिनचर्या अपनाते हैं और सकारात्मक सोच रखते हैं, तो परिणाम बेहतर होने की संभावना खुद बढ़ जाती है. असली कुंजी क्या है? परीक्षा से पहले सरस्वती मंत्र का जाप मन को शांत कर सकता है और आत्मविश्वास बढ़ा सकता है. लेकिन सफलता का रास्ता कड़ी मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास से होकर ही गुजरता है।

द्रौपदी के अलावा भी थी युधिष्ठिर की पत्नी, जानें देविका का सच !

धर्म, न्याय और संयम का प्रतीक माना गया है। फिर भी उनके निजी जीवन से जुड़ा एक पक्ष ऐसा है, जिस पर बहुत कम चर्चा होती है उनकी दूसरी पत्नी देविका। सार्वजनिक कथाओं में वे युधिष्ठिर के साथ कम दिखाई देती हैं। वनवास और स्वर्गारोहण जैसे महत्वपूर्ण प्रसंगों में भी उनका उल्लेख नहीं मिलता, जिससे उनका चरित्र रहस्यपूर्ण प्रतीत होता है।

पांडवों में ज्येष्ठ युधिष्ठिर की पत्नी के रूप में आमतौर पर द्रौपदी का ही नाम प्रमुखता से लिया जाता है लेकिन उनके अतिरिक्त देविका भी उनकी पत्नी थीं। देविका शिव राज्य के राजा गोवसेन की पुत्री बताई जाती हैं और एक क्षत्रिय राजकुमारी थीं। महाकाव्य में उनका उल्लेख सीमित है, इसी कारण वे कथा की पृष्ठभूमि में रह गईं।

मान्यता है कि देविका का विवाह युधिष्ठिर से वनवास से पहले हुआ था। हालांकि द्रौपदी से विवाह के बाद यह संबंध स्थापित हुआ। एक रोचक तथ्य यह भी है कि राजा द्रुपद से पहली भेंट के समय युधिष्ठिर ने स्वयं को अविवाहित बताया था, जबकि कुछ परंपराओं के अनुसार वे पहले ही देविका से विवाह कर चुके थे। विवाह के समय को लेकर विभिन्न मत मिलते हैं—कुछ कथनों में इसे युवराज बनने के बाद की घटना माना गया है, तो कुछ इसे महायुद्ध के पश्चात का प्रसंग बताते हैं।

देविका और युधिष्ठिर के पुत्र का नाम यौधेय था। जब पांडवों को 14 वर्ष का वनवास मिला, तब देविका उनके साथ वन में नहीं गईं, बल्कि माता कुंती के साथ रहीं। युद्ध के समय यौधेय ने पांडव पक्ष से युद्ध किया और वीरगति को प्राप्त हुआ।

देविका को एक पवित्र और सौम्य स्त्री के रूप में स्मरण किया जाता है। वे हस्तिनापुर और इंद्रप्रस्थ में युधिष्ठिर के साथ रहीं, जहां उनके प्रति सम्मान और स्नेह का भाव था। कुछ मान्यताओं में उन्हें यमधर्म की पत्नी उर्मिला का अवतार भी कहा गया है और वे कृष्णा की भक्त मानी जाती हैं।

महाभारत के आदिपर्व में देविका का संक्षिप्त उल्लेख मिलता है। उनका व्यक्तित्व महत्वपूर्ण होने के बावजूद द्रौपदी की व्यापक कथा के कारण कम उजागर हुआ। फिर भी कहा जाता है कि उनके द्रौपदी के साथ संबंध सौहार्दपूर्ण थे और पांडव भी उनका सम्मान करते थे।

जहां तक उनके अंत का प्रश्न है, ग्रंथों में स्पष्ट विवरण उपलब्ध नहीं है। कुछ मान्यताओं के अनुसार युधिष्ठिर की अंतिम हिमालय यात्रा के आसपास उनका निधन हुआ, जबकि अन्य कथाएं इसे बाद की घटना मानती हैं। इस प्रकार देविका का जीवन महाभारत का एक शांत, किंतु रोचक और रहस्यमय अध्याय बना रहता है।

भगवान श्री गणेश और मां सरस्वती की पूजा

ज्ञान और नई शुरुआत की बात करें तो भगवान गणेश और मां सरस्वती की एक साथ पूजा आराधना की जाती है. मां सरस्वती विद्या और बुद्धि की देवी हैं, जबकि गणेश विघ्नहर्ता और शुभारंभ के देवता है. यह संयोजन हमें याद दिलाता है कि ज्ञान प्राप्त करने से पहले मन की रुकावटें दूर करनी जरूरी हैं. सफलता केवल पढ़ाई से नहीं, बल्कि एकाग्रता और तैयारी से आती है।

धन और वैभव के देवता कुबेर से जुड़ी बातें कम ही लोग जानते हैं

समय सदा एक सा नहीं रहता। हम जिसकी कल्पना भी नहीं कर सकते, आने वाला समय वही दिखा देता है। धन-संपदा की प्राप्ति के लिए लक्ष्मी पूजन की परम्परा हमारे यहां है, परन्तु धन के रक्षक या देवता माने जाने वाले कुबेर अब सिर्फ तस्वीरों तक ही सीमित होकर रह गए हैं। इनकी प्राचीन प्रतिमाएं अभी भी हमारे संग्रहालयों की धरोहर हैं परन्तु सामान्य चलन में इनकी प्रतिमाएं या मंदिर कहीं नहीं दिखते। हम यदि अपने देश के महत्वपूर्ण मंदिरों एवं देवालयों की सूची पर नजर डालें तो यह कह पाना बहुत मुश्किल होगा कि कुबेर का कोई विशेष मंदिर भी कहीं है। अपने पौराणिक ग्रंथों की बात करें तो मत्स्य पुराण में इनका वर्णन कुछ इन शब्दों में मिलता है :

कुबेर को धनपति, धनद, वैश्रवण, अलकापति आदि नामों से पुकारा गया है। हमारे यहां जो दस दिशाएं मानी जाती हैं, उन दिशाओं के लिए अलग-अलग दिकपाल भी माने जाते हैं। इन दिकपालों अर्थात दिशा के स्वामियों की सूची के नामों और संख्या में बदलाव देखा जाता है, परन्तु इनमें से इंद्र, वरुण, यम और अग्नि को प्राचीनतम समझा जाता है।

कुबेर के कुल की बात करें तो इन्हें पुलस्त्य ऋषि का पौत्र और विश्रवा का पुत्र माना गया है। उल्लेखनीय है कि इन्हीं विश्रवा का एक पुत्र लंकाधिपति रावण भी था। इस नाते रावण और कुबेर आप में सौतेले भाई थे। इसी कुबेर को सोने की लंका स्थापित करने और वहां का अधिपति होने का गौरव प्राप्त था, परन्तु रावण ने लंका पर जबरदस्ती कब्जा जमा लिया, जिसके बाद कुबेर ने जो दूसरा नगर बसाया, उसे अलकापुरी नाम दिया गया और इसी अलकापुरी के अधिपति होने के नाते उनका नामकरण अलकापति भी हुआ।

कुबेर को उत्तर दिशा का अधिपति माना जाता है परन्तु एक अन्य परम्परा के अंतर्गत यह स्थान सोम को दिया जाता है। वैसे कुबेर शब्द का अर्थ कुछ यूं वर्णित है : **कुत्सितं बेरं यस्य सः कुबेरः** अर्थात जो निम्न और भोंडा है, वह कुबेर है। इसी कारण से प्रतिमा शास्त्रों में इनका वर्णन मोटे या थुलथुले शरीर वाला परन्तु धन के स्वामी के नाते एक हाथ में स्वर्ण मुद्राओं की थैली लिए और दूसरे हाथ में नेवला लिए दिखाया जाता है। 'मनुस्मृति' जैसे ग्रंथों में इन्हें लोकपालों में से एक लोकपाल के साथ ही धनपतियों के संरक्षक जैसा सम्मानजनक स्थान दिया गया है।

महाभारत के वर्णन को मानें तो यहां इन्हें पुलस्त्य का पुत्र माना गया है परन्तु पुराणों में इन्हें पुलस्त्य का पौत्र और विश्रवा तथा देववर्णिनी की संतान माना गया है। इस देववर्णिनी के पिता हैं ऋषि भारद्वाज तथा भ्राता हैं ऋषि गर्ग। वहीं विश्रवा की दूसरी पत्नी असुर राजकुमारी कैकेशी से जो चार संतानें हुईं उनके नाम हैं रावण, विभीषण, कुंभकर्ण और शुर्पणखा।

कुबेर को यक्ष, किन्नर, गुह्यक और गंधर्वों का अधिपति भी माना गया है। वाल्मीकि रामयाण में इस देवता का एक अन्य नाम 'एकाक्ष' भी मिलता है। इन्हें भगवान शिव का मित्र और स्नेही होने का गौरव भी प्राप्त है। पौराणिक ग्रंथ 'ललित विस्तर' में इनकी गणना पूज्य देवताओं की सूची में है। 'प्रतिमा शास्त्र' के अनुसार थुलथुले शरीर वाले कुबेर के माथे पर उष्णीय, कानों में कुंडल तथा गले में कंठहार रहता है।

कुछ मूर्तियों में कुबेर का दाहिना हाथ अभय मुद्रा में तथा बाएं हाथ में नेवले के आकार की धन की थैली रहती है। इसे नकुली या नकुलक कहा जाता था। कुबेर की पत्नी का नाम भद्रा है, अतः कुछ प्रतिमाओं में कुबेर के साथ कमलधारिणी भद्रा को दर्शाया गया है। कुषाण काल में कुबेर की प्रतिमाओं के साथ भद्रा और लक्ष्मी का भी अंकन मिलता है। जैन धर्म में कुबेर को 'सर्वनाभूति' नाम दिया गया है जिन्हें 19वें तीर्थंकर मल्लीनाथ का सहायक यक्ष माना गया है। इनके वाहन की बात करें तो इन्हें हाथी या मनुष्य की सवारी करते अंकित किया जाता है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 6 मार्च - 2026

नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना तय

अशोक भाटिया

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना लगभग तय है। वे आज गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में राज्यसभा चुनाव नामांकन भरेंगे। नीतीश कुमार आज अपने समर्थकों के साथ सुबह करीब साढ़े 11 बजे बिहार विधानसभा पहुंचेंगे, जहां वे नामांकन भरकर चुनाव संबंधी औपचारिकताएं पूरी करेंगे। सवाल यह उठता है कि क्या यह सब विधानसभा के चुनाव से पहले से ही तय था या बाद में हालात बदले । यह यक्ष प्रश्न ऐसा है कि जैसे कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा जिसका उत्तर आज तक खोजे नहीं मिला है।बताया जाता है कि बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में जीत के साथ ही भारतीय जनता पार्टी के सीएम बनाने की चर्चा थी। भाजपा नहीं बना सकी। उसने कहा कि नीतीश कुमार के नाम पर चुनाव लड़ा, वही बनेंगे। नीतीश की चाहत नहीं थी, फिर भी बने। अनबन अंदर-अंदर चली। नतीजा कि नीतीश कुमार निकल कर महागठबंधन के सीएम बन गए। वहां गए, तो चर्चा निकली कि नीतीश तेजस्वी यादव को कुछ दिन में अपनी कुर्सी दे देंगे। यहां भी असहज हुए तो वापस भाजपा के साथ आ गए। उन्हें दिन-रात धोने वाले भाजपाई फिर नीतीश के पीछे हो गए। फिर राष्ट्रपति चुनाव आया तो नीतीश का नाम उछाला गया। उप राष्ट्रपति चुनाव आया तो नाम उछाला गया। लोकसभा चुनाव में शांति रही, क्योंकि इससे नीतीश भड़क सकते थे। विधानसभा चुनाव में भी उसी तरह का माहौल रहा। अब जैसे ही सबकुछ ठीक हुआ और राज्यसभा चुनाव आया तो उनके राज्यसभा सांसद बनने की बात उछाली गई। क्या यह संभव है? नहीं तो क्यों?

होलिका दहन की शाम से नीतीश कुमार के बेटे निशांत को राज्यसभा भेजने की चर्चा उड़ाई गई। यह शुरुआत थी। जबकि, हकीकत यह है कि अब तक नीतीश की छवि परिवारवादी नहीं रही है। कहा गया कि नीतीश पार्टी की कमान निशांत को देंगे, इसलिए राज्यसभा भेजेंगे। और, अगर बिहार की राजनीति करानी होगी तो विधान परिषद् में उतारेंगे। वह चर्चा होली के दिन थम गई।

नई बात निकली कि नीतीश कुमार अब राज्यसभा जाएंगे। एक सांसद बनकर रिटायर होंगे, क्योंकि वह अपने बेटे को बिहार का उप मुख्यमंत्री बनाने के लिए तैयार हो गए हैं और मुख्यमंत्री की कुर्सी भाजपा के खाते में छोड़ देंगे। लेकिन, सच यह है कि जब-जब इस तरह की बात अंदरूनी राजनीति में उठी है तो नीतीश कुमार की जगह भाजपा को ही नुकसान हुआ है। दबाव की राजनीति से तंग आकर दो बार नीतीश भाजपा का साथ छोड़ महागठबंधन में जा चुके हैं और उसी तरह दोनों ही बार दबाव से ही परेशान होकर भाजपा के साथ आ चुके हैं। जब राष्ट्रपति या उप राष्ट्रपति के लिए उनका नाम उड़ाया गया था तो भी मीडिया ने इसका खंडन किया था। वजह यह थी कि नीतीश केंद्र की राजनीति छोड़ बिहार के विकास के नाम पर यहां आए थे। बीमारी की चर्चाओं और अलग-अलग तरह की गतिविधियों में दिखने के बावजूद बिहार के विकास कार्यों को लेकर सक्रिय दिखते हैं। ऐसे में संन्यास के लिए वह राज्यसभा सांसद बनकर उसी सदन में बैठें, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों- ऐसा संभव नहीं दिखता है। फिर भी चूंकि बार-बार नीतीश कुमार से एग्जिट प्लान मांगने की चर्चा बार-बार उठती रही है, इसलिए ऐसी खबरें निकलती हैं और वही वायरल भी होती हैं।

चाणक्य इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिकल राइट्स एंड रिसर्च के अध्यक्ष सुनील कुमार सिन्हा कहते हैं कि बिहार में कभी होली पर मजाकिया खबरों के साथ अखबार पेज प्रकाशित करते थे। सोशल मीडिया और आधुनिक मीडिया के दौर में यह जिम्मेदारी अखबारों ने अपने कंधे से हटा दी है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री की कुर्सी छीनकर उन्हें राज्यसभा भेजा जा रहा है। इसकी संभावना दिख नहीं रही थी । नीतीश अचरज में डालने वाला काम करते रहे हैं, लेकिन जिस व्यक्ति ने दो बार नरेंद्र मोदी के खिलाफ बिगुल फूंका और फिर पीएम के सामने झुक कर दिखते हुए भी बिहार की राजनीति में अपनी मजबूत स्थिति लेकर रहे हैं- उनके राज्यसभा सांसद बनकर संन्यास लेने की बात स्वीकार करना संभव नहीं दिखता है।चर्चा को हवा देने में नीतीश कुमार के कुछ करीबियों का भी नाम आ रहा है। उसके बाद से सभी प्रमुख नेताओं का मोबाइल संपर्क से बाहर है। कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार ने राज्यसभा चुनाव के लिए भी फॉर्म भी भरा है। चर्चा है कि नीतीश के एक करीबी मंत्री ने किसी को कह दिया कि निशांत और नीतीश ने राज्यसभा फॉर्म भरा है, इसमें से ही किसी पर फैसला होगा। वहीं, दूसरी तरफ होली के दिन मुख्यमंत्री आवास में होलियाना माहौल रहा। बैठकें उस तरह से नहीं हुईं, जैसी इतने बड़े फैसले को लेकर होती है। विधायकों को पटना में नहीं बुलाया गया है।

अब ट्विस्ट सिर्फ नीतीश का जाना नहीं, बल्कि बिहार को मिलने वाला 'पहला' बीजेपी मुख्यमंत्री और नीतीश की विरासत संभालने आ रहे उनके बेटे निशांत कुमार हैं। क्या अगले एक हफ्ते में बिहार में सत्ता का पूरा गणित बदल जाएगा? आइए समझते हैं। राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 9 मार्च है। अगर महागठबंधन ने छठा उम्मीदवार नहीं उतारा, तो एनडीए के सभी पांचों उम्मीदवार निर्विरोध चुन लिए जाएंगे। कयास है कि इसी दिन नीतीश कुमार सीएम पद से इस्तीफा दे सकते हैं। अगर चुनाव हुआ, तो 16 मार्च की रात तक तस्वीर साफ हो जाएगी।

1 मार्च को ही नीतीश कुमार 75 वर्ष के हो गए हैं। हाल के दिनों में उनके स्वास्थ्य को लेकर उठते सवालों और कुछ सार्वजनिक घटनाओं ने राजनीतिक हल्कों में सवाल डाला है। चर्चा है कि चुनाव के समय ही बीजेपी-जेडीयू के बीच 'डील' हुई थी कि नीतीश चुनाव बाद पद छोड़ देंगे। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि नीतीश केंद्र में मंत्री बनते हैं या सिर्फ राज्यसभा सांसद बनकर रहेंगे। अगर नीतीश कुमार राज्यसभा जाते हैं तो सबसे बड़ा सवाल यह होगा कि आखिर बिहार का नया मुख्यमंत्री कौन बनेगा। बिहार में पहली बार बीजेपी का मुख्यमंत्री बनने की राह हमवार होती दिख रही है। रेस में दो नाम सबसे आगे हैं। पहला उपमुख्यमंत्री और प्रदेश की राजनीति के बड़े चेहरे सम्राट चौधरी का, वहीं दूसरा नाम केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय का चल रहा है।राय को अमित शाह का करीबी माना जाता है।इस पूरी कहानी का सबसे रोचक पहलू नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार का राजनीति में प्रवेश है। माना जा रहा है कि अगले एक-दो दिन में वे जेडीयू की सदस्यता लेंगे और उन्हें उपमुख्यमंत्री जैसा बड़ा पद देकर पार्टी की विरासत सौंपी जा सकती है।भले ही बीजेपी सीएम पद के लिए तैयार बैठी हो, लेकिन जेडीयू के भीतर एक धड़ा अभी भी अपने नेता को ही मुख्यमंत्री बनाए रखने के लिए जोर डाल रहा है। एनडीए विधायकों की बैठक में ही इस 'पावर शिफ्ट' पर अंतिम मुहर लगेगी। सूत्रों के अनुसार दो महीने पहले बीजेपी के शीर्ष नेताओं के साथ दिल्ली में बिहार जेडीयू के वरिष्ठ नेताओं और कुछ वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक हुई थी। इसमें ट्रांजिशन के बारे में विस्तार से चर्चा हुई थी। साथ ही टाइम लाइन पर भी बात की गई थी। यह तय हुआ था कि राज्य सभा के चुनाव के समय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सम्मानजनक विदाई दे दी जाए। खुद नीतीश कुमार भी कई बार यह बात बीजेपी नेतृत्व को बता चुके थे कि वे अब लंबे समय तक यह जिम्मेदारी नहीं निभाना चाहते।

तेल के रास्ते पर मंडराता खतरा

पश्चिम एशिया में जिस तरह का अचानक तनाव बढ़ा है, वह एक बार फिर दुनिया की राजनीति और ऊर्जा बाजार को अस्थिर करने के लिए पर्याप्त है। अमेरिका-इजरायल और ईरान समर्थित ताकतों के बीच जिस तरह से टकराव बढ़ा है, उससे लगता नहीं कि यह लड़ाई जल्दी निपट सकेगी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या के बाद क्षेत्र में विरोध और आक्रोश की लहर तेज हुई है। ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह की सक्रियता और अमेरिकी ठिकानों तथा साइप्रस स्थित ब्रिटिश एयरबेस को निशाना बनाए जाने की घटनाओं ने इस आग में घी का काम किया है। इससे यह आशंका प्रबल हो गई है कि यदि समय रहते हालात नहीं संभाले गए तो यह टकराव व्यापक युद्ध का रूप ले सकता है। पश्चिम एशिया की जटिल राजनीति हमेशा से वैश्विक शक्तियों के टकराव का मैदान रही है। अमेरिका की सैन्य मौजूदगी, इजरायल की सुरक्षा चिंताएं, ईरान के क्षेत्रीय सहयोगी और खाड़ी देशों की संतुलन नीति, ये सभी कारक मिलकर इस संघर्ष को और उलझा रहे हैं। इतिहास गवाह है कि इस क्षेत्र में भड़की आग अक्सर लंबे समय तक सुलगती रही है और उसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ता रहा है। इस संकट का सबसे बड़ा असर ऊर्जा बाजार पर पड़ने की आशंका है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है। दुनिया के कच्चे तेल का लगभग एक तिहाई और करीब 20 प्रतिशत गैस इसी मार्ग से गुजरती है। यदि इस रास्ते में व्यवधान आता है तो वैश्विक तेल कीमतों में तेज उछाल आना तय है। भारत के लिए भी यह स्थिति विशेष चिंता का विषय है। भारत अपनी लगभग पचास प्रतिशत कच्चे तेल की जरूरत और करीब 85 प्रतिशत गैस की आपूर्ति इसी मार्ग से प्राप्त करता है। हाल के घटनाक्रम में सामने आया है कि भारत के करीब 38 टैंकर हॉर्मुज के आसपास फंसे हैं। यदि तनाव बढ़ता है या मार्ग असुरक्षित होता है तो ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। तेल की कीमतों में वृद्धि का प्रभाव केवल पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं रहता। इसका असर परिवहन, बिजली उत्पादन, उर्वरक उद्योग और रोजमर्रा की वस्तुओं तक पड़ता है। परिणामस्वरूप महंगाई बढ़ती है और आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। एक और गंभीर पहलू खाड़ी देशों में काम करने वाले लाखों भारतीयों से जुड़ा है। यदि क्षेत्र में युद्ध या अस्थिरता बढ़ती है तो वहां रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा और रोजगार पर भी खतरा मंडरा सकता है। भारत ने अपने नागरिकों को निकालने की तैयारी शुरू कर दी है, लेकिन यदि संघर्ष लंबा खिंचता है तो यह एक बड़ी मानवीय और कूटनीतिक चुनौती बन सकती है। ऐसे कठिन समय में भारत की विदेश नीति की परंपरागत ताकत संतुलन और संवाद है। भारत के अमेरिका, यूरोप और खाड़ी देशों के साथ मजबूत रणनीतिक संबंध हैं, वहीं ईरान के साथ ऊर्जा, चाबहार बंदरगाह और ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंध भी महत्वपूर्ण हैं। इसलिए भारत को सावधानीपूर्वक संतुलन साधते हुए क्षेत्र में शांति और स्थिरता के प्रयासों को समर्थन देना होगा। भारत को संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर युद्धविराम, मानवीय सहायता और कूटनीतिक समाधान की वकालत करनी चाहिए। साथ ही ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों, रणनीतिक तेल भंडार और नवीकरणीय ऊर्जा पर भी तेजी से काम करना होगा।

देशभर में मेट्रो एटीकेट अभियान शुरू करने की जरूरत

स्नेहा सिंह

भारत जब विकसित देश बनने का सपना देख रहा है, तब बुनियादी स्तर पर भी कुछ सुधार करना जरूरी है। सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी करना, कहीं भी कचरा फेंकना, सार्वजनिक जगहों पर झगड़ा करना और यात्रा के दौरान शिष्टाचार का पालन करना जैसे मुद्दे बहुत महत्वपूर्ण हैं। लोगों में थोड़ा सुधार जरूर देखने को मिलता है। कुछ लोग कचरा फेंकने के लिए डस्टबिन खोजते हैं। लेकिन इस समय सबसे बड़ी समस्या ट्रैवल एटीकेट की है। लोग यात्रा के दौरान शिष्टाचार भूल जाते हैं। जब विदेशी लोग हमारे साथ यात्रा करते हैं, तो वे देश की गलत छवि अपने साथ लेकर जाते हैं।

बेंगलुरु में 'मेट्रो एटीकेट' नाम से एक अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें यात्रियों के व्यवहार में सुधार पर जोर दिया जा रहा है। बेंगलुरु का उदाहरण इसलिए दिया जा रहा है, क्योंकि वहां यात्रियों के गलत व्यवहार और नियम तोड़ने के एक लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। पिछले वर्ष यह संख्या 57,538 थी। बेंगलुरु मेट्रो रेल कार्पोरेशन Rail लिमिटेड के लिए कुछ यात्री सिरदर्द बन गए हैं। माना जाता है कि जितनी शिकायतें दर्ज हुई हैं, उससे कहीं अधिक शिकायतें दर्ज ही नहीं हो पाई होंगी।

ट्रैवल एटीकेट में तेज आवाज में म्यूजिक बजाने की शिकायतें बड़ी संख्या में सामने आती हैं। कुछ मामलों में सीनियर सिटीजन, गर्भवती महिलाओं या दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आरक्षित सीटों से भी लोग उठने को तैयार नहीं होते। कई लोग पान या तंबाकू खाकर मेट्रो कोच के कोनों में थूक देते हैं। कुछ लोग बिना वजह धक्का-मुक्की करते हैं। लगातार शिकायतों से परेशान होकर अधिकारियों ने मेट्रो एटीकेट अभियान शुरू किया है। कुछ लोग मोबाइल फोन का स्पीकर आन करके बात करते हैं या गाने सुनते हैं। वे हेडफोन का उपयोग नहीं करते, जिससे आसपास बैठे लोग परेशान होते हैं। जब कोई उन्हें टोकता है तो वे झगड़ा करने लगते हैं। अभियान की शुरुआत में हर कोच में होमगार्ड के दो जवान तैनात किए गए हैं। वे मोबाइल पर जोर-जोर से बात करने वालों और हेडफोन का उपयोग न करने वालों को रोकेंगे और उन्हें समझाएंगे। ट्रेन को साफ रखना, आरक्षित सीट खाली करना और तेज आवाज में बात न करना जैसी बातों के बारे में जागरूकता फैलाई जाएगी। मेट्रो अधिकारियों के इस कदम की सराहना हो रही है। सोशल नेटवर्क पर लोग अधिकारियों से और अधिक सख्ती बरतने की मांग कर रहे हैं और स्टेशनों तथा कोच के अंदर इसकी घोषणाएं करने का सुझाव दे रहे हैं।

इसमें यात्रियों को लाइन में खड़े रहने और महिला यात्रियों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार रखने की सलाह देने की भी बात कही गई है। बेंगलुरु को भारत की सिलिकॉन वैली कहा जाता है। दुनिया भर के लोग यहां नौकरी के लिए आते हैं। कई वैश्विक कंपनियों के कार्यालय बेंगलुरु में हैं। शहर में ट्रैफिक की समस्या बहुत गंभीर होने के कारण लोग मेट्रो का उपयोग अधिक करने लगे हैं। लेकिन ट्रैवल एटीकेट के मामले में यात्री उतने गंभीर नहीं हैं। विदेश से आने वाले लोग एटीकेट को लेकर बहुत सजग रहते हैं। हमारे लोग विदेशों की कई चीजों का अनुकरण करते हैं, लेकिन उनसे शिष्टाचार सीखने की कोशिश नहीं करते। मेट्रो भले ही आधुनिक हो, लेकिन उसमें यात्रा करने वाले लोग खुद को सुधारने के लिए तैयार नहीं हैं। सिर्फ बेंगलुरु ही नहीं, बल्कि यात्रा शिष्टाचार की कमी देश के लगभग हर परिवहन माध्यम में देखने को मिलती है। इसलिए बेंगलुरु में शुरू किए गए इस ट्रैवल एटीकेट अभियान को पूरे देश में लागू करने के बारे में भारत के रेलवे और राज्यों के परिवहन तंत्र को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

तेल, तनाव और विकास दरः 'युद्ध-भय' का भारतीय परिदृश्य

आरके जैन

भारत का 'युद्ध-भय' सिंड्रोम अब किसी मनोवैज्ञानिक शब्दकोश की परिभाषा भर नहीं, बल्कि 21वीं सदी के भारत की आर्थिक नब्ज बन चुका है। जैसे ही पश्चिम एशिया में बारूद सुलगता है, मुंबई के दलाल स्ट्रीट पर घबराहट छा जाती है। मार्च 2026 में ईरान-अमेरिका-इजराइल संघर्ष ने इस आशंका को चरम तक पहुँचा दिया, जब ब्रेंट क्रूड 82 डॉलर के ऊपर निकल गया और होर्मुज स्ट्रेट पर जहाजों की लंबी कतारें दिखने लगीं। वैश्विक एजेंसियों की रिपोर्टों के मुताबिक 4.5 ट्रिलियन डॉलर की भारतीय अर्थव्यवस्था, जो हाल तक नियंत्रित महंगाई और तेज़ वृद्धि का उदाहरण मानी जा रही थी, अचानक बाहरी झटकों से डगमगाने लगी। यह महज आर्थिक उतार-चढ़ाव नहीं; यह सामूहिक मानस का संकट है-निवेशक जोखिम समेटते हैं, रुपया दबाव झेलता है और आम उपभोक्ता को पेट्रोल पंप पर मिलता बिल आने वाले कल की चिंता जता देता है। वैश्वीकरण की चमक के पीछे छिपा यह असुरक्षा हर बार सामने आ जाती है।

इस 'युद्ध-भय' की जड़ें गहरी हैं। 1991 का खाड़ी संकट, जब इराक ने कुवैत पर चढ़ाई की, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को लगभग खाली कर गया और आर्थिक उदारीकरण का द्वार मजबूरी में खुला। 1973 के योम किप्पुर युद्ध ने तेल को हथियार बना दिया था और तब भी भारत ने आयात-निर्भरता की भारी कीमत चुकाई। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान कच्चा तेल 120 डॉलर तक जा पहुँचा, महंगाई 7 प्रतिशत से ऊपर निकली और मौद्रिक सख्ती बढ़ानी पड़ी। हर बार पैटर्न एक-सा रहा-कहीं दूर युद्ध, और यहाँ विकास दर पर प्रहार। इतिहास लगातार चेताता रहा कि ऊर्जा, उर्वरक और आपूर्ति श्रृंखलाओं में अत्यधिक बाहरी निर्भरता हमें असुरक्षित करती है, फिर भी संकट टलते ही हम सामान्यता के भ्रम में लौट आते हैं। यही चूक 'युद्ध-भय' को स्थायी मनःस्थिति में बदल देती है। 2026 का पश्चिम एशियाई संघर्ष इसी पैटर्न का समकालीन रूप है। भारत के लगभग 17 प्रतिशत निर्यात उसी क्षेत्र की ओर जाते हैं और एक करोड़ से अधिक प्रवासी वहाँ से रेमिटेंस भेजते हैं। यदि तनाव लंबा चला, तो तेल 100 डॉलर के पार निकल सकता है, जिससे चालू खाते का घाटा फैलेगा और विकास की गति पर दबाव बढ़ेगा। लॉजिस्टिक्स लागत में उछाल और बीमा प्रीमियम में वृद्धि व्यापारिक मार्जिन को निगल जाती है। वित्तीय बाजारों में जोखिम-प्रतिकूलता बढ़ती है और पूंजी उभरते बाजारों से सुरक्षित ठिकानों की ओर सिमटती है। इस पूरी प्रक्रिया में भारत की 'स्वीट स्पॉट' अर्थव्यवस्था-जहाँ महंगाई काबू में और विकास संतुलित था-अचानक असंतुलन की तरफ झुक जाती है। युद्ध भले सीमाओं से दूर हो, पर ऊर्जा मार्गों और पूंजी प्रवाह के जरिये वह हमारे बजट और जेब पर दस्तक दे देता है। ऊर्जा क्षेत्र इस सिंड्रोम की सबसे नाजुक नस है।

भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है और उसका बड़ा हिस्सा होर्मुज मार्ग से गुजरता है। रणनीतिक भंडार सीमित समय तक ही सहारा दे सकते हैं; लंबा व्यवधान उद्योग, परिवहन और कृषि की लागत बढ़ा देगा। ईंधन महँगा होता है तो ट्रकों का भाड़ा बढ़ता है, कारखानों की लागत चढ़ती है और अंततः किराने की दुकानों पर दाम बढ़ जाते हैं। यही क्रम 'ऊर्जा झटके' को 'मुद्रास्फीति तूफान' में बदल देता है।

विकसित भारत 2047 का स्वप्न सस्ती और स्थिर ऊर्जा पर आधारित है; यदि हर वैश्विक टकराव पर हमारी ऊर्जा सुरक्षा हिलती है, तो यह सपना बार-बार कसौटी पर होगा। विविधीकरण-चाहे नवीकरणीय ऊर्जा हो या नए आपूर्तिकर्ता-अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है। महंगाई और रुपया इस भय के सबसे स्पष्ट संकेतक हैं। तेल में हर 10 डॉलर की बढ़ोतरी चालू खाते के घाटे को उल्लेखनीय रूप से बढ़ा देती है और आयात बिल को फुला देती है। रुपया दबाव झेलता है तो विदेशी ऋण महँगा हो जाता है और कंपनियों की बैलेंस शीट प्रभावित होती है। केंद्रीय बैंक को ब्याज दरों के माध्यम से संतुलन साधना पड़ता है, जिससे कर्ज महँगा और निवेश धीमा पड़ सकता है। अंततः इसका भार आम नागरिक उठाता है-ईंधन, खाद्य और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ते हैं। 'युद्ध-भय' इसलिए भी गहरा है क्योंकि यह अदृश्य कर की तरह काम करता है; बिना किसी घरेलू नीति-चूक के, वैश्विक संघर्ष हमारी क्रय शक्ति को कम कर देता है। पूंजी बाजार इस मनोविज्ञान को सबसे तेजी से प्रतिबिंबित करते हैं।

अनिश्चितता बढ़ते ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेश सिमटता है, इक्विटी सूचकांक गिरते हैं और नई परियोजनाओं के लिए पूंजी जुटाना कठिन हो जाता है। भारत का बाजार आकार भले पाँच ट्रिलियन डॉलर के करीब पहुँच गया हो, पर तेल-आधारित झटके इसे वैश्विक साथियों से पीछे धकेल सकते हैं। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी जोखिम आकलन के नए मानकों पर कसा जाता है। जब वैश्विक फंड प्रबंधक भू-राजनीतिक जोखिम प्रीमियम बढ़ाते हैं, तो उभरती अर्थव्यवस्थाएँ पहले झटका खाती हैं। एक युद्ध की खबर हजारों अंकों की गिरावट में बदल जाती है और विकास कथा पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। यही वह क्षण है जब 'युद्ध-भय' आर्थिक वास्तविकता का रूप ले लेता है।

आखिर हर संकट अपने भीतर समाधान का बीज भी छिपाए रहता है। यह परिदृश्य केवल असहायता का चित्र नहीं, बल्कि तैयारी और परिवर्तन की पुकार है। सरकारें ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण, रणनीतिक भंडार के विस्तार और नवीकरणीय निवेश के माध्यम से जोखिम सीमित करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। कूटनीतिक संतुलन भी अनिवार्य है, ताकि सभी पक्षों के साथ ऊर्जा और व्यापारिक रिश्ते सुरक्षित रह सकें। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से दूरी नहीं, बल्कि लचीले वैश्विक एकीकरण की समझदारी भरी नीति है।

सरकारी कर्मचारी महंगाई भत्ता आंदोलन के मायने

अमित कुमार अम्बष्ट

महंगाई भत्ते को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार के अंतर्गत आने वाले सरकारी कर्मचारियों के एक वर्ग ने 26 फरवरी को सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया, कर्मचारियों की मंशा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास के नजदीक हजरा पार्क पर पहुंच कर घेराव के बाद अपनी मांगों को रखना था लेकिन पुलिस प्रशासन ने उन्हें उक्त पार्क तक पहुंचने ही नहीं दिया. अपने ही कर्मचारियों का ऐसा विरोध और फिर पुलिस प्रशासन का उस आंदोलन के दमन से कर्मचारियों का बड़ा वर्ग पश्चिम बंगाल सरकार से नाराज है. ऐसे में इस आंदोलन के कारण कर्मचारियों एवं पश्चिम बंगाल सरकार, दोनों पक्षों का विश्लेषण जरूरी हो जाता है। ऐसे में यह समझने की जरूरत है कि महंगाई भत्ता क्या है और क्यों महत्वपूर्ण है? पिछले कुछ वर्षों से पश्चिम बंगाल में सरकारी कर्मचारियों और राज्य सरकार के बीच महंगाई भत्ता विवाद क्या है ? , विवाद की जड़ क्या है ? , कर्मचारियों की दलीलें क्या हैं ? सरकार का पक्ष क्या है और इस आंदोलन के मायने क्या हैं?

महंगाई भत्ता मूल वेतन का वह प्रतिशत है जो कर्मचारियों को बढ़ती महंगाई के प्रभाव से बचाने के लिए दिया जाता है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर समय-समय पर इसमें संशोधन किया जाता है। केंद्र सरकार अपने कर्मचारियों के लिए हर छह महीने में महंगाई भत्ते की दर तय करती है, और सामान्यतः राज्य सरकारें भी उसी अनुपात में या उसके आसपास संशोधन करती हैं। महंगाई भत्ता केवल अतिरिक्त आय नहीं है; यह कर्मचारियों की क्रय-शक्ति बनाए रखने का साधन है। जब खाद्य पदार्थों, ईंधन, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की लागत बढ़ती है तो महंगाई भत्ता कर्मचारियों को आर्थिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। इसीलिए जब महंगाई भत्ता में लंबा अंतर या बकाया रह जाता है तो असंतोष स्वाभाविक है। अगर विवाद की बुनियादी पृष्ठभूमि का अवलोकन करें तो पाते हैं कि केंद्र और राज्य के बीच महंगाई भत्ता अंतर विवाद का मुख्य कारण यह है कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों को जो महंगाई भत्ता मिल रहा है, उसकी तुलना में पश्चिम बंगाल के राज्य कर्मचारियों को काफी कम प्रतिशत पर महंगाई भत्ता मिल रहा है। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के पश्चिम बंगाल के कर्मचारियों के महंगाई भत्ता में 40 प्रतिशत का अंतर है। कर्मचारियों का आरोप है कि यह अंतर कई वर्षों से बना हुआ है और राज्य सरकार धीरे-धीरे वृद्धि कर रही है जिससे अंतर पूरी तरह समाप्त नहीं हो पा रहा। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि समान कार्य के लिए समान वेतन और भत्ता मिलना चाहिए। वे तर्क देते हैं कि जब केंद्रीय कर्मचारियों को एक निश्चित दर पर महंगाई भत्ता मिल रहा है तो राज्य कर्मचारियों को भी उसी दर से लाभ मिलना चाहिए। उनका यह भी कहना है कि महंगाई भत्ता कोई 'अनुग्रह' नहीं बल्कि वैधानिक अधिकार है। इसलिए कह सकते हैं कि हालिया रैली में कोलकाता की सड़कों पर हजारों सरकारी कर्मचारियों का जुटना केवल एक सामान्य विरोध नहीं था। इसमें विभिन्न विभागों-शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासनिक सेवाएं, लोक निर्माण, सिंचाई, नगर विकास-के कर्मचारी शामिल थे।

प्रदर्शनकारियों ने बैनर और तख्तियों के साथ स्पष्ट संदेश दियाः "लंबित महंगाई भत्ता तुरंत जारी करो" और "भेदभाव बंद करो।"रैली का स्वर अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण रहा लेकिन नारों और भाषणों में गहरी नाराजगी झलकती रही।

कर्मचारी संगठनों के नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार न्यायालय के निर्देशों के बावजूद भुगतान में देरी कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगें पूरी नहीं हुई तो आंदोलन और व्यापक रूप ले सकता है।

ऐसे में राज्य सरकार का तर्क है कि उसकी वित्तीय स्थिति केंद्र सरकार जैसी सुदृढ़ नहीं है। कर संग्रह, राजस्व घाटा, सामाजिक योजनाओं पर व्यय और ऋण बोझ जैसी चुनौतियाँ राज्य के बजट को प्रभावित करती हैं।

सरकार का कहना है कि वह चरणबद्ध तरीके से महंगाई भत्ता बढ़ा रही है और कर्मचारियों के हितों की अनदेखी नहीं की जा रही। सरकार यह भी संकेत देती रही है कि यदि एकमुश्त बड़े पैमाने पर बकाया महंगाई भत्ता का भुगतान किया जाता है तो विकास परियोजनाओं और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में वित्तीय संतुलन बनाए रखना आवश्यक है हालांकि इस बावत उच्चतम न्यायालय ने अहम फैसला दिया है। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार को 2008 से 2019 तक का बकाया महंगाई भत्ता कर्मचारियों को देने का आदेश दिया है। इसमें यह भी कहा गया कि राज्य सरकार को महंगाई भत्ता की गणना ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (AICPI) के अनुसार करनी चाहिए, जैसा कि नियमों में तय है।

उच्चतम न्यायालय कोर्ट ने एक उच्च-स्तरीय कमेटी भी गठित की है जिसमें पूर्व न्यायाधीशों को शामिल किया गया है। इस कमेटी का काम महंगाई भत्ते के बकाये की गणना और किस्तों में भुगतान की समय-सीमा तय करना है। उच्चतम न्यायालय ने पहली किस्त के रूप में बकाये का 25% हिस्सा 6 मार्च, 2026 तक देने का निर्देश दिया है और बाकी की राशि किस्तों में निर्धारित समय पर देने का प्रावधान रखा है तथा उच्चतम न्यायालय में इस केस की अगली सुनवाई 15 अप्रैल 2026 को होनी है।

चिनाब ब्रिज से अमृत स्टेशनों तक महिलाओं का दबदबा

सुश्री नुसरत एम. मंद्रुपकर

"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः यानि जहाँ स्त्रियों का सम्मान और पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। कहते है कि यदि किसी देश में नारी सशक्त है तो उस देश के विकास की रफ्तार अन्य देशों के मुकाबले कई गुना तेज होती है। इस वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम को देखकर भी यह बात समझ में आती है। थीम है गिव टू गेन जो आपसी लेन-देन और सहयोग पर जोर देता है। जब समाज, सरकारी और निजी संस्थान दिल खोलकर महिलाओं के लिए मौके और सहयोग के अवसर प्रदान करते है।

तो कुछ घटता नहीं है बल्कि हर क्षेत्र में बढ़ोत्तरी ही होती है। क्योंकि जब महिलाएं आगे बढ़ती है तो हम सब आगे बढ़ते है। 2023 में हुए संशोधन के बाद लोकसभा में 15 और राज्य सभा में 13 प्रतिशत महिलाएं है। जो देश के विकास और उन्नति में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर अपना योगदान दे रही है।

देश की सबसे बड़े सरकारी विभाग रेल्वे में अगर देखे तो इंडियन रेल्वे में भी महिलाओं को मजबूत बनाने के कई अवसर प्रदान किए जा रहे है। भारतीय रेल्वे जैसे बड़े संस्थान में यह सिद्धांत सिर्फ प्रतिकात्मक नहीं है बल्कि व्यावहारिक और कार्यात्मक है। यह सोच देश के सबसे बड़े सरकारी महकमे में भारतीय रेल्वे में ऑपरेशन, इंजीनियरिंग, सिग्नल, फाइनेंस, रेल्वे पुलिस बल, रेल्वे स्वास्थ्य सेवाएं, और पब्लिक रिलेशन जैसे कई विभागों में देखने को मिलती है। रेल्वे में प्रत्येक विभाग में हजारों महिलाएं अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक नियुक्त है। रेल्वे के कई विभागों के पदों पर कई सालों से पुरुषों का दबदबा था। जैसे लोको पायलट, स्टेशन डायरेक्टर, इंजीनियरिंग और टैक्निशियन विंग, आरपीएफ कमांड आदि। पिछले दस सालों में विभिन्न पदों पर नियुक्त महिलाओं ने अपनी जिम्मेदारी को भी बखूबी निभाया है। इससे आमजन में भी रेल्वे की कार्यशैली पर विश्वास बढ़ा है। भारत की पहली महिला लोको पायलट सुरेखा यादव की कहानी हर वर्ग की महिला को प्रेरित करती है। सुरेखा यादव जैसी हजारों महिलाएं अब इंडियन रेल्वे को मजबूती प्रदान कर रही है। महिलाएं इतनी सशक्त है कि वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों का संचालन ही नहीं फ्रंट कॉरिडोर और बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्टस को गति प्रदान कर रही है।

वर्तमान परिपेक्ष्य में लैंगिक विविधता नैतिक आवश्यकता नहीं है, बल्कि नवाचार की रणनीति है। विश्व भर में हुए शोध भी यह बताते है कि संस्थानों में मुश्किल हालातों में फैसले लेने में महिलाएं पुरुषों की तुलना में आगे रहती है। इसकी का नतीजा है कि रेल्वे के विभिन्न जोन और डिवीजन में महिला ऑफिसर तेजी से डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन इनिशिएटिव, यात्री सहभागिता कार्यक्रम और शिकायत सुलझाने में आगे है। इसके साथ ही सेफ्टी और भरोसा हासिल करने में भी महिलाएं आगे है। रेल्वे पुलिस बल में महिला कर्मियों की तैनाती, सीसीटीवी और सर्विलांस सिस्टम लगाना, हेल्पलाइन और लैंगिक संवेदनशील शिकायतों का निस्तारण करने में भी आगे है। चिनाब ब्रिज से लेकर मॉडर्न अमृत स्टेशनों तक प्लानिंग, कम्युनिकेशन और एग्जीक्यूशन में महिलाओं का दबदबा है।

(लेखकः विजयवाड़ा मंडल में जनसंपर्क अधिकारी है)

इब्राहिम को सौतेली मां करीना ने कहा- हैपी बर्थडे बिग ब्रो बुआ बोलीं- इस साल तुम्हारे सारे सपने पूरे होते देखूं

पटौदी रियासत के वंशज और एक्टर सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान गुरुवार को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इब्राहिम के जन्मदिन के मौके पर उनके परिवार वालों ने शुभकामनाएं दीं। इब्राहिम की बुआ से लेकर सौतेली मां करीना कपूर तक ने उनके जन्मदिन पर पोस्ट किया है।

इब्राहिम की बड़ी बुआ सबा पटौदी ने इंस्टाग्राम के जरिए जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने एक्टर के बचपन की खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कीं। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'इग्गी (इब्राहिम) तुम वह सुपरहीरो हो, जिसमें मुझे हमेशा विश्वास रहा है। मेरा वो बच्चा जिसे मैंने कभी संभाला था। तुम मेरे लिए सब कुछ हो- भाई, भतीजा और बेटा और पोता भी।

तुम वो चमकता सितारा हो, जो मजबूत और शानदार होगा।'

सबा ने इब्राहिम के लिए कहा- बिल्कुल तुम्हारे दादा, मेरे अब्बा की तरह

सबा ने आगे लिखा, 'तुम्हारी जिंदगी खुशहाल, सफल और नम्र बनी रहे, बिल्कुल तुम्हारे दादा, मेरे अब्बा की तरह, जिनसे तुम बहुत मेल खाते हो। तुम्हारा दिमाग और आकर्षण, मजबूती और हंसी सब उन्हीं की तरह है। जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं, इब्राहिम। तुमसे बहुत प्यार करती हूं।'

सोहा अली खान ने कहा- इस साल तुम्हारे सारे सपने पूरे होते देखूं

इब्राहिम अली खान की छोटी बुआ और एक्ट्रेस सोहा अली खान ने भी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर उनके साथ तस्वीर शेयर की। उन्होंने लिखा, 'इस साल तुम्हारे सारे सपने पूरे होते देखूं। जन्मदिन मुबारक हो।'

करीना ने कहा- हैप्पी बर्थडे, बिग ब्रो

करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम स्टोरी में इब्राहिम की तस्वीर पोस्ट कर लिखा, 'हैप्पी बर्थडे, बिग ब्रो। सबसे सुंदर लड़के इब्राहिम को जन्मदिन की शुभकामनाएं।'

इब्राहिम ने फिल्म 'नादानियां' से एक्टिंग शुरू की

इब्राहिम सैफ अली खान और अमृता सिंह के बेटे हैं। इब्राहिम ने फिल्म 'नादानियां' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। हालांकि, फिल्म में उनकी एक्टिंग को ज्यादा पसंद नहीं किया गया था। कायोज ईरानी द्वारा निर्देशित फिल्म 'सरजमीं' पर नजर आए थे। फिल्म में उन्होंने कर्नल विजय मेनन (पृथ्वीराज सुकुमारन) के बेटे का किरदार निभाया था। फैंस को इस फिल्म में इब्राहिम का काम काफी पसंद आया था।

स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'दिलर' से डेब्यू

वर्कफ्रंट की बात करें तो इब्राहिम अब कुणाल देशमुख द्वारा निर्देशित स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'दिलर' से सिनेमाघरों में डेब्यू करने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि फिल्म के बारे में अभी अधिक जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि खबरों के मुताबिक साउथ की मशहूर एक्ट्रेस श्रीलीला इब्राहिम के साथ लीड रोल में होंगी। दिलचस्प बात यह है कि 'दिलर' की कास्ट और क्रू ने पिछले साल लंदन में अपना पहला शूटिंग शेड्यूल पूरा किया था।

शादीशुदा होने के बाद भी राज कपूर का 7 साल तक चला था नरगिस संग अफेयर

बेइंतहा मोहब्बत के बाद भी शादी से किया था इंकार

राज कपूर बेशक अब दुनिया में नहीं हैं. लेकिन, उनकी एक्टिंग और पर्सनल लाइफ से जुड़े किस्से आज भी याद किए जाते हैं. एक्टर जब 22 साल के थे तभी उनके पिता पृथ्वीराज कपूर ने उनकी शादी कृष्णा मल्होत्रा से करवा दी थी. दोनों की शादीशुदा लाइफ ठीक चल रही थी, तभी राज कपूर की जिंदगी में नरगिस की एंट्री हुई. मालूम हो राज कपूर के बेटे ऋषि कपूर ने खुद अपनी बुक में पिता के अफेयर का जिक्र किया था.

ऋषि कपूर ने किया खुलासा

ऋषि कपूर ने अपनी ऑटोबायोग्राफी में राज कपूर के अफेयर के बारे में जिक्र करते हुए लिखा था, 'वो भी प्यार में थे उस समय, बदकिस्मती से, मेरी मां के अलावा किसी और से. उनकी गर्लफ्रेंड उस समय की उनकी कुछ सबसे बड़ी हिट फिल्मों की लीड एक्ट्रेस थीं, जिनमें आग (1948), बरसात (1949) और आवारा (1951) शामिल है.'

पहली नजर का प्यार

बता दें नरगिस से राजकपूर को पहली नजर में ही प्यार हो गया था. दोनों की पहली मुलाकात अंदाज के सेट पर हुई थी. नरगिस जब राज कपूर से मिली थीं तब वो सुपरस्टार थीं और बेहद खूबसूरत थीं. ऐसे में राजकपूर उनकी खूबसूरती पर फिदा हो गए. सिर्फ राज कपूर ही नहीं बल्कि नरगिस को भी उनसे प्यार हो गया. नरगिस और राज कपूर में बेइंतहा मोहब्बत होने के बाद भी ये रिश्ता शादी तक नहीं पहुंच पाया. क्योंकि, राज कपूर को बेशक नरगिस से प्यार था, लेकिन वो पहले से ही शादीशुदा थे और उनके बच्चे भी थे.

शादी का भी दिलाया था दिलासा

इस सबके बाद भी उन्होंने कई बार नरगिस को शादी करने का दिलासा दिया था. नरगिस के संग राज कपूर करीब 16 सालों तक प्रोफेशनली और पर्सनली दोनों तरह से साथ रहे थे. रिपोर्ट के अनुसार राज कपूर संग नरगिस शादी करना चाहती थी. ये जानते हुए भी कि वो पहले से शादीशुदा हैं.

परिवार या प्यार में से चुना परिवार

कई रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि उन्होंने कुछ वकीलों से सलाह भी ली थी कि क्या पहले से शादीशुदा आदमी संग कैसे भी शादी कर सकते हैं. हालांकि, जब बात नहीं बनी तो दोनों अलग हो गए. उस वक्त राज कपूर ने नरगिस और अपने परिवार में से परिवार को चुना. वहीं, 1959 में नरगिस की मुलाकात सुनील दत्त से हुई. 'मदर इंडिया' के सेट पर लगी आग से सुनील दत्त ने नरगिस को बचाया था. उसके बाद दोनों ने शादी कर ली.

सोनू सूद फिर बने 'रियल लाइफ हीरो' की मिसाल, दुबई में फंसे लोगों की करेंगे मदद; कहा- हमसे संपर्क करें

सोनू सूद अक्सर लोगों की मदद के लिए आगे आते हैं। हाल ही में उन्होंने राजपाल यादव की भी मदद की थी। ये पहले एक्टर थे, जिन्होंने राजपाल की मदद के लिए पहल शुरू की थी और इंडस्ट्री के लोगों को मदद के लिए आगे आने को कहा था। अब पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बीच एक बार फिर सोनू सूद ने इंसानियत की मिसाल दी है।

वीडियो शेयर कर दी जानकारी

गुरुवार को सोनू सूद ने ऐलान किया कि दुबई में फंसे लोगों के लिए वे फ्री में रहने की व्यवस्था कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि जो लोग इस संकट की वजह से दुबई में फंस गए हैं और उनके पास रहने की जगह नहीं है, वे उनसे संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ऐसे लोगों को बिल्कुल मुफ्त ठहरने की सुविधा दी जाएगी।

भारतीय हों या किसी भी दूसरे देश के नागरिक

वीडियो में सोनू ने कहा, 'अगर कोई भी व्यक्ति इस समय के संकट में दुबई में फंसा हुआ है, तो हम बस इतना कहना चाहते हैं कि आपके पास रहने की जगह है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आपको फ्री ऑफ कॉस्ट रहने की सुविधा मिले।'

उन्होंने आगे कहा कि चाहे भारतीय हों या किसी भी दूसरे देश के नागरिक, अगर वे दुबई में फंसे हैं तो उन्हें उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर डायरेक्ट मैसेज करना चाहिए और अपनी जानकारी शेयर करनी चाहिए। बता दें कि 52 साल के सोनू सूद को अक्सर 'रियल लाइफ हीरो' कहा जाता है। कोविड-19 महामारी के दौरान उन्होंने हजारों प्रवासी मजदूरों को घर पहुंचाने, खाना और रहने की व्यवस्था करने में बड़ी मदद की थी।

ऐश्वर्या राय कर रहीं कमबैक, फिर बड़े पर्दे पर छाएंगी?

बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में शुमार ऐश्वर्या राय बच्चन एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर उनकी कुछ तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए हैं, जो उनके एक नए प्रोजेक्ट की शूटिंग की ओर इशारा कर रहे हैं। लंबे समय से बड़े पर्दे से दूर रहीं ऐश्वर्या को सेट पर वापस देख उनके प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं और इंटरनेट पर उनकी सादगी और लुक की जमकर तारीफ हो रही है। ऐश्वर्या राय बच्चन के नए प्रोजेक्ट पर कोई खास अपडेट सामने नहीं आई है, लेकिन उन्हें सेट पर लौटता देख उनके फैंस काफी खुश हैं।

सेट से वायरल हुई तस्वीरें और क्यूट मोमेंट्स

सोशल मीडिया पर ऐश्वर्या राय बच्चन की एक सेल्फी और बिहाइंड-द-सीन्स वीडियो ने धूम मचा दी है। वायरल तस्वीरों में ऐश्वर्या अपने एक बाल कलाकार के साथ बेहद प्यारे पल साझा करती नजर आ रही हैं। पेस्टल ग्रीन रंग के कपड़ों में घुंघराले बालों वाला यह छोटा बच्चा कैमरे के सामने थोड़ा शर्मीला लग रहा था, जबकि ऐश्वर्या सफेद शेड्स और खुले कर्ल बालों वाले लुक में हमेशा की तरह बेहद हसीन दिख रही थीं। एक फैन अकाउंट ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा, 'ऐश्वर्या की एक ऐड के सेट पर नई तस्वीरें हमारी टाइमलाइन को आशीर्वाद दे रही हैं।' हालांकि इस

प्रोजेक्ट की आधिकारिक जानकारी को अभी गुप्त रखा गया है, लेकिन माना जा रहा है कि यह शूटिंग किसी बड़े ब्रांड के विज्ञापन के लिए थी, जिसकी वह ब्रांड एंबेसडर हैं।

तमिल सिनेमा में हालिया सफलता

ऐश्वर्या राय बच्चन को आखिरी बार बड़े पर्दे पर मणिरत्नम की ऐतिहासिक फिल्म 'पोन्नियिन सेलवनः पार्ट 2' (PS-2) में देखा गया था, जो अप्रैल 2023 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में उन्होंने 'नंदिनी' और 'मंदाकिनी देवी' की दोहरी भूमिका निभाकर दर्शकों और समीक्षकों का दिल जीत लिया था। यह फिल्म चोल साम्राज्य के महान शासक राजराजा प्रथम के जीवन और उनके संघर्षों पर आधारित थी। मणिरत्नम के साथ ऐश्वर्या का तालमेल हमेशा से ही सफल रहा है और इस पीरियड ड्रामा ने उनकी वैश्विक लोकप्रियता को एक नए स्तर पर पहुंचाया।

रिया कपूर के जन्मदिन पर करीना कपूर समेत पिता अनिल ने दी शुभकामनाएं

आज अनिल कपूर और सुनीता की बेटी रिया कपूर का 39वां जन्मदिन है। इस खास मौके पर पिता अनिल ने सोशल मीडिया पर अपनी बेटी के साथ कई पुरानी बचपन की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ अनिल ने बेटी रिया के लिए एक इमोशनल नोट भी लिखा है। अनिल के अलावा बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान ने भी रिया को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं।

अनिल ने बताईं रिया की खासियत

अनिल कपूर ने बेटी रिया के जन्मदिन पर इंस्टाग्राम पर कई पुरानी खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं और उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'एक पिता के तौर पर मुझे तुम पर बहुत गर्व है। तुमने हर क्षेत्र में सफलता पाई है, लेकिन तुम्हारी सबसे बड़ी प्राथमिकता हमेशा एक पत्नी, एक बेटी, एक बहन और एक दोस्त बनी रहना रही है। परिवार का ख्याल रखना तुम्हारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। यही संतुलन और यही अच्छा दिल तुम्हें सच में खास बनाता है।'

अनिल ने की रिया के गुणों की तारीफ

अनिल ने आगे लिखा, 'तुमने एक क्रिएटिव ताकत के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई है। शांति और आत्मविश्वास के साथ तुमने फिल्मों और फैशन को नया रूप दिया है। मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि तुम ऐसी औरत बन गई हो, जो परिवार को समय दे सकती है, छुट्टियां मना सकती है, जरूरत पड़ने पर आराम कर सकती है और फिर भी काम में जबरदस्त वापसी कर सकती है। काम सबके साथ चलता है और तुम इसे बहुत आसानी से संभाल लेती हो। तुम हमारे घर को रोशन करती हो, हमारी बातों को और मजेदार बनाती हो और मेरे दिल को खुशियों से भर देती हो। बस ऐसे ही चमकती रहना।

अनिल के अलावा करीना कपूर खान ने भी रिया कपूर को जन्मदिन की शुभकामनाएं

दीं। करीना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर रिया की दो तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में रिया पिज्जा खाती नजर आ रही हैं और दूसरी तस्वीर में वह पोज देती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों के साथ करीना ने रिया को जन्मदिन की शुभकामनाओं के साथ कैप्शन में लिखा, 'खाना देने वाली, शब्द बनाने वाले, स्टाइल बनाने वाली को जन्मदिन की बधाई।'

कौन हैं रिया कपूर

रिया कपूर बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर की छोटी बेटी और सोनम कपूर की बहन हैं। आज रिया अपना 39वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। रिया का जन्म पांच 5 मार्च 1987 में मुंबई में हुआ था। रिया लाइमलाइट से काफी दूर रहती हैं। रिया ने 'आयशा' नाम की फिल्म का निर्माण किया है।

हॉलीवुड में काम करना चाहती हैं ऋचा चड्ढा

पति के काम से खुश होकर कहा- 'मैं अली के नक्शेकदम पर चलना चाहूंगी'

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने साल 2008 में बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी और करीब दो दशकों में उन्होंने अपने अलग और दमदार किरदारों से इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई है। अब 39 साल की ऋचा अपने करियर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की तैयारी कर रही हैं और हॉलीवुड में भी मजबूत पहचान बनाना चाहती हैं।

ऋचा कहती हैं कि वे अपने पति और एक्टर अली फजल के नक्शे-कदम पर चलना चाहती हैं, जिन्होंने हॉलीवुड और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। अली फजल 'फ्यूरियस' 7 (2015), विक्टोरिया एंड अब्दुल (2017), डेथ ऑन द नील (2022) और कंधार (2023) जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं।

ऋचा ने कहा, 'मैं भी अली के रास्ते पर चलना चाहती हूं और वेस्ट में कुछ अच्छा काम करना चाहती हूं। भला कौन ऐसा नहीं चाहता? अली ने जिस तरह भारत और विदेश दोनों जगहों पर काम को संभाला है, वह वाकई कमाल का है।

उन्हें दोनों दुनिया को इतनी खूबसूरती से बैलेंस करते देखना अपने आप में प्रेरणादायक है। अगर मुझे अच्छी स्क्रिप्ट और दमदार किरदार मिलता है तो मैं हॉलीवुड में काम करना जरूर पसंद करूंगी।' हालांकि ऋचा के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स पूरी तरह नए नहीं हैं। वह पहले भी इंडियन-मेक्सिकन-अमेरिकन फिल्म 'वर्ड्स विद गॉड्स' (2014), इंडियन-फ्रेंच को-प्रोडक्शन 'मसान' (2015) और इंडो-अमेरिकन फिल्म 'लव सोनिया' (2018) में काम कर चुकी हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली थी।

गोविंदा ने माना 'डॉल जैसी' नीलम से होने लगा था प्यार 36 साल पहले भी किया था इकरार, तोड़ दी थी सगाई

बॉलीवुड के हरफनमौला 'हीरो नंबर 1' गोविंदा और उनकी निजी जिंदगी के किस्से खत्म होने का नाम नहीं लेते हैं। नब्बे के दशक में सिनेमाई पर्दे पर धूम मचाने वाले गोविंदा लंबे समय से बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाए हैं, लेकिन पिछले कुछ महीनों में वह और उनकी पत्नी लगातार चर्चा में हैं। पत्नी सुनीता ने एक इंटरव्यू में आरोप लगाया कि गोविंदा का अफेयर चल रहा है। एक्टर ने लगे हाथ ऐसे आरोपों को खारिज कर दिया। लेकिन इसी बीच 1980 और 1990 के दशक में एक्ट्रेस नीलम कोठारी के साथ अपने रिलेशनशिप को उन्हें एक नया मोड़ दे दिया है। नीलम और गोविंदा का नाम पहले भी कई बार जुड़ा है। हालांकि, नीलम ने इस पर बीते दिनों दो टूक शब्दों में कह दिया था कि वह दोनों सिर्फ को-स्टार थे। अब गोविंदा ने एक नए इंटरव्यू में नीलम को 'गुड़िया जैसी' बताया है। साथ ही यह भी माना कि वह दोनों 'एक समय बेहद करीब' थे।

एक नए इंटरव्यू में, गोविंदा से जब पूछा गया कि क्या वह नीलम से प्यार करते थे? एक्टर ने माना कि वह एक्ट्रेस के करीब थे और उनकी तरफ अट्रैक्टेड थे।

गोविंदा ने नीलम के बारे में बात करते हुए कहा, 'देखिए हम सब जितने यंगस्टर्स, जो गांव टाइप के होते हैं, उन सबके लिए गोरियां बहुत अच्छी लगती हैं। यह जो ऑपोजिट अट्रैक्शन है ना, यह हुआ करता है। वह अलग थी और बहुत अच्छी लड़की थी। ऐसे लगता था जैसे डॉल है।'

नीलम के साथ काम करने का मौका मिलने से पहले ही मैं उनका फैन था। डॉल टाइप की जो पर्सनैलिटी है, वो उसमें थी और मुझे ऐसा लगा कि... वाह।

नीलम के फैन थे गोविंदा, फिर काम करने का मिला मौका

साल 1986 में गोविंदा और नीलम कोठारी पहली बार 'लव 86' में नजर आए। दोनों ऑन-स्क्रीन सुपरहिट जोड़ी बन गए और इसके बाद 'हत्या', 'सिंदूर', 'खुदगर्ज' जैसी कई बड़ी हिट फिल्में दीं। इंटरव्यू में नीलम के बारे में आगे बात करते हुए गोविंदा ने आग कहा, 'नीलम के साथ काम करने का मौका मिलने से पहले ही मैं उनका फैन था।

डॉल टाइप की जो पर्सनैलिटी है, वो उसमें थी और मुझे ऐसा लगा कि... वाह। मैं इनकी पिक्चर देख रहा था, सीटियां बजा रहा था और मैंने शायद ही सोचा था कि मैं इसके साथ काम करूंगा।'

गोविंदा ने इशारों में माना, दिल में थी भावनाएं

गोविंदा आगे कहते हैं, 'मैंने सोचा... वाह। वह मेरी हीरोइन बन गई और मुझे यकीन नहीं हुआ।' गोविंदा ने आगे नीलम को अपने लिए 'भाग्यशाली' भी कहा। याद दिलाया कि उन्होंने एकसाथ कई हिट फिल्में दी हैं। हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर यह नहीं बताया कि क्या उनका नीलम के साथ कोई रोमांटिक रिश्ता था, या नहीं, पर उन्होंने इशारा किया कि उनके मन में उनके लिए भावनाएं थीं।

उस टाइम पे... अभी ये जैसे अफेयर्स होते हैं, वैसे तो होते नहीं थे। हम बवाल मचाते थे... हो गया, लग रहा है चल रहा है। उन दिनों रोमांस का मतलब बस अपने प्यार को देखना होता था।

गोविंदा ने हंसते हुए कहा, 'उस टाइम पे... अभी ये जैसे अफेयर्स होते हैं, वैसे तो होते नहीं थे। हम बवाल मचाते थे... हो गया, लग रहा है चल रहा है। उन दिनों रोमांस का मतलब बस अपने प्यार को देखना होता था। कितना अच्छा काम कर पाए ना हम लोग। हर फिल्म देखो फिल्म हिट, हर गाने सुपरहिट होते थे।'

36 साल पहले इंटरव्यू में कबूला था नीलम संग रिश्ता

गोविंदा और नीलम के रिश्ते को लेकर यह चर्चा पहली बार नहीं है। नब्बे के दशक से ही इसको लेकर अफवाह और कई तरह के दावे किए जा रहे हैं। एक दावा तो यह भी रहा कि एक समय पर गोविंदा अपनी को-स्टार नीलम के लिए इतने दीवाने हो गए थे कि शादी करने का भी मन बना लिया था। उसी दौर में 'स्टारडस्ट' के साथ 1990 में हुई बातचीत में गोविंदा ने माना था कि वह नीलम से प्यार करते थे, और उन्होंने सुनीता से अपनी सगाई भी तोड़ दी थी, जिनसे उन्होंने बाद में शादी की।

मैंने अपना दिल हार दिया। मैंने सुनीता से मुझे छोड़ने के लिए कहा। मैंने उससे अपनी सगाई तोड़ दी। अगर सुनीता ने मुझे पांच दिन बाद फोन करके फिर से इसके लिए नहीं मनाया होता, तो शायद मैं नीलम से शादी कर लेता।

गोविंदा ने कहा था- मैं नीलम से शादी कर लेता

गोविंदा ने तब इंटरव्यू में कहा था, 'मैं नीलम के साथ रहना चाहता था। हम अक्सर मिलते थे और जितना मैं उन्हें जानता गया, उतना ही मुझे वह पसंद आईं। वह ऐसी औरत थीं जिन पर कोई भी आदमी अपना दिल हार बैठता। मैंने अपना दिल हार दिया। मैंने सुनीता से मुझे छोड़ने के लिए कहा। मैंने उससे अपनी सगाई तोड़ दी। अगर सुनीता ने मुझे पांच दिन बाद फोन करके फिर से इसके लिए नहीं मनाया होता, तो शायद मैं नीलम से शादी कर लेता। मैं उससे शादी करना चाहता था और मुझे नहीं लगता कि इसमें कुछ गलत है।'

बचपन में मेरा मजाक उड़ाया जाता था : सिद्धांत चतुर्वेदी

उत्तर प्रदेश के बलिया में जन्मे सिद्धांत चतुर्वेदी 5 साल की उम्र में अपने परिवार के साथ मुंबई आ गए थे । उनके पिता एक चार्टर्ड अकाऊंटैंट हैं और वह खुद भी सी.ए. की पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन अभिनय के प्रति अपने जुनून के कारण उन्होंने इसे छोड़ दिया। उन्होंने अपनी पढ़ाई मुंबई के मिठीबाई कॉलेज से पूरी की। करियर की शुरुआत वैब सीरीज 'इनसाइड एज' (2017) में एक युवा क्रिकेटर के रूप में करने के बाद उन्हें जोया अख्तर की फिल्म 'गली ब्वॉय' (2019) में रणवीर सिंह के साथ 'एमसी शेर' की भूमिका ने रातों-रात लोकप्रिय बना दिया। इस भूमिका के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। इन दिनों वह अपनी फिल्म 'सेहर' के लिए चर्चा में हैं।

बचपन में मुझे मेरे घुंघराले बालों की वजह से बहुत चिढ़ाया जाता था। लोग मुझे 'मैगी' और ' नूडल्स' कहकर बुलाते थे। मेरी छोटी आंखों और भोजपुरी लहजे का भी मजाक उड़ाया जात था। ऐसी बातें आपके आत्मविश्वास को अंदर तक हिला देती हैं। आप सही जवाब जानते हुए भी बोलने से डरते हैं, खुद के लिए खड़े होने में हिचकिचाते हैं। लेकिन समय के साथ मैंने इन असुरक्षाओं को अपनी ताकत बना लिया। आज मुझे अपने घुंघराले बालों और अपनी जड़ों पर गर्व है। अलग होना ही आपकी खासियत है, जब अलग होना खूबसूरत है तो भीड़ में खोने की क्या जरूरत ? हां, कई बार ऑडिशन के दौरान मुझे कहा गया कि घुंघराले बालों और छोटी आंखों के साथ हीरो बनना मुश्किल है। कुछ लोगों ने तो यह तक कहा कि सिनेमैटोग्राफर छोटी आंखों को पसंद नहीं करते। ऐसी बातें चुभती हैं, लेकिन मैंने तय कर लिया था कि मैं खुद को बदलूंगा नहीं। अगर जगह बनानी है तो अपने असली रूप में बनानी है।

'सेहर' का मतलब है भोर, सुबह की पहली किरण । आज के समय में जहां हिंसा और टॉक्सिक लव स्टोरीज ज्यादा दिखती हैं, यह फिल्म एक नई सुबह जैसी है । यह मीठी, सादगीभरी और उम्मीद से भरी प्रेम कहानी है। हमने इसे एक फ्रैश नजरिए से शूट किया है, जैसे सूरज की पहली किरण उम्मीद लेकर आती है, वैसे ही यह फिल्म दर्शकों को ताजगी और

जाएगी, यह मेरे लिए एक बेहद रोमांचक और सकारात्मकता देगी।

मेरी कोशिश सिर्फ हीरो बनने की नहीं है । मैं चाहता हूं कि मेरा काम समय की कसौटी पर खरा उतरे। 'कल्ट' का दर्जा समय देता है। अगर हमारी फिल्में सिनेमा की टाइमलाइन पर एक गहरा निशान छोड़ सकें, तो वही हमारी असली सफलता होगी।

जल्द ही वी. शांताराम की बायोपिक तैयारी तेज होगी। साल के दूसरे हिस्से में शूटिंग शुरू होगी। जैसे ही फिल्म फ्लोर पर

मेरे साथ भेदभाव हुआ: मोनालिसा

मोनालिसा अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती है। फिलहाल वह रियलिटी शो 'द 50' को लेकर काफी चर्चा में है । इसमें मोनालिसा और उसके पति विक्रांत सिंह समेत 50 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था ।

अब इसमें से कई प्रतियोगी बाहर हो गए हैं, जिसमें मोनालिसा का नाम भी शामिल है। हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू में उसने रियलिटी शो के अपने एक्सपीरियंस शेयर किए हैं। उसने बताया कि शो में भोजपुरी इंडस्ट्री से आने के कारण उसे अपने साथ भेदभाव महसूस हुआ।

मोनालिसा ने कहा, "मेरा सफर बहुत छोटा रहा। जब विक्रांत और मैं शो के लिए चुने गए, तो हमें दूसरे कपल्स के बारे में भी पता चला और हमने सोचा कि हम शो में नए दोस्त बनाएंगे। हालांकि हम समझते हैं कि सभी 50 लोगों के साथ हमारी सोच नहीं मिलेगी, फिर भी मैंने सोचा कि कम से कम कुछ लोगों से दोस्ती कर लूंगी लेकिन वहां जाने के बाद मुझे लगा कि लोग अपनी दोस्ती और झगड़े बाहर से घर में लेकर आए हैं इसलिए मैं वहां घुल-मिल नहीं पाई ।

उसने आगे कहा, मैं भोजपुरी इंडस्ट्री से हूं। मैंने वहां 200 फिल्में की हैं और मैं रीजनल जोन से आती हूं लेकिन पिछले सात सालों से मैं हिन्दी टी.वी. इंडस्ट्री में भी काम कर रही हूं। फिर भी मुझे समझ नहीं आया कि मुझे क्यों साइडलाइन किया जा रहा था । मैंने भेदभाव महसूस किया और बस यही सोचती रही ऐसा क्यों हो रहा है।

"शुरुआती दिनों में जब टीमें बनती थीं, तो 10 टी.वी. और रियलिटी शो के कलाकार होते थे, बाकी 10 इन्फ्लुएंसर होते थे। हमें खेलने का कोई मौका ही नहीं मिलता था । हम कैसे अपनी जगह बना सकते थे? उनकी जोड़ियां पहले से ही मजबूत थीं इसलिए हमें शो में अपनी जगह बनाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा । आखिरकार, विक्रांत को मौका मिला, वह भी रजत दलाल और अदनान शेख काफी विरोध के बाद। जब उसने खुद को साबित कर दिया, तब जाकर उसे थोड़ी अहमियत दी जाने लगी।

अमिताभ बच्चन के साथ की गई इस फिल्म को रामगोपाल वर्मा ने बताया खराब, बोले- 'सबसे ज्यादा समय और पैसा लगा'

रामगोपाल वर्मा के नाम सत्या', 'कंपनी', 'रंगीला' या 'भूत' जैसी हिट फिल्में हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अपनी हिट फिल्मों को एक एक्सीडेंट बताया। साथ ही अपनी सबसे खराब फिल्मों का भी जिक्र किया। खासकर अमिताभ बच्चन जिस फिल्म में अहम किरदार में नजर आए, उसे लेकर रामगोपाल वर्मा ने खरी-खरी बात की।

इस फिल्म को मानते हैं सबसे खराब

हाल ही में विकी लालवानी के यूट्यूब चैनल पर राम गोपाल वर्मा ने करियर को लेकर लंबी बातचीत की। कई मुद्दों पर खुलकर राय रखी। रामगोपाल वर्मा ने अपनी सबसे खराब फिल्मों का जिक्र किया। वह कहते हैं, 'मेरी अब तक की सबसे खराब फिल्म 'राम गोपाल वर्मा की आग' है। उसके बाद 'डिपार्टमेंट' है। दोनों ही फिल्मों ने मेरे करियर का सबसे ज्यादा समय और पैसा लिया।' बता दें कि 'राम गोपाल वर्मा की आग' में अमिताभ बच्चन, मोहनलाल, अजय देवगन जैसे चर्चित एक्टर्स नजर आए थे। यह फिल्म 'शोले' का एडेप्टेशन थी।

अपनी हिट फिल्मों को लेकर दी अलग राय

अपने इंटरव्यू में रामगोपाल वर्मा ने कहा, 'मेरी सभी हिट फिल्में एक्सीडेंट हैं। अगर मुझे पता होता कि 'सत्या', 'कंपनी', 'रंगीला' या 'भूत' को असल में क्या कामयाब बनाता है, तो मैं ऐसी फिल्म क्यों बनाता जो कामयाब न हो?' इस तरह कहीं ना कहीं एक फिल्ममेकर होने के नाते रामगोपाल वर्मा को भी सफल फिल्मों का फॉर्मूला नहीं पता है।

रामगोपाल वर्मा की अपकमिंग फिल्म कौन सी है?

रामगोपाल वर्मा जल्द ही एक नई फिल्म दर्शकों के लिए लेकर आएंगे। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी मुख्य भूमिका निभाएंगे। फिल्म एक हॉरर-कॉमेडी होगी। इस फिल्म का नाम 'पुलिस स्टेशन में भूत' है। रामगोपाल वर्मा और मनोज बाजपेयी वर्षों बाद इस फिल्म के जरिए फिर से साथ काम कर रहे हैं।

कभी शॉर्टकट पर भरोसा नहीं किया : 'मानुषी छिल्लर'

मुझे बहुत चीजें करने का शौक है। मैं एक चीज करके बहुत जल्दी बोर हो जाती हूं। मैं खुद को एक चीज में सीमित करके नहीं रख सकती।

मिस वर्ल्ड 2017 और मिस इंडिया 2017 का खिताब अपने नाम कर चुकी मानुषी छिल्लर बॉलीवुड का जाना-पहचाना नाम बन चुकी है। उसने कई बड़ी फिल्मों में काम किया, जिसमें अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की 'बड़े मियां छोटे मियां' से लेकर राजकुमार राव की 'मालिक' का नाम शामिल है। इसके अलावा वह साऊथ की फिल्म 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' में भी अहम किरदार निभाती हुई नजर आ चुकी है जिसे काफी सराहा गया।

हाल ही में फिटनैस को लेकर अपना नजरिया शेयर करते हुए उसने कहा कि अब वह वजन मापने वाली मशीन को फिटनेस का पैमाना नहीं मानती । उसने कहा कि वह पहले से ज्यादा भारी, लेकिन ज्यादा मजबूत है। मानुषी ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस के लिए एक 'आस्क मी एनीथिंग' (कुछ भी पूछो) सैशन रखा था, जहां एक यूजर ने उससे पूछा कि वह अपना वजन कैसे मैनेज करती है ।

मानुषी ने बताया कि नंबर उसके फिट होने के आइडिया को डिफाइन नहीं करते। उसने जवाब दिया, "मैं असल में अपने वजन को फिटनैस के पैरामीटर के तौर पर नहीं मापती। मैं असल में पहले से ज्यादा भारी हूं, लेकिन मैं ज्यादा मजबूत भी हूं, इसलिए मुझे लगता है कि मेरे अब ज्यादा मसल्स हैं।

उसने खुद को सुबह समय से उठने वाली इंसान भी बताया, हालांकि उसके पेशे ने उसके लिए इस आदत को बनाए रखना कठिन कर दिया है। उसने कहा, मैं 100 प्रतिशत सुबह उठने वाली इंसान हूं लेकिन मेरे काम ने मुझे रात का उल्लू बना दिया है।

मानुषी ने उस यूजर को भी जवाब दिया जिसने पूछा था कि क्या वह मुंबई में अकेली रहती है। उसने कहा, "मैं असल अकेली नहीं रहती । जब मैं बॉम्बे आई, तो मैंने अपने परिवार को भी अपने साथ ले लिया । तो हम एक बड़ा खुशहाल घर हैं ।

अपनी फिटनेस के बारे में बात करते हुए, मानुषी ने कहा कि उसने 3 साल पहले एक फिल्म के लिए बॉक्सिंग और मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग शुरू की थी ।

उसने कहा, 3 साल पहले एक फिल्म के लिए मैंने बॉक्सिंग और मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स शुरू की थी, लेकिन आज यह मेरे पसंदीदा वर्कआऊट्स में से एक है, जब भी मुझे समय मिलता है, मैं इसे करती हूं।

हालिया फिल्में

प्रोफैशनल फ्रंट पर मानुषी गत दिनों फिल्म 'मालिक' में नजर आई जो एक टफ गैंगस्टर ड्रामा थी । इसमें उसके साथ राजकुमार राव था । वह जॉन अब्राहम - स्टारर फिल्म 'तेहरान ' में भी नजर आई थी जो सच्ची घटनाओं पर आधारित एक दिलचस्प जियोपॉलिटिकल थ्रिलर थी ।

बताई सफलता की परिभाषा

एक इंटरव्यू में मानुषी ने सफलता की परिभाषा बताई । उसने नई पीढ़ी यानी 'जैन जी' को सलाह देते हुए कहा , मुझे बहुत चीजें करने का शौक है। मैं एक चीज करके बहुत जल्दी बोर हो जाती हूं। मैं खुद को एक चीज में सीमित करके नहीं रख सकती। अगर आज मैं कल से थोड़ी बेहतर हूं, तो मेरे लिए यही काफी है ।

'पीजैंट गर्ल' या नी मिस इंडिया , मिस वर्ल्ड , मिस यूनिवर्स जैसी सौंदर्य प्रतियोगिता की विजेताओं पर बात करते हुए मानुषी ने कहा, बॉलीवुड इन्हें क्यों हमेशा कास्ट करता है । हमें ऑफर आता है फिल्मों से... जब कोई पीजैंट में होता है तो यह एक ऐसा प्लैटफॉर्म होता है जिस पर सबकी नजर होती है। बॉलीवुड को भी इनमें दिलचस्पी होती है तो अगर किसी को मौका मिले तो उसे आजमाने में क्या बुराई है । तारीफ 'जैंडर न्यूट्रल' (लिंग पर आधारित न हो) होनी चाहिए। महिलाओं को हमेशा सुंदरता और लुक्स पर तारीफें मिलती हैं पर कोई

दिमाग या सोच-विचार पर किसी महिला की तारीफ नहीं करता ।

जब उससे पूछा गया कि डॉक्टरी की पढ़ाई, मिस वर्ल्ड और फिर बॉलीवुड तक का सफर कैसा रहा तो उसने कहा, मैं हमेशा यही मानती हूं कि जिंदगी अपने आप परफैक्ट नहीं बनती, उसे खुद परफैक्ट बनाना पड़ता है। मेरे करियर का सफर अब तक काफी अच्छा रहा है। इस दौरान बीते कुछ सालों में मुझे कई नई चीजें सीखने का मौका मिला। मैंने अलग- अलग इंडस्ट्रीज को एक्सप्लोर किया, जिससे काम को समझने का नया नजरिया मिला और एक इंसान के तौर पर मैं काफी विकसित हुई हूं।

क्या फिल्मों में एंट्री लेना मुश्किल होता है और उसके लिए यह सफर कैसा रहा, पर उसने कहा, "बड़े बैनर से डेब्यू करने के बावजूद फिल्मों में टिके रहना ही सबसे बड़ी चुनौती होती है। सिर्फ कैमरे के सामने खूबसूरत दिखना काफी नहीं है ।

एक्टिंग एक क्राफ्ट है, जिसे रोज सीखना पड़ता है । मैं खुद को आज भी एक स्टूडैंट मानती हूं और मैंने कभी शॉर्टकट पर भरोसा नहीं किया । मिस वर्ल्ड बनने के बाद लोगों को लगता है कि रास्ते अपने आप आसान हो जाते हैं, लेकिन हकीकत इसके बिल्कुल उलट होती है ।

ताज पहनना एक पल की खुशी है, लेकिन उसके बाद खुद को रोज साबित करना पड़ता है। लोग आपको एक फ्रेम में देखना चाहते हैं, उस फ्रेम से बाहर निकलना सबसे मुश्किल होता है।'

झूठा और धोखेबाज है वह : अमीषा पटेल

अमीषा पटेल उस समय अचानक सुर्खियों में आ गई जब मुरादाबाद अदालत द्वारा 2017 के एक कार्यक्रम से जुड़े विवाद के संबंध में उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया गया। हालांकि, अमीषा ने खुद इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए इसको पुराना बताया है जिसका निपटारा भी हो चुका है। साथ ही उसने झूठे आरोपों पर कानूनी कार्रवाई करने की भी बात कही है। एक बयान जारी करते हुए अमीषा ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है।

इसमें अमीषा की ओर से लिखा गया, मीडिया रिपोर्टों में पवन वर्मा द्वारा मुरादाबाद में कुछ कार्रवाई किए जाने का जिक्र है । मैं सभी को सूचित करना चाहती हूं कि यह 15 साल पुराना मामला है, जिसमें पवन वर्मा ने समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए थे और पूरी तय राशि प्राप्त कर ली थी। इसके बावजूद ऐसा लगता है कि उन्होंने झूठे आरोप लगाकर कार्रवाई शुरू की है।

"मेरे वकील इस व्यक्ति के झूठ और धोखे को उजागर करने के लिए उसके खिलाफ धोखाधड़ी की उचित आपराधिक कार्रवाई शुरू कर रहे हैं जबकि मैं अपने काम पर ध्यान देना चाहती हूं और उन लोगों को नजरअंदाज करना चाहती हूं, जो झूठे बहाने से ध्यान आकर्षित करने के लिए तमाशा खड़ा करते हैं ।

सुनवाई में नहीं पहुंचने पर जारी हुआ गैर-जमानती वारंट

यह घटनाक्रम मुरादाबाद एसीजेएम- 5 अदालत की निर्धारित सुनवाई में अमीषा के अनुपस्थित रहने के कारण उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने के बाद सामने आया है। उसे अब 27 मार्च को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया है ।यह है पूरा मामला मामला करीब एक दशक पुराना है, जब 2017 में मुरादाबाद के इवेंट मैनेजर पवन वर्मा ने अमीषा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी । शिकायत में कहा गया कि अमीषा ने शहर में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए 11 लाख रुपए लिए थे। हालांकि, पैसे लेने के बावजूद वह समारोह में नहीं पहुंची। तब उस पर केस किया गया था।

तेल की कीमत बढ़ने और विदेशी पूंजी के जाने से बाजार होगा प्रभावित

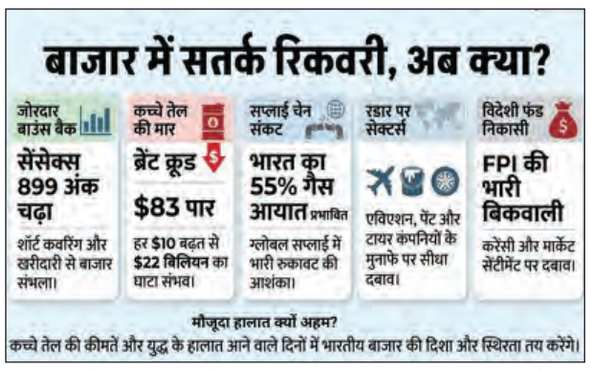

मुंबई, 5 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजरायल-ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष की वजह से बाजार बुधवार को बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए थे, लेकिन गुरुवार भारतीय शेयर बाजार में जोरदार खरीदारी देखने को मिली, जिसका मुख्य कारण बाजार में हाल ही में हुई गिरावट के बाद शॉर्ट कवरिंग रही है, जिसके बाद उछाल आया है। बाजार में ऐसी खबरें आ रही हैं कि ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम छोड़ने पर सहमत हो गया है और वह अमेरिका को सशर्त प्रस्ताव दिए हैं। लेकिन जानकारों का कहना है, अभी कुछ भी कहा नहीं जा सकता है। परिस्थितियां काफी अनिश्चित बनी हुईं है, इसलिए कुछ भी कहना अभी जल्दबाजी होगी। जानकारों का कहना है, आगामी दिनों में बाजार सतर्क होकर एक तय रेंज में कारोबार करेंगे, जब तक कि मैक्रो इकोनोमिक सिग्नल या भू-राजनीतिक तनाव में कोई कमी नहीं आती।

उधर, निचले स्तरों पर मूल्य-खरीदारी और व्यापक बाजार में सुधार के बीच, तेल विपणन कंपनियों के शेयरों में दो दिनों की गिरावट के बाद गुरुवार को उछाल आया। बीएसई पर हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के शेयर में 4.19 प्रतिशत की उछाल आई, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के शेयर में 1.19 प्रतिशत की वृद्धि हुई और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के शेयर में 0.59 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

पश्चिम एशिया में गहराते संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बीच बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेल विपणन कंपनियों के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। चार दिनों की लगातार गिरावट के बाद, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 899.71 अंक या 1.14 प्रतिशत बढ़कर 80,015.90 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, इसमें 1,187.64 अंक या 1.50 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 80,303.83 पर पहुंच गया।

50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 285.40 अंक या 1.17 प्रतिशत चढ़कर 24,765.90 पर बंद हुआ, जिससे लगातार तीन दिनों से जारी गिरावट का सिलसिला समाप्त हो गया। वैश्विक बाज़ारों में सुधार और चुनिंदा बड़े शेयरों में खरीदारी के चलते गुरुवार को बाज़ारों में उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बीच तेज़ी आई और एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ कारोबार समाप्त हुआ। एशियाई बाज़ारों में मज़बूती और बड़े शेयरों में खरीदारी ने हाल के सत्रों में आई भारी गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाज़ारों को ऊपर उठाने में मदद की, रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अनुसंधान, अजीत मिश्रा ने कहा।

हालांकि, उन्होंने आगे कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं का बने रहना प्रतिभागियों को सतर्क रहने के लिए मजबूर कर रहा है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.19 प्रतिशत बढ़कर 83.18 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया।

कोटक सिक्योरिटीज के वीपी फंडामेंटल सुमित पोखरना ने अमर उजाला को बताया कि, भारत वैश्विक बाजारों से जुड़ा हुआ है, इसलिए किसी भी भू-राजनीतिक अनिश्चितता का असर भारत और भारतीय बाजारों पर पड़ेगा। मार्च के महीने में बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ गए हैं, क्योंकि एशिया में युद्ध बढ़ने से भू-राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ी है और रिस्क ऑफ बायस शुरू (पूर्वाग्रह का जोखिम) हो गया है। वे कहते हैं, भारत के लिए यह युद्ध मुख्य रूप से तेल की कीमतों और विदेशी कैपिटल आउटफ्लो का है, जो बाजार पर सीधा असर डालेगा।

एसडीएम ऑफिस में घुसने के प्रयास में धक्का-मुक्की

एसडीएम को महिलाओं ने दिलाई सौगंध, चारागाह बचाने भेड़-बकरियां लेकर प्रदर्शन

दौसा, 5 मार्च (एजेंसियां)। दौसा जिले के महवा क्षेत्र के कुतकपुर गांव में चारागाह भूमि पर 220 केवी जीएसएस बनाने के विरोध में ग्रामीण पिछले 168 दिनों से धरने पर बैठे हैं। गुरुवार को ग्रामीण गोवंश और भेड़-बकरियों के साथ पैदल कूच कर एसडीएम कार्यालय का घेराव किया। जहां लोगों की पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई।

दरअसल, पैदल कूच हिण्डौन रोड स्थित चामुंडा माता मंदिर से शुरू हुआ। बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे। जहां लोगों ने एसडीएम मनीषा रेशम को ज्ञापन दिया।

पूर्व जिला प्रमुख अजीत सिंह ने अल्टीमेटम दिया कि एक माह में आवंटन निरस्त नहीं हुआ तो विधायक जनसुनवाई केन्द्र के सामने धरना दिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर रैली के कारण महवा-हिंडौन स्टेट हाईवे पर जाम लगा रहा, जहां पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्ट किया। डिप्टी एसपी मनोहरलाल, थाना प्रभारी राजेन्द्र, संतचरण समेत पुलिस जाप्ता तैनात रहा।

बीजेपी-कांग्रेस उम्मीदवारों ने राज्यसभा के लिए किया नामांकन

सीएम के साथ गाड़ी में बैठकर पहुंचीं लक्ष्मी वर्मा, विक्ट्री फैक्टर

रायपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ राज्यसभा चुनाव के लिए बीजेपी उम्मीदवार लक्ष्मी वर्मा ने नामांकन दाखिल कर दिया है। कांग्रेस प्रत्याशी फूलो देवी नेताम ने भी अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने के लिए लक्ष्मी वर्मा, सीएम विष्णुदेव साय और प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव के साथ एक ही गाड़ी पर बैठकर विधानसभा पहुंचीं। इस दौरान बीजेपी के कई सीनियर नेता मौजूद थे।

नामांकन करने से पहले लक्ष्मी वर्मा कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय पहुंचीं। यहां उन्होंने बीजेपी के सीनियर नेताओं की प्रतिमा में माल्यार्पण कर पुष्पांजलि दी। इसके बाद वह बीजेपी के प्रदेश कार्यालय से विधानसभा भवन के लिए रवाना हुईं। जहां उन्होंने राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया। सीएम विष्णुदेव साय समेत करीब 28 से ज्यादा विधायकों ने प्रस्तावक के तौर पर साइन किए।

कांग्रेस उम्मीदवार फूलो देवी नेताम ने भी विधानसभा पहुंचकर नामांकन दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने से पहले फूलो देवी नेताम ने कांग्रेस के सीनियर नेताओं से मुलाकात की। पूर्व सीएम भूपेश बघेल फूलो देवी नेताम से मुलाकात करने पहुंचीं। वहीं, फूलो देवी नेताम ने नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत से उनके आवास पर मुलाकात की।

कांग्रेस की सीनियर लीडर फूलो देवी नेताम को कांग्रेस को 2020 में राज्यसभा भेजा था। उनका कार्यकाल 9 अप्रैल को पूरा हो रहा है। कांग्रेस ने उन्हें फिर से राज्यसभा का टिकट दिया है। फूलो देवी नेताम की गिनती बस्तर के बड़े आदिवासी नेता में होती है। वह कोंडागांव जिले की रहने वाली हैं।

छत्तीसगढ़ में राज्यसभा की दो सीटों पर चुनाव हो रहे हैं। फूलो देवी नेताम और केटीएस तुलसी का कार्यकाल पूरा हो रहा है। दोनों कांग्रेस के नेता हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा था जिसका असर राज्यसभा में भी दिखाई दे रहा है। इस बार कांग्रेस को एक सीट का नुकसान जबकि बीजेपी को एक सीट का फायदा हो रहा है।

छत्तीसगढ़ में दो सीटों पर राज्यसभा के चुनाव हो रहे हैं। किसी भी उम्मीदवार को एक सीट जीतने के लिए कम से कम 31 विधायकों के प्रथम वरीयता मत चाहिए। 90 विधानसभा सीटों वाले छत्तीसगढ़ में बीजेपी के बीजेपी के पास 54 सीटें हैं जबकि कांग्रेस के पास 34 सीटें हैं।

नाबालिग का सिर कुचला खून पीकर भेजा खाया

हथौड़े से 15-20 वार किए, बहन के घर जा रहा था, भाई ने मांस खाते देखा

दमोह, 5 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में एक शख्स ने हथौड़े से सिर कुचलकर नाबालिग को मार डाला। नाबालिग के सिर से भेजा निकालकर खाया, फिर खून पिया। खून अपने चेहरे पर भी लगाया। खून पीने और मांस खाने का वीडियो भी सामने आया है। वारदात देहात थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान 16 वर्षीय भरत विश्वकर्मा के रूप में हुई है, जो इमलिया चौकी क्षेत्र के अर्थखेड़ा गांव का रहने वाला था। वह भाई दूज पर अपनी बहन के पास समन्ना गांव आया था। बहन के घर पहुंचने से पहले वारदात हो गई। मृतक के चचेरे भाई विजय विश्वकर्मा ने बताया कि रास्ते में गांव के ही रहने वाले गुड्डा पटेल ने अचानक उन पर हमला कर दिया।

आरोपी ने भरत के सिर पर रॉड से हमला किया। इसके बाद करीब 15-20 बार हथौड़े से वार किया। गंभीर चोट लगने के कारण भरत की मौके पर ही मौत हो गई।

इस दौरान साथ में मौजूद चचेरा भाई विजय विश्वकर्मा किसी तरह बच गया। उसने बताया कि आरोपी ने मेरे सामने भाई का मांस खाया। वह नरभक्षी की तरह बर्ताव कर रहा था। गांव वाले उसकी क्रूरता से डर गए थे। भाई ने मेरे सामने दम तोड़ दिया। वह उसे बचा नहीं पाया।

खाड़ी युद्ध से गिरिडीह के परिवारों में बढ़ी चिंता

आबूधाबी-दुबई में कार्यरत दो भाइयों की सुरक्षा पर सरकार से मदद की अपील

गिरिडीह, 5 मार्च (एजेंसियां)। खाड़ी देशों में जारी युद्ध और लगातार बमबारी की खबरों ने गिरिडीह के कई परिवारों की चिंता बढ़ा दी है। जिले के विभिन्न प्रखंडों के ऐसे परिवार, जिनके सदस्य रोजगार के लिए खाड़ी देशों में रह रहे हैं, इन दिनों अपने परिजनों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। युद्ध से जुड़ी खबरें टीवी और सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आने के बाद यह चिंता और बढ़ गई है।

गिरिडीह शहर के वार्ड नंबर 16 स्थित आजाद नगर निवासी सन्नी और शम्मी भी उन भारतीयों में शामिल हैं, जो पिछले कुछ वर्षों से खाड़ी देशों में कार्यरत हैं।

सन्नी आबूधाबी में एक कंपनी में अकाउंट से संबंधित कार्य करते हैं, जबकि उनके छोटे भाई शम्मी दुबई के एक बैंक में कार्यरत हैं। मौजूदा युद्ध की स्थिति ने उनके परिवार की चिंता बढ़ा दी है।

दोनों भाइयों के पिता अंसार अहमद ने बताया कि युद्ध की खबरें सामने आने के बाद से परिवार में चिंता का माहौल है। उन्होंने कहा कि परिजन दिनभर टीवी और मोबाइल पर खबरें देखते रहते हैं और बेटों की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं। वे लगातार फोन के माध्यम से अपने बेटों से संपर्क में हैं।

अंसार अहमद ने केवल अपने बेटों के लिए ही नहीं, बल्कि खाड़ी देशों में कार्यरत सभी भारतीयों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना की। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से अपील की है कि यदि स्थिति और गंभीर होती है, तो वहां रह रहे भारतीयों को सुरक्षित वापस लाने की व्यवस्था की जाए।

उन्होंने सरकार से देश में ही युवाओं के लिए बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की भी मांग की, ताकि उन्हें विदेश जाने की आवश्यकता न पड़े। अंसार अहमद ने बताया कि वे अपने

बच्चों को विदेश नहीं भेजना चाहते थे, लेकिन शिक्षा ऋण और पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते उन्हें बाहर काम करने जाना पड़ा।

वहीं, दोनों भाइयों की मां सलेहा परवीन ने कहा कि युद्ध और बमबारी की खबरें सुनकर काफी डर लगता है। उन्होंने बताया कि एक मां होने के नाते हर समय मन में चिंता बनी रहती है, लेकिन उन्हें अपने बेटों पर और वहां की व्यवस्था पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि उन्हें यूएई की व्यवस्था और देश की नरेंद्र मोदी सरकार पर पूरा विश्वास है कि अगर कोई संकट की स्थिति आती है तो भारतीयों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

परिजनों ने कहा कि वे अपने बेटों से संपर्क में हैं और फिलहाल दोनों सुरक्षित हैं, लेकिन युद्ध की खबरों के बीच परिवार के लोगों की चिंता कम होने का नाम नहीं ले रही है।

भाजपा की 2024-25 में इनकम 6769.14 करोड़ रही

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने वित्तीय साल 2024-25 के लिए राष्ट्रीय पार्टियों की इनकम जारी की। रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी की कुल आय 6,769.15 करोड़ है। 6 राष्ट्रीय पार्टियों की आय का 85% हिस्सा अकेले भाजपा के पास है। बीजेपी की इनकम पिछले साल के मुकाबले 55.95% और कांग्रेस से करीब 7 गुना ज्यादा है। देश के 6 प्रमुख राष्ट्रीय दलों भाजपा, कांग्रेस, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई-एम), आम आदमी पार्टी (एएपी), बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीईपी) की कुल आय 7,960 करोड़ रुपए दर्ज की गई। वहीं पिछले साल की तुलना में राष्ट्रीय दलों की कुल आय में 41.35% की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, कांग्रेस की आय 2023-24 में 1,230.73 करोड़ थी, जो 2024-25 में घटकर 918.29 करोड़ रह गई। यह पिछले साल से करीब 25.39% कम है। एएपी की कमाई में 73.20% की बढ़ोतरी हुई है, जबकि बीएसपी और सीपीआई-एम की आय में ज्यादा अंतर नहीं है।

रिपोर्ट के मुताबिक राजनीतिक दलों के पास आने वाले पैसे का मुख्य स्रोत चंदा है। राष्ट्रीय पार्टियों की कुल आय का 85% से ज्यादा यानी लगभग 6,772.53 करोड़, लोगों और संगठनों से मिले स्वैच्छिक चंदे से आया। इनमें भारतीय जनता पार्टी ने अपनी कुल आय का लगभग 90.48% हिस्सा चंदे से जुटाया। दूसरी ओर, कांग्रेस ने चंदे के अलावा कूपन बेचकर भी अच्छी कमाई की, जिससे पार्टी को करीब 350.05 करोड़ मिले। वहीं, बसपा ने अपनी रिपोर्ट में चंदे से कोई आय नहीं दिखाई। पार्टी की पूरी कमाई बैंक ब्याज और अन्य निवेशों से होने की बात कही गई है।

बेंगलुरु में सॉफ्टेयर इंजीनियर महिला ने सुसाइड किया

बेंगलुरु, 5 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरु में महिला ने सास से झगड़ा होने पर सुसाइड कर लिया। घटना 4 मार्च को नॉर्थ बेंगलुरु के इलाके में हुई। पुलिस ने बताया कि 35 साल की मृतक महिला सुषमा आईटी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर थी।

सुषमा की 5 साल पहले पुनीत कुमार से शादी हुई थी, दोनों का 4 साल का बेटा भी है। पुलिस ने बताया कि सुषमा और उसकी सास के बीच अक्सर खाना बनाने को लेकर झगड़ा होता था। पारिवारिक झगड़ों के कारण सुषमा तनाव में रहती थी।

बुधवार को सुषमा ने अपने घर में फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सुषमा के परिवारवालों ने सुसराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कराया है। इसके बाद उसके पति पुनीत को गिरफ्तार किया गया है।

सुषमा के पिता प्रभाकरमूर्ति ने बेटी के सुसरालपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि बेटी से हर रोज झगड़ा किया जाता था। यह एक दिन का मामला नहीं था। बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था।

उन्होंने कहा कि जब सुषमा की शादी हुई थी। तब हमने दहेज में 10 लाख कैश और गोल्ड दिया था। बेटी पहले नौकरी करती थी, शादी के बाद उसने जॉब छोड़ी थी। उसने एक कार भी खरीदी थी। पुलिस ने कहा कि बेंगलुरु में एक ही हफ्ते के भीतर यह किसी टेक प्रोफेशनल की आत्महत्या का दूसरा मामला है।

देश मे दहेज के लिए प्रताड़ना को लेकर कई कानूनी धाराओं के तहत कार्रवाई की जाती है:

दहेज हत्या (IPC 304B): शादी के 7 साल के भीतर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत और दहेज के लिए प्रताड़ना के साक्ष्य मिलने पर यह धारा लगाई जाती है। इसमें न्यूनतम 7 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है।

क्रूरता (IPC 498A): पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा महिला को मानसिक या शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने पर यह धारा लागू होती है।

दहेज निषेध अधिनियम: दहेज की मांग करने और देने, दोनों को अपराध की श्रेणी में रखते हुए जांच की जा रही है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव डीएमके-कांग्रेस में सीट शेयरिंग तय

कांग्रेस 28 विधानसभा सीटों पर लड़ेगी, डीएमके ने एक राज्यसभा की सीट भी दी

चेन्नई, 5 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) और कांग्रेस पार्टी में बुधवार को सीट बंटवारे पर मुहर लग गई। डीएमके ने कांग्रेस को 28 सीट दी हैं। इसके अलावा पार्टी को एक राज्यसभा सीट भी दी गई है।

पार्टी नेताओं के अनुसार यह फैसला डीएमके अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथगई के बीच हुई बैठक में लिया गया।

राज्य में विधानसभा की 234 सीटें हैं। 2021 के चुनाव में डीएमके ने 133 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस को 18 सीटें मिली थीं। डीएमके के नेतृत्व वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस ने कुल मिलाकर 159 सीटों पर जीत हासिल की थी।

दूसरी ओर एनडीए को 75 सीटें मिली थीं, जिसमें एआईएडीएमके 66 सीटों के साथ गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी रही थी।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस और डीएमके के बीच 2004 से चले आ रहा गठबंधन टूटने की कगार पर पहुंच गया था, लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने मंगलवार को स्टालिन से मुलाकात की और लंबी बातचीत के बाद बात बन गई।

कांग्रेस ने सीटों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया था। जब बात नहीं बनी तो चिदंबरम को बातचीत के लिए भेजा गया।

जज की पत्नी को ट्रेन के टॉयलेट में आया हार्टअटैक, मौत

निंबाहेड़ा, 5 मार्च (एजेंसियां)। निंबाहेड़ा (चित्तौड़गढ़) के एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज (एडीजे) की पत्नी की ट्रेन के टॉयलेट में हार्ट अटैक से मौत हो गई। उनका शव बुधवार को ट्रेन के टॉयलेट में मिला।

एडीजे राजकुमार चौहान और उनकी पत्नी उषा (42) अपने घर जोधपुर से चित्तौड़गढ़ जाने के लिए काचीगुड़ा-भगत की कोठी एक्सप्रेस (17606) में अलग-अलग कोच में बैठे थे।

ट्रेन के चित्तौड़गढ़ स्टेशन पहुंचने पर एडीजे उतर गए, लेकिन प्लेटफॉर्म पर पत्नी उषा चौहान उन्हें नहीं दिखी। उन्होंने जीआरपी को सूचना दी, लेकिन ट्रेन तब तक आगे निकल चुकी थी। जीआरपी को उषा के मोबाइल की लोकेशन ट्रेन में ही मिली। इसके बाद करीब 156

किलोमीटर दूर मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के जावरा स्टेशन पहुंचने पर ट्रेन की तलाशी ली गई।

कोच के टॉयलेट में उषा का शव मिला। नीमच जीआरपी थाना प्रभारी मोतीराम चौधरी ने बताया- डॉक्टरों के अनुसार महिला को साइलेंट हार्ट अटैक आया था।

जीआरपी ने बताया- निंबाहेड़ा में पोस्टेड एडीजे राजकुमार चौहान और उनकी पत्नी उषा 3 मार्च को काचीगुड़ा-भगत की कोठी एक्सप्रेस (17606) में जोधपुर के भगत की कोठी स्टेशन से रात 11:30 बजे बैठे थे।

दोनों का अलग-अलग कोच में रिजर्वेशन था। उन्हें चित्तौड़गढ़ उतरना था। बुधवार (4 मार्च) सुबह 7:20 बजे चित्तौड़गढ़ स्टेशन पर राजकुमार चौहान उतर गए, लेकिन पत्नी नहीं उतरी। तय समय पर ट्रेन स्टेशन से रवाना हो गई।

स्टेशन पर एडीजे चौहान ने पत्नी को काफी तलाश किया। जब वह नहीं मिली तो उन्होंने जीआरपी को सूचना दी। जीआरपी ने सीसीटीवी चेक किए। कोच से उतरते हुए महिला नजर नहीं आई। इसके बाद आगे के स्टेशनों को जीआरपी ने सूचना दी।

जीआरपी ने महिला के मोबाइल नंबर के आधार पर उसकी लोकेशन ट्रेस की, जो ट्रेन के अंदर ही मिली।

सिगरेट नहीं मिली तो दुकान में लगा दी आग

पलामू, 5 मार्च (एजेंसियां)। मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के सुआ गांव स्थित निराला टोला में बुधवार देर रात एक सनसनीखेज घटना सामने आई। सिगरेट नहीं मिलने से नाराज कुछ युवकों ने एक किराना जनरल स्टोर में आग लगा दी। इस आगजनी में दुकान में रखा सामान और शादी के लिए खरीदा गया सामान समेत करीब 10 लाख रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई।

घटना रात करीब 11 बजे के बाद की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

भूपेश बोले- ट्रम्प ने एपस्टीन फाइल से भटकाने तनाव बढ़ाया

भिलाई में कहा- बच नहीं पाएंगे और न ही हमारा वाला, अमेरिका सबसे डरपोक

दुर्ग-भिलाई, 5 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भिलाई में आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में वैश्विक राजनीति पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि आज अगर दुनिया में सबसे ज्यादा डरा हुआ कोई देश है तो वह अमेरिका है, उसे सबसे ज्यादा चिंता डॉलर की है।

इसी कारण वह दुनिया के ऑयल पर कब्जा करना चाहता है। जहां-जहां तेल है, वहां किसी न किसी तरह दखल दे रहा है। दुनिया में अमेरिका जहां भी लड़ाई लड़ रहा है, चाहे वह वेनेजुएला हो, ईरान हो या भारत को धमकाने की बात हो। यह सब डॉलर को बचाने के लिए हो रहा है। भूपेश बघेल ने कहा कि ईरान-इजराइल और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष को लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एपस्टीन फाइल से ध्यान भटकाने के लिए विश्व में तनाव बढ़ाया जा रहा है। बघेल ने यह भी कहा कि कुछ लोग खुद को बचाने के लिए दुनिया में अशांति फैला रहे हैं। उन्होंने आगे टिप्पणी करते हुए कहा कि डोनाल्ड ट्रम्प भी इससे बच नहीं पाएंगे और प्रधानमंत्री की ओर इशारा करते हुए कहा कि हमारा वाला भी बिल्कुल नहीं बच पाएगा। दरअसल, मंगलवार को भिलाई के अजंता पैलेस में होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने इजराइल-इरान जंग को लेकर टिप्पणी की। इसके अलावा प्रधानमंत्री के इजराइल दौरे पर भी टिप्पणी की। भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर इशारा करते हुए कहा कि जो लोग 56 इंच सीना और विश्वगुरु बनने की बात करते थे, उनके मुंह से आज एक शब्द भी नहीं निकल रहा है।

जमीन ब्रोकर की चाकू मारकर हत्या

पाकुड़, 5 मार्च (एजेंसियां)। पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र में होली के दिन एक सनसनीखेज हत्या की घटना सामने आई है। 40 वर्षीय देवराज सरकार की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। गंभीर रूप से घायल देवराज को आनन-फानन में सोनाजोड़ी सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में करीब 10 लोगों की संलिप्तता सामने आई है। जानकारी के अनुसार, नंदीपाड़ा निवासी मेघनाथ सरकार के पुत्र देवराज सरकार उर्फ नेमुआ होली खेलने के बाद अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान वे नंदीपाड़ा स्थित एक पान की दुकान पर कुछ सामान लेने के लिए रुके। दुकान से सामान लेकर जैसे ही वे घर की ओर बढ़े, तभी पहले से घात लगाए करीब 10 लोगों ने उन्हें घेर लिया। इसके बाद आरोपियों ने उन पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

बड़ा झटका, अडानी टोटल गैस ने बढ़ाए दाम, ईरान-इजरायल टेंशन का इम्पैक्ट

नई दिल्ली,5 मार्च(एजेंसियां)। अडानी टोटल गैस ने बड़ा कदम उठाया है। उसने गैस सप्लाई की कीमत बढ़ा दी है। मिडिल ईस्ट में लड़ाई की वजह से यह कदम उठाया गया है। इसके कारण गैस की उपलब्धता घटी है। इसका हवाला देते हुए कंपनी ने इंडस्ट्रियल क्लाइंट्स को सप्लाई की कीमतों में तेजी से इजाफा कयिा है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने यह जानकारी दी है। उसने अपनी रपिोर्ट में कस्टमर नोटिस का जिक्र किया है। अडानी टोटल सीएनजी (कम्प्रेस्ड नैचुरल गैस), पीएनजी (पाइप्ड नैचुरल गैस), एलएनजी (लक्विफिाइड नैचुरल गैस) वगैरह की बिक्री करती है। एटीजीएल के कदम से ऊर्जा

की कीमतों पर असर पड़ेगा। अडानी टोटल गैस अडानी ग्रुप और फ्रांस की दिग्गज तेल कंपनी टोटल एनर्जीज एसई का जॉइंट वेंचर है।ईरान पर स्ट्राइक और तेहरान के जवाबी हमलों की वजह से ईरान और ओमान के बीच होर्मुज स्ट्रेट से ट्रांजिट मुश्किल हो गया है।इलाके में कुछ जहाजों पर हमला होने के बाद यह लगभग रुक गया है। होर्मुज दुनिया भर में इस्तेमाल होने वाले तेल का लगभग पांचवां हिस्सा और बड़ी मात्रा में लिक्विफाइड नेचुरल गैस ले जाता है। कंपनी ने कहा कि:हाल के जियो-पॉलिटिकल डेवलपमेंट की वजह से एलएनजी सप्लाई रूट पर असर पड़ा है। एटीजीएल को अपस्ट्रीम गैस में कटौती का सामना करना पड़ा है। इससे ऑपरेशनल दिक्कतें आ रही हैं।नोटिस में कहा गया है कि मंगलवार से रोजाना कॉन्ट्रैक्ट की 40% मात्रा से ज्यादा इस्तेमाल होने वाली गैस की कीमतें बढ़ाकर 119 रुपये (1.30) प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर कर दी गई हैं। एक सोर्स ने बताया कि पहले कीमतें लगभग 40 रुपये प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर थीं।अडानी टोटल गैस ने रॉयटर्स के कमेंट के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया।

अमेरिका-ईरान युद्ध का छठा दिन: होर्मुज बंद

पश्चिम एशिया में तेल की सप्लाई बाधित, जानिए कितना बड़ा संकट सामने

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका और इस्राइल की ओर से ईरान पर किए जा रहे हमलों के छठे दिन युद्ध का दायरा अब मिडिल ईस्ट की सीमाओं को पार कर हिंद महासागर तक फैल चुका है। एक तरफ जहां ईरान के 33 नागरिक और सैन्य ठिकानों पर बड़े हमले हुए हैं, वहीं दूसरी तरफ होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से वैश्विक व्यापार और ऊर्जा सप्लाई पर बड़ा संकट खड़ा हो गया है। आइए, एक विस्तृत सवाल-जवाब के जरिए समझते हैं कि युद्ध के मौजूदा हालात, भू-राजनीतिक समीकरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसके क्या असर हो रहे हैं।

कितना नुकसान हुआ है?

ईरानी स्टेट मीडिया के मुताबिक, हमलों के पांच दिनों में अब तक 1,045 लोगों की मौत हो चुकी है और 6,000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय ने दावा किया है कि अमेरिका और इस्राइल ने 33 नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया है, जिनमें अस्पताल, स्कूल, तेहरान का प्रमुख आर्थिक केंद्र 'ग्रैंड बाज़ार' और ऐतिहासिक गोलस्तान पैलेस शामिल हैं। इस बीच, कुर्दिश-ईरानी सशस्त्र समूहों ने उत्तर-पश्चिमी ईरान में सरकार के खिलाफ जमीनी हमला भी शुरू कर दिया है।

ईरान की सैन्य प्रतिक्रिया कैसी है?

ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई देश के अगले सर्वोच्च नेता के रूप में सबसे मजबूत दावेदार बनकर उभरे हैं, जिनके इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के साथ गहरे संबंध हैं। सैन्य मोर्चे पर, श्रीलंका के तट के पास हिंद महासागर में एक अमेरिकी पनडुब्बी ने ईरान के युद्धपोत 'आइरिस डेना' को टारपीडो से डुबा दिया है, जिसमें 87 शव बरामद हुए हैं।

अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर क्या असर?

वैश्विक व्यापार के लिए हालात बेहद गंभीर हैं क्योंकि आईआरजीसी ने रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की घोषणा कर दी है, इससे समुद्री व्यापार लगभग ठप हो गया है। वहीं, कूटनीतिक मोर्चे पर स्पेन ने अमेरिका को अपने सैन्य ठिकानों के इस्तेमाल की इजाजत नहीं दी है। इसके जवाब में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पेन के साथ सभी तरह का व्यापार बंद करने की कड़ी धमकी दी है। गोल्डमैन सैक्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते खतरे से तेल और गैस की वैश्विक सप्लाई प्रभावित हो सकती है, जिससे भारत सहित एशिया के बड़े आयातक देशों की चिंता बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के कुल तेल व्यापार का लगभग एक-पांचवां हिस्सा और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की बड़ी मात्रा सामान्यतः इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरती है। इसलिए यह मार्ग ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। गोल्डमैन सैक्स ने चेतावनी दी है कि इस क्षेत्र में पहले ही टैंकर यातायात में व्यवधान के संकेत मिलने लगे हैं। क्षेत्र में जहाजों को नुकसान पहुंचने की खबरों के बाद शिपिंग कंपनियां, तेल उत्पादक और बीमा कंपनियां अधिक सतर्क रुख अपना रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, आम तौर पर करीब 2 करोड़ बैरल प्रतिदिन तेल आपूर्ति और वैश्विक एलएनजी व्यापार का लगभग 19 प्रतिशत हिस्सा इसी जलमार्ग से गुजरता है। यही कारण है कि इसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला के सबसे अहम चोकपॉइंट्स में से एक माना जाता है। रिसर्च नोट में कहा गया है कि बाजार पहले ही इस भू-राजनीतिक जोखिम को कीमतों में शामिल करना शुरू कर चुका है। वर्तमान में तेल बाजार में करीब 18 डॉलर प्रति बैरल का जोखिम प्रीमियम शामिल हो चुका है। यह उस संभावित मूल्य प्रभाव के बराबर है जो तब देखने को मिल सकता है, अगर होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल का प्रवाह लगभग एक महीने के लिए पूरी तरह रुक जाए, भले ही कुछ पाइपलाइन मार्गों के जरिए वैकल्पिक आपूर्ति उपलब्ध हो।

अमेरिका और इस्राइल का क्या रुख है?

इस्राइयल सेना ने तेहरान में सैन्य बुनियादी ढांचे पर हमलों की नई लहर की घोषणा की है। अमेरिकी और पश्चिमी अधिकारियों का दावा है कि उन्होंने ईरान की सैन्य क्षमताओं के एक बड़े हिस्से को नष्ट कर दिया है।

व्हाइट हाउस इस कार्रवाई का बचाव करते हुए कह रहा है कि उनका लक्ष्य ईरान के नौसेना और परमाणु अरमानों को खत्म करना है; राष्ट्रपति ट्रंप के अनुसार, अगर यह हमला नहीं होता तो ईरान दो सप्ताह के भीतर परमाणु हथियार हासिल कर लेता। हालांकि, एक पोल के अनुसार केवल 25 प्रतिशत अमेरिकी जनता इस युद्ध का समर्थन कर रही है।

यह युद्ध लेबनान तक पहुंच गया है, जहां इस्राइल बेरूत पर हमले कर रहा है और हिजबुल्लाह के साथ भारी गोलीबारी हो रही है। नाटो के वायु रक्षा सिस्टम ने एक ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल को तुर्की के हवाई क्षेत्र में मार गिराया है, जो कि खाड़ी से बाहर के देशों को लपेटने का एक प्रयास माना जा रहा है।

चांदी 2 दिन में 32 हजार सस्ती हुई

2.58 लाख किलो पर आई, 10 ग्राम सोना 7 हजार गिरकर 1.63 लाख का हुआ

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)।सोने और चांदी के दामों में आज यानी 5 मार्च को लगातार दूसरे दिन गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 3 हजार रुपए घटकर 1.60 लाख पर आ गया है। इससे पहले इसकी कीमत 1.63 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। सोना 2 दिन में 7 हजार रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, एक किलो चांदी 13 हजार रुपए गिरकर 2.58 लाख पर आ गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2.71 लाख रुपए प्रति किलो थी। ये दो दिन में 32 हजार रुपए सस्ती हो चुकी है। सोना चांदी के दाम में ये गिरावट प्रॉफिट बुकिंग की

वजह से आई है।

सोना इस साल 26 हजार और चांदी 27 हजार महंगी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में तेजी देखने को मिली है। बीते साल के आखिर में सोना 1.33 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 1.60 लाख रुपए पर है। यानी इसकी कीमत इस साल अब तक 26 हजार बढ़ चुकी है। वहीं चांदी भी इस दौरान 27 हजार रुपए महंगी हुई है।

एसबीआई का मेगा भर्ती अभियान

चेयरमैन बोले- हर साल 16000 नए कर्मचारियों को जोड़ने का लक्ष्य

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने देशभर में अपनी ब्रांच बैंकिंग सेवाओं और ग्राहक अनुभव को मजबूत करने के लिए एक बड़े भर्ती अभियान की घोषणा की है। बैंक ने हाल ही में 5,783 जूनियर एसोसिएट्स की नियुक्ति की है। यह रणनीतिक कदम बैंक के उस बड़े विजन का हिस्सा है, जिसके तहत अगले पांच से छह वर्षों में कुल कारोबार को दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

एसबीआई ने देशभर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 5,783 जूनियर एसोसिएट्स की नियुक्ति की है। अगर चालू वित्त वर्ष के समग्र आंकड़ों की बात करें, तो बैंक ने विभिन्न भूमिकाओं और ग्रेड में 18,000 से अधिक नए कर्मचारियों को अपने साथ जोड़ा है, जो हाल के वर्षों में बैंक के सबसे बड़े और व्यापक टैलेंट इंडक्शन ड्राइव (प्रतिभा चयन अभियान) में से एक है। कुल 9,00,771 उम्मीदवारों ने इन पदों के लिए आवेदन किया था। एसबीआई के चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी ने स्पष्ट किया है कि बैंक अपनी विकास यात्रा को शक्ति प्रदान करने के लिए हर साल लगभग 16,000 कर्मचारियों को नियुक्त करने का इरादा रखता है। इसका मुख्य उद्देश्य एक 'भविष्य के लिए तैयार' और डिजिटल रूप से कुशल कार्यबल का निर्माण करना है। एसबीआई अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए एक स्पष्ट और आक्रामक रणनीति पर काम कर रहा है। बैंक का लक्ष्य अगले पांच से छह वर्षों के भीतर अपने कुल कारोबार को दोगुना करके 200 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना है।

इसी महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बैंक नियमित रूप से बड़े पैमाने पर कार्यबल का विस्तार कर रहा है।कुल मिलाकर, एसबीआई का यह बड़े पैमाने पर चलाया गया भर्ती अभियान केवल नए रोजगार पैदा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बैंक की दूरगामी रणनीतिक और विस्तार योजना का एक अहम हिस्सा है।

अपने व्यापक शाखा नेटवर्क के माध्यम से ग्राहकों को उच्च स्तरीय सेवाएं देने और अगली पीढ़ी के बैंकिंग पेशेवरों को तैयार करने के लिए एसबीआई लगातार अपने कार्यबल को मजबूत कर रहा है। यह कदम भारतीय बैंकिंग सेक्टर की मजबूती और रोजगार बाजार, दोनों के लिए एक बेहद सकारात्मक संकेत है।

कच्चे तेल की कीमत में भारी उछाल, आज 5 मार्च को आपके शहर में क्या है पेट्रोल-डीजल का भाव?

नई दिल्ली,5 मार्च(एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका के बीच मचे घमासान से कच्चे तेल की कीमत में भारी तेजी आई है। शनिवार से अब तक कच्चा तेल करीब 15 फीसदी चढ़ चुका है। अभी यह करीब 84 डॉलर प्रति बैरल पहुंच चुका है जो एक साल में इसका उच्चतम स्तर है।

जानकारों का कहना है कि अगर पश्चिम एशिया में युद्ध लंबा खिंचता है तो क्रूड का भाव 150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकता है। भारत का करीब आधा तेल होर्मुज स्ट्रेट से आता है जिस पर जहाजों की आवाजाही लगभग बंद हो चुकी है। इससे भारत में भी आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ सकती है।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियां रोज सुबह 6 बजे तेल की कीमतों को अपडेट करती हैं लेकिन पेट्रोल-डीजल की कीमत में मई 2022 से कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि इस दौरान कच्चे तेल की कीमत में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया है। भारत के पास 17-18 दिन की डिमांड के बराबर क्रूड का भंडार है। इसी तरह रिफाइंड प्रोडक्ट्स यानी पेट्रोल-डीजल का स्टॉक 20-21 दिन का है। ऐसे में अगर होर्मुज स्ट्रेट में लंबे समय तक दिक्कत रहती है तो भारत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।ऑयल मार्केटिंग कंपनियां कच्चे तेल की कीमतों के मुताबिक पेट्रोल-डीजल की कीमत में बदलाव करती हैं। लेकिन इसमें कई और फैक्टर भी शामिल हैं। भारत अपनी जरूरत का करीब 85 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत की भी फ्यूल कॉस्ट में अहम भूमिका है। मंगलवार को रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 92 के पार पहुंच गया था। हालांकि आज इसमें सुधार हुआ है। साथ ही पेट्रोल और डीजल की कीमत में सेंट्रल और स्टेट टैक्स की भी अहम भूमिका है।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 900 अंक चढ़ा, निफ्टी 24700 के पार

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)।घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण हाल ही में हुई भारी गिरावट के बाद वैश्विक शेयर बाजारों में आए उछाल के अनुरूप, बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को 1 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए। रुपया अपने सबसे निचले स्तर से उबरते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 45 पैसे बढ़कर 91.60 पर बंद हुआ।

चार दिनों की लगातार गिरावट के बाद, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 899.71 अंक या 1.14 प्रतिशत बढ़कर 80,015.90 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, इसमें 1,187.64 अंक या 1.50 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 80,303.83 पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 285.40 अंक या 1.17 प्रतिशत चढ़कर 24,765.90 पर बंद हुआ, जिससे लगातार तीन दिनों से जारी गिरावट का सिलसिला समाप्त हो गया।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स पैक से, अदानी पोर्ट्स, लार्सन एंड टुब्रो, एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और इंटरग्लोब एविएशन प्रमुख लाभ कमाने वालों में शामिल थे। टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईसीआईसीआई बैंक पिछड़ने वालों में शामिल थे।

यूरोपीय बाजारों में दिखी तेजी

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी

सूचकांक 9.63 प्रतिशत की तीव्र उछाल के साथ फिर से ऊपर चढ़ गया। जापान का निक्केई 225, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक भी उच्च स्तर पर बंद हुए।

यूरोप के बाजारों में कीमतों में तेजी देखी गई। अमेरिकी बाजार बुधवार को सकारात्मक स्तर पर बंद हुआ।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 82.90 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड में 1.84 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 82.90 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 8,752.65 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 12,068.17 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।बुधवार को सेंसेक्स 1,122.66 अंक या 1.40 प्रतिशत गिरकर 79,116.19 पर बंद हुआ, लगातार चौथे सत्र में गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी 385.20 अंक या 1.55 प्रतिशत गिरकर 24,480.50 पर बंद हुआ, लगातार तीसरे दिन गिरावट दर्ज की गई।

सिंगापुर की कंपनी ने बेंगलुरु में बेची 852 करोड़ की ऑफिस बिल्डिंग

8 साल में चार गुना से ज्यादा का मुनाफा

बेंगलुरु,5 मार्च(एजेंसियां)। सिंगापुर के इनवेस्टमेंट मैनेजर जेंडर की तरफ से एक बड़ा डेवलपमेंट सामने आया है। बेंगलुरु के एम्बेसी गोल्फलिंक्स बिजनेस पार्क में एक ऑफिस बिल्डिंग है पाइनहर्स्ट ।

इस ऑफिस बिल्डिंग में जेंडर की भी भागीदारी थी। खबर आई है कि एम्बेसी गोल्फलिंक्स बिजनेस पार्क से जेंडर ने एक्जिट कर लिया है। यह हिस्सेदारी दूतावास कार्यालय पार्क आरईआईटी को 852 करोड़ रुपये में बेची गई है।

डील हो गया क्लोज

बीते दिसंबर में ही इस ट्रांजेक्शन की घोषणा कर दी गई थी। अब, तीन मार्च 2026 को यह डील क्लोज हो गया है। यह डील भारत में रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट द्वारा किसी थर्ड पार्टी से प्रॉपर्टी खरीदने का पहला उदाहरण है।सिंगापुर के जेंडर ने बेंगलुरु की इस प्रॉपर्टी को साल 2018 में खरीदा था।

पाइनहर्स्ट की इस प्रॉपर्टी को लेने में उसे 340 करोड़ रुपये देने पड़े थे। अब इसके बेचने की डील 852 करोड़ रुपये में हुई है। मतलब कि करीब आठ साल की होल्डिंग अवधि के दौरान कंपनी को चार गुने से ज्यादा का मुनाफा हुआ है।

ऑफिस स्पेस की बढ़ रही है डिमांड

इस समय देश के महानगरों में ऑफिस स्पेस की डिमांड तेजी से बढ़ रही है। तभी तो आरईआईटी अपने पोर्टफोलियो में इसे प्रभावी तरीके से शामिल कर रहे हैं। इस समय भारत में बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर ऑफिस स्पेस का सबसे बड़ा बाजार बन कर उभरा है। इसे ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स , टेक्नोलॉजी कंपनियों और घरेलू कंपनियों की तरफ से निकली डिमांड ने भी सपोर्ट किया है।

फरवरी में बिक गई 24 लाख गाड़ियां

गांवों में बढ़ रही डिमांड, ट्रैक्टर्स की बिक्री में उछाल

नई दिल्ली,5 मार्च(एजेंसियां)। फरवरी का महीना देश के ऑटो रिटेल सेक्टर के लिए काफी शानदार रहा। इस दौरान देश में गाड़ियों की बिक्री में 25.6 फीसदी तेजी आई। खासकर दोपहिया और पैसेंजर गाड़ियां की काफी डिमांड रही। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस के मुताबिक फरवरी में गाड़ियों की कुल सेल 24.09 लाख यूनिट रही जो पिछले साल के मुकाबले 25.62 फीसदी अधिक है। मार्च में भी यह ट्रेंड बरकरार रहने की उम्मीद है। जानकारों का कहना है कि जीएसटी कटौती का असर अब बाजार पर दिख रहा है। दोपहिया, तिपहिया, कमर्शियल, ट्रैक्टर्स और पैसेंजर गाड़ियों की बिक्री में फरवरी महीने का रेकॉर्ड बन गया। फरवरी में दोपहिया वाहनों की बिक्री 17,00,505 यूनिट रही जो पिछले साल के मुकाबले 25.02% अधिक है। इस दौरान शहरी क्षेत्रों में बिक्री में 28.96% तेजी आई जबकि ग्रामीण इलाकों में 22.16% बढ़ोतरी हुई। इसी तरह पिछले महीने तिपहिया गाड़ियों की बिक्री में 26.12% तेजी रही जबकि कमर्शियल वाहनों की डिमांड 28.89% बढ़ गई। फरवरी में कमर्शियल गाड़ियों की बिक्री 1,00,820 यूनिट रही। फरवरी में पैसेंजर गाड़ियों की रिटेल सेल 3,94,768 यूनिट रही। शहरी बाजार में इसमें पिछले साल के मुकाबले 21.12% तेजी आई जबकि ग्रामीण इलाकों में बिक्री में 34.21% उछाल देखने को मिली। फाडा का कहना है कि खासकर ग्रामीण इलाकों में डिमांड में तेजी उत्साहजनक है। वहां छोटी कारों के साथ-साथ एसयूवी और यूटिलिटी वाहनों की डिमांड भी बढ़ी है।

अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी

न्याय के मंदिर में खौफ का तांडव सुन मचा हड़कंप, छावनी बना परिसर

बीकानेर, 5 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर जिले से इस वक्त की सबसे बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। बीकानेर कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पूरे शहर में हड़कंप मच गया है। इस सूचना के बाद पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आया और पूरे कोर्ट परिसर को सुरक्षा घेरे में ले लिया गया है।

जैसे ही बम की सूचना मिली, एहतियातन कोर्ट परिसर को खाली कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। पुलिस के उच्चाधिकारियों के निर्देश पर भारी पुलिस जाब्ता मौके पर तैनात किया गया है। डॉग स्क्वॉयड और बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया है, जो परिसर के कोने-कोने की बारीकी से तलाशी ले रहे हैं। न्यायिक कार्यों को रोक दिया गया है और पक्षकारों सहित सभी कर्मचारियों को बाहर निकाला गया है।

बार एसोसिएशन अध्यक्ष की भावुक अपील

बीकानेर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय कुमार पुरोहित ने इस गंभीर स्थिति को देखते हुए सभी अधिवक्ताओं और आम जनता से सुरक्षित स्थानों पर रहने

पुलिस की कार्रवाई और जांच

का आह्वान किया है। उन्होंने पुलिस के आला अधिकारियों से संपर्क कर स्थिति की गंभीरता से अवगत कराया।

अजय पुरोहित ने जारी किया संदेश

'सभी अधिवक्तागणों, पक्षकारों एवं न्यायिक कर्मचारियों को सूचित किया जाता है कि तुरंत प्रभाव से अदालत परिसर को छोड़कर सुरक्षित स्थान पर चले जाएं। कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, ऐसे में सुरक्षा के मद्देनजर यह कदम उठाना अति आवश्यक है। जो अधिवक्ता अभी तक परिसर नहीं पहुंचे हैं, वे अपने घरों में ही सुरक्षित रहें।'

पुलिस धमकी के स्रोत का पता लगाने में जुटी है कि यह कॉल या संदेश कहां से आया है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह केवल एक 'होक्स कॉल' (अफवाह) है या वास्तविक खतरा, लेकिन प्रशासन कोई भी जोखिम लेने के मूड में नहीं है। आसपास के इलाकों में नाकाबंदी कर दी गई है और संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है।

मेड़ता सिटी (नागौर) में हड़कंप

नागौर जिले के मेड़ता स्थित जिला एवं सेशन न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से गुरुवार को प्रशासन और पुलिस महकमे में अफरा-तफरी मच गई। धमकी न्यायालय की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर भेजी गई, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं।

ई-मेल से दी गई धमकी

न्यायालय की ई-मेल आईडी पर ajitham_kudumba@outlook.com से भेजे गए संदेश में दावा किया गया कि दोपहर 2 बजे कोर्ट परिसर को 14 साइनाइड बमों से उड़ा दिया जाएगा। साथ ही सुबह 11 बजे तक सभी न्यायाधीशों को सुरक्षित बाहर निकालने की चेतावनी भी दी गई।

प्रशासन और पुलिस सक्रिय

धमकी मिलते ही जिला एवं सेशन न्यायालय प्रशासन ने तुरंत नागौर पुलिस अधीक्षक और जिला कलेक्टर को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मेड़ता पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी और नगरपालिका की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। कोर्ट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई।

पुलिस ने कोर्ट परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान शुरू किया। साइबर टीम ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने में जुटी है। फिलहाल पूरे मामले की गहन जांच जारी है।

बम की धमकी से हड़कंप

राजस्थान में न्यायपालिका के परिसरों को निशाना बनाते हुए सिलसिलेवार धमकी भरे संदेशों से दहशत का माहौल है। जोधपुर ग्रामीण जिला एवं सत्र न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षा के लिहाज से कोर्ट की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई और बम निरोधक दस्ते ने पूरे परिसर की सघन तलाशी ली।

इसी तरह का मामला जयपुर में भी सामने आया, जहां सिविल कोर्ट के लिए सेशन कोर्ट के रजिस्ट्रार को एक धमकी भरा ईमेल भेजा गया। प्रशासनिक विभाग की सूचना पर पुलिस और बम निरोधक टीमों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

गौरतलब है कि बीकानेर और जोधपुर के साथ-साथ जयपुर हाईकोर्ट को भी पूर्व में ऐसे फर्जी मेल मिल चुके हैं। हालांकि, पिछला अनुभव 'होक्स' (अफवाह) रहा है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरत रही हैं और चप्पे-चप्पे पर तलाशी जारी है।

खनन से भर रहा राजस्थान का खजाना !

इतिहास की सबसे बड़ी मासिक वसूली

अब 1,500 करोड़ जुटाने की तैयारी

जयपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। वित्तीय वर्ष 2025-26 के आखिरी महीने मार्च में राजस्थान का खान एवं भू-विज्ञान विभाग 1,500 करोड़ रुपये राजस्व जुटाने की तैयारी में है। विभाग फरवरी तक 8,888.80 करोड़ रुपये की वसूली कर चुका है। यह पिछले साल की समान अवधि से 12 प्रतिशत ज्यादा है।

आंकड़ों के अनुसार यह करीब 952 करोड़ रुपये की बढ़त है। खास बात यह है कि फरवरी महीने में ही 1,060 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड संग्रह हुआ, जो विभाग के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक मासिक राजस्व है। यह तय लक्ष्य 1,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा रहा।

मार्च के लिए खास रणनीति

मार्च का लक्ष्य हासिल करने के लिए विभाग ने विशेष योजना बनाई है। लंबित और संभावित बकाया राशि की वसूली पर जोर दिया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जरूरत पड़ने पर मार्च में विभागीय कार्यालय छुट्टियों में भी खुले रहें, ताकि राजस्व लक्ष्य समय पर पूरा हो सके।

नए वित्तीय वर्ष की तैयारी

आने वाले वित्तीय वर्ष को ध्यान में रखते हुए विभाग ने बजट घोषणाओं को तय समय में लागू करने के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अप्रैल से खनिज ब्लॉकों और प्लॉटों की नीलामी के लिए जरूरी तैयारियां पूरी करने को कहा गया है।

इन जिलों ने दिखाया बेहतर प्रदर्शन

फरवरी के लक्ष्यों के मुकाबले अजमेर, जोधपुर, बीकानेर, उदयपुर, भीलवाड़ा और राजसमंद जिलों ने 100 प्रतिशत से ज्यादा वसूली दर्ज की। हाल ही में हुई समीक्षा बैठक में विधानसभा के लंबित प्रश्नों का समय पर जवाब देने, खनिज ब्लॉकों की तैयारी तेज करने और संपर्क पोर्टल पर आए मामलों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश भी दिए गए। विभाग को भरोसा है कि मार्च का लक्ष्य भी हासिल कर लिया जाएगा।

क्या काम करता है यह विभाग?

राजस्थान का खान एवं भू-विज्ञान विभाग राज्य सरकार का वह विभाग है जो जमीन के नीचे मौजूद खनिज संपदा जैसे मार्बल, ग्रेनाइट, चूना पत्थर, जिप्सम, बजरी, रेत आदि की खोज, सर्वे और प्रबंधन करता है। सरल भाषा में कहें तो यह विभाग खनिज ढूंढने से लेकर उनकी नीलामी और सरकार के लिए राजस्व जुटाने तक का काम संभालता है।

5 शहरों की बदलेगी तस्वीर, सीएम भजनलाल शर्मा की बड़ी घोषणा के बाद बजट भी जारी

उदयपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान की पर्यटन राजधानी उदयपुर का स्मार्ट सिटी मॉडल अब प्रदेश के अन्य शहरों के विकास की राह तय करेगा। मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2025-26 के तहत राज्य सरकार ने उदयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड को नाथद्वारा, माउंटआबू, जैसलमेर, भीलवाड़ा और बालोतरा जिले के स्वच्छ और हरित विकास की जिम्मेदारी सौंपी है।

राजस्थान शहरी पेयजल सीवरेज एवं अवसंरचना निगम लिमिटेड ने उदयपुर स्मार्ट सिटी को इन परियोजनाओं के लिए परियोजना प्रबंधन सलाहकार नियुक्त किया है। उदयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड इन शहरों के लिए विकास योजनाओं की रूपरेखा तैयार करेगी, तकनीकी मार्गदर्शन देगी और परियोजनाओं की मॉनिटरिंग भी करेगी।

इनमें स्वच्छता व्यवस्था मजबूत करने, हरित क्षेत्र बढ़ाने और

आधुनिक शहरी अवसंरचना विकसित करने पर विशेष जोर रहेगा। प्रदेश स्तर पर शहरों के इस विकास मॉडल में जयपुर को छह शहर, कोटा को तीन और अजमेर को दो शहरों की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि उदयपुर स्मार्ट सिटी को पांच शहरों का दायित्व सौंपा है। इनमें दो प्रमुख पर्यटन शहर शामिल होने के कारण उदयपुर की भूमिका और भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

हर शहर की पहचान के अनुसार तैयार होंगे विकास मॉडल पांचों शहरों की पहचान और जरूरतों के अनुसार अलग-अलग विकास मॉडल तैयार किए जाएंगे।

जैसलमेर और माउंटआबू राजस्थान के प्रमुख पर्यटन शहर हैं। इसलिए इन्हें पर्यटन सुविधाओं, पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास के दृष्टिकोण से विकसित किया जाएगा। उदयपुर स्वयं एक पर्यटन नगरी है, ऐसे में यहां के अनुभव का उपयोग इन शहरों के विकास में किया जाएगा।

नाथद्वारा धार्मिक आस्था का बड़ा केंद्र है और श्रीनाथजी मंदिर के कारण यहां देशभर से विशेष रूप से गुजरात से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। ऐसे में धार्मिक पर्यटन और तीर्थ यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए यहां विशेष योजनाएं तैयार की जाएंगी।

भीलवाड़ा और बालोतरा औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर हैं। इन शहरों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि औद्योगिक विकास के साथ-साथ शहरों की हरित और स्वच्छ पहचान भी मजबूत हो सके।

उदयपुर स्मार्ट सिटी इन परियोजनाओं को लेकर संबंधित जिलों के प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में है। संबंधित जिलों के कलेक्टर अपने-अपने शहरों की आवश्यकताओं और संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए योजनाएं तैयार कर रहे हैं। इन योजनाओं के आधार पर तय किया जाएगा कि किस परियोजना पर कितना बजट खर्च किया जाएगा।

उद्घाटन-शिलान्यास के मुद्दे पर विधानसभा में हंगामा

स्पीकर ने दिए सख्त निर्देश

जयपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान सरकारी भवनों के उद्घाटन-शिलान्यास को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर और उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा के बीच जोरदार बहस हुई। विपक्ष ने आरोप लगाया कि राज्य में चुनाव हार चुके भाजपा नेताओं से सरकारी भवनों का उद्घाटन और शिलान्यास करवाया जा रहा है।

विधायक शत्रुघ्न गौतम ने अजमेर जिले के केकड़ी अस्पताल की एमसीएच विंग के अधूरे होने के बावजूद जल्दबाजी में उद्घाटन किए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अस्पताल भवन का काम पूरा नहीं होने के बावजूद उद्घाटन कर दिया गया और शिलापट्ट पर पूर्व मंत्री और उनके परिजनों के नाम लिखे गए हैं। मंत्री के जवाब पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा

कि औपचारिक और अनौपचारिक उद्घाटन जैसी कोई व्यवस्था नहीं होती।

इस पर स्वास्थ्य मंत्री खींवसर ने कहा कि केकड़ी अस्पताल की एमसीएच विंग का काम पूरा नहीं हुआ था और विभाग की अनुमति के बिना ही उद्घाटन किया गया। उन्होंने कहा कि शिलापट्ट पर गलत तरीके से लिखे गए नामों को हटाया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उधर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी सरकारी उद्घाटन-शिलान्यास से जुड़े मामलों का ब्यौरा मांगा। इस पर मंत्री ने कहा कि विभाग में केवल निर्वाचित जनप्रतिनिधियों द्वारा ही शिलान्यास और उद्घाटन किए जाएंगे और यदि नियमों का उल्लंघन हुआ तो कार्रवाई की जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भी इस मुद्दे पर व्यवस्था देते हुए कहा कि भविष्य में किसी भी सरकारी उद्घाटन या शिलान्यास के शिलापट्ट पर केवल निर्वाचित जनप्रतिनिधि का ही नाम लिखा जाएगा, चाहे वह किसी भी राजनीतिक दल से हो।

इससे पहले प्रश्नकाल के दौरान राशन दुकानों के आवंटन के मुद्दे पर भी सदन में तीखी बहस हुई।

कांग्रेस विधायक सुरेश मोदी और उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा ने मंत्री सुरेश सिंह रावत से नीमकाथाना क्षेत्र में राशन दुकानों के आवंटन को लेकर सवाल पूछे। मंत्री ने बताया कि दस आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें तीन को आवंटन दिया गया है, दो निरस्त किए गए हैं और चार मामलों में कलेक्टर से मार्गदर्शन मांगा गया है। इस पर विपक्ष ने सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए।

पूर्व सरपंच के घर से निकले एक साथ नौ सांप, मचा हड़कंप

करौली, 5 मार्च (एजेंसियां)। समीपवर्ती जहानगर मोरडा ग्राम पंचायत के गांव डूगापुरा गांव में पूर्व सरपंच नारायण गुर्जर के घर के भीतर अचानक कई सांप निकल आने से हड़कंप मच गया। रसोई और स्टोर रूम के कोनों में सांपों को रेंगते देख परिवार के सदस्य दहशत में आ गए। उनकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण भी मौके पर जमा हो गए।

सूचना तुरंत सांप पकड़ने वाली टीम को दी गई। सर्प मित्र नीरज प्रजापत ने बताया कि इस दौरान 9 सर्प निकलें। दीवारों की दरारों, लकड़ियों के ढेर और पुराने सामान के पीछे छिपे सांपों को एक-एक कर सुरक्षित रूप से पकड़ा गया।

लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद सभी सांपों को पकड़ लिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि यदि समय रहते टीम नहीं पहुंचती तो कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। पकड़े गए सभी सांपों को सर्पमित्र नें बाद में सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने अपने घरों के आसपास साफ-सफाई रखने और सांपों के बिलों को बंद करने की अपील की है।

रिटायर्ड आईएएस सुबोध अग्रवाल की तलाश में एसीबी का एक्शन तेज!

21 शहरों में 100 ठिकानों पर छापेमारी

जयपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के बहुचर्चित जल जीवन मिशन केस में एसीबी लगातार एक्शन मोड को तेज कर रही है। जेजेएम घोटाले में फरार पूर्व आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल की तलाश अब रैपिड मोड में चल रही है। एंटी करप्शन ब्यूरो विशेष टीमों बनाकर सघन सर्च ऑपरेशन को लगातार जारी रखे हुए है। एसीबी के सर्च अभियान के दौरान एसीबी की टीमें राजस्थान सहित कई राज्यों में एक साथ दबिश दी हैं। अब तक 21 शहरों में 100 से अधिक संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा चुकी है। इस रेड में जयपुर, उदयपुर, बाड़मेर, जोधपुर, झालावाड़, कोटा, नागौर, विराटनगर, निवाई, देवली, आमेर और गंगापुर सिटी जैसे शहर शामिल हैं। इसके अलावा दिल्ली,

नोएडा, फरीदाबाद और सोहना समेत अन्य स्थानों पर भी कार्रवाई की गई है।

रिश्तेदारों के घर से लेकर होटलों तक में तलाशी

सूत्रों के मुताबिक 40 से अधिक प्रमुख स्थानों पर विशेष रूप से तलाशी अभियान चलाया गया है। फरार रिटायर्ड आईएएस सुबोध अग्रवाल को लेकर जिन ठिकानों पर दबिश दी गई, उनमें आरोपी के रिश्तेदारों के घर, दोस्तों के आवास, फार्महाउस, होटल और संभावित ठहरने के स्थान शामिल हैं। एसीबी की टीमें इन सभी स्थानों पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। माना जा रहा है कि जल्द ही एसीबी की टीम उन्हें गिरफ्तार कर सकती है।

50 लोगों से पूछताछ की जा चुकी

यह भी बताया जा रहा है कि जांच के दौरान अब तक करीब 50 लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। इनमें आरोपी के रिश्तेदार, करीबी मित्र, ड्राइवर, कारोबारी सहयोगी और अन्य संपर्क शामिल हैं। इसके अलावा चार अन्य व्यक्तियों को भी पूछताछ के लिए तलब किया गया है, जिनसे अहम जानकारी मिलने की उम्मीद जताई जा रही है, जो फरार रिटायर्ड आईएएस सुबोध अग्रवाल में मदद करेंगे।

लोकेशन खोजने के लिए टेक्निकल टीम भी कर रही काम

एसीबी अधिकारियों का कहना है कि फरार आरोपी की तलाश में तकनीकी सर्विलांस का सहारा लिया जा रहा है। मोबाइल लोकेशन, डिजिटल ट्रांजैक्शन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। साथ ही स्थानीय स्तर पर मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर इनपुट जुटाए जा रहे हैं। विभिन्न राज्यों की एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्रवाई को और प्रभावी बनाया गया है। एसीबी का दावा है कि जल्द ही फरार आरोपियों तक पहुंचने में सफलता मिलेगी।

कमरे में आग लगने से जिंदा जली विवाहिता, दहेज हत्या का मामला दर्ज

दौसा, 5 मार्च (एजेंसियां)। दौसा जिले के लालसोट उपखंड क्षेत्र के डिडवाना कस्बे की आडी नली वाली ढाणी में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में आग से झुलसकर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। परिजन भी सूचना पाकर अस्पताल पहुंच गए। मृतका के पिता ने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर शव पीहर पक्ष को सौंप दिया है तथा मामले की जांच जारी है।

थानाधिकारी पवन कुमार ने बताया कि सुबह करीब 8 बजे सूचना मिली कि आडी नली वाली ढाणी निवासी रीना (27) पत्नी प्रकाश सैनी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस को ससुराल पक्ष ने बताया कि मकान की दूसरी मंजिल पर बने कमरे में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई, जिससे रीना झुलस गई। कमरे में रखी चारपाई और कपड़े भी जले हुए मिले।

गंभीर रूप से झुलसी महिला को पुलिस जिला अस्पताल लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पीहर पक्ष के लोग भी अस्पताल पहुंच गए। मृतका के पिता ने नामजद प्राथमिकी दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि विवाह के बाद से ही दहेज को लेकर उनकी बेटी को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था तथा उसके साथ मारपीट की जाती थी।

हवा में 12-मिनट तक अटकी रही 147 लोगों की सांसें

पायलट की अनस्टेबल एप्रोच के कारण जयपुर एयरपोर्ट पर लैंड नहीं हो पाई फ्लाइट

जयपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गुरुवार को मुंबई से आई फ्लाइट पहली कोशिश में लैंड नहीं हो पाई। करीब 12 मिनट बाद दूसरी कोशिश में फ्लाइट की लैंडिंग हुई। इस दौरान पैसेंजर्स की सांसें अटकी रहीं।

प्लेन में क्रू समेत 147 लोग सवार थे। एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट IX-1280 ने सुबह 7:37 बजे मुंबई से जयपुर के लिए उड़ान भरी थी। फ्लाइट ने सुबह करीब 9:20 बजे जयपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग का प्रयास किया।

लेकिन फ्लाइट की प्रॉपर लैंडिंग नहीं हो सकी। ऐसे में पायलट ने विमान को रनवे टच कराने के तुरंत बाद दोबारा टेकऑफ करवा दिया। फ्लाइट को गो-अराउंड पर रखा।

फ्लाइट को कुछ देर तक हवा में रखते हुए दोबारा लैंडिंग की तैयारी की गई। करीब 12 मिनट बाद पायलट ने सुबह करीब 9:32 बजे दूसरी प्रयास में फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग करवाई। फ्लाइट के सुरक्षित उतरने के बाद पैसेंजर्स ने राहत की सांस ली। एविएशन सूत्रों के अनुसार लैंडिंग के दौरान पायलट की अनस्टेबल एप्रोच की वजह से फ्लाइट पहले प्रयास में लैंड नहीं हो पाई थी।

डीजल टैंकर-ट्रक की भिड़ंत; आग का भीषण तांडव, ढाई घंटे बाद पाया गया काबू

नागौर, 5 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर जिले में एक बार फिर एक सड़क हादसे ने दहशत फैला दी। सुरपालिया थाना क्षेत्र के डेह गांव के निकट कुंजल माता मंदिर के पीछे बाईपास पर मंगलवार को डीजल से लदा टैंकर और एक ट्रक के बीच आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों में तुरंत आग लग गई और कुछ ही पलों में आग की लपटें 20-25 फीट ऊंची उठने लगीं। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दूर-दूर तक दिखाई देने लगीं, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों और टैंकर ड्राइवर के अनुसार, सामने से आ रहा ट्रक/ट्रेलर अचानक कट मारकर ओवरटेक करने लगा, जिससे संतुलन बिगड़ गया और सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद टैंकर में भरा डीजल रिसने लगा और आग भड़क उठी।

नशे का काला कारोबार : एएनटीएफ ने जालोर में 24 दिन में पकड़े एमडी बनाने के 3 कारखाने, 1700 किलो से अधिक डोडा पोस्त जब्त

जालोर, 5 मार्च (एजेंसियां)। एमडी, स्मैक, अफीम, डोडा और शराब तस्करी नेटवर्क का बड़ा केंद्र जालोर जिला बनता जा रहा है। हाल के दिनों में एएनटीएफ जालोर टीम की सक्रियता से बड़े स्तर पर अवैध कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई में कई खुलासे हुए हैं। टीम ने तस्करों की कमर तोड़ने का काम किया है। साथ ही यह संकेत भी मिले हैं कि विभिन्न तरीकों से नशे के कारोबार का नेटवर्क चलाने के लिए यहां के सरगना सक्रिय हैं।

एएनटीएफ टीम की जालोर जिले में चौकी की स्थापना 18 अक्टूबर को हुई थी। चार माह 15 दिन की अवधि में टीम ने 24 बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। प्रदेश में अब तक 175 कार्रवाई हो चुकी हैं। इन कार्रवाइयों में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए, जिनमें एमडी जैसे घातक नशे को बनाने की अवैध फैक्ट्रियां पकड़ी गईं। ये वही शातिर तस्कर थे, जो इस जानलेवा नशे का नेटवर्क देश के विभिन्न हिस्सों तक फैला रहे थे। एएनटीएफ चौकी जालोर की ओर से लगातार चार माह से बड़ी कार्रवाई की जा रही है। फरवरी 2026 में टीम ने सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए चौंकाने वाले खुलासे किए।

महिलाओं के स्वास्थ्य सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम : शिखा गोयल

> महिलाओं के लिए विशेष यूरोलॉजी केंद्र खुला

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। महिलाओं की मूत्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए व्यापक और विशेष चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से, बंजारा हिल्स स्थित एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेफ्रोलॉजी एंड यूरोलॉजी (एआईएनयू) ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'कार्यात्मक और महिला यूरोलॉजी केंद्र' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर, पूरी तरह से महिला चिकित्सा कर्मचारियों द्वारा संचालित एक 'ऑल-वुमेन ऑपरेशन थिएटर (ओटी)' का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित आईपीएस अधिकारी शिखा गोयल ने इस आयोजन को महिला स्वास्थ्य सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया एक अभिनव और सराहनीय कदम बताया। डॉक्टरों ने बताया कि महिलाओं में मूत्र असंयम, योनि अंग का खिसकना, बार-बार मूत्र मार्ग में संक्रमण और मूत्राशय में दर्द जैसी समस्याएं व्यापक रूप से पाई जाती हैं, इसके बावजूद सामाजिक कलंक और जागरूकता की कमी के कारण कई महिलाएं इलाज के लिए आगे नहीं आतीं।

उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के लिए एक ही स्थान पर व्यापक निदान और आधुनिक उपचार उपलब्ध कराने के लिए यह केंद्र स्थापित किया गया है। इस केंद्र में तीन मुख्य विभाग हैं : एक समर्पित ऑपरेशन थिएटर जिसमें पूरी तरह से महिला डॉक्टर, एनेस्थेसियोलॉजिस्ट, नर्स और तकनीशियन कार्यरत हैं। एक गैर-सर्जिकल श्रोणि मांसपेशी सुदृढ़ीकरण पुनर्वास कार्यक्रम और मूत्राशय के कार्य का आकलन करने के लिए यूरोडायनामिक परीक्षण की सुविधा। यह खुलासा हुआ कि पिछले पांच वर्षों में, एआईएनयू महिला मूत्रविज्ञान टीम ने सफलतापूर्वक 307 बड़ी सर्जरी की हैं। उन्होंने बताया कि मूत्र रिसाव, मूत्र फिस्टुला, सिस्टोसेल और महिला मूत्रप्लास्टी जैसी जटिल समस्याओं के इलाज के अनुभव के साथ इस विशेष केंद्र की स्थापना की गई थी।

वरिष्ठ सलाहकार डॉ. सारिका पंड्या ने कहा कि महिलाओं को अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को छिपाए बिना आगे आना चाहिए और यह केंद्र आधुनिक तकनीक के साथ व्यापक उपचार प्रदान करने में सहायक होगा। सलाहकार डॉ. दीप्ति सुरेका ने कहा कि इस ऑपरेशन थिएटर में सभी कर्मचारी महिलाएं हैं ताकि महिलाएं बिना किसी झिझक के चिकित्सा सेवाएं प्राप्त कर सकें। आयोजकों ने बताया कि इस केंद्र का उद्देश्य युवा महिलाओं से लेकर बुजुर्ग महिलाओं तक, महिलाओं की मूत्र संबंधी समस्याओं के लिए रोगी-केंद्रित, व्यापक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है।

केंद्र सरकार ने तेलंगाना की ग्राम पंचायतों को 11 हजार करोड़ रुपये दिए : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय तथा केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय (पेयजल एवं स्वच्छता विभाग) की सिफारिशों के अनुसार ग्रामीण स्थानीय संस्थाओं के विकास के लिए 15वें वित्त आयोग की निधियां केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा राज्यों को जारी की जाती हैं। संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में शामिल 29 विषयों के अंतर्गत स्थान आधारित आवश्यकताओं के लिए पंचायती राज संस्थाओं/ग्रामीण स्थानीय संस्थाओं को अनटाइड अनुदानों का उपयोग करना होता है।

वहीं टाइड अनुदानों का उपयोग स्वच्छता और ओडीएफ स्थिति बनाए रखने जैसी मूलभूत सेवाओं के लिए किया जा सकता है। इसमें घरेलू कचरा प्रबंधन एवं उपयोग, विशेष रूप से मानव मल प्रबंधन, पेयजल आपूर्ति, वर्षा जल संचयन तथा जल पुनर्चक्रण जैसी गतिविधियां शामिल हैं। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने तेलंगाना राज्य की ग्राम पंचायतों और स्थानीय संस्थाओं के लिए 11,000 करोड़ रुपये से अधिक की निधियां जारी की हैं। वर्ष 2015-16 से 2019-20 के बीच 5,060 करोड़ जारी किए गए, जबकि 2020-21 से 2025-26 के बीच यह आवंटन 80 प्रतिशत बढ़कर 9,050 करोड़ तक पहुंच गया। इनमें से 6,051 करोड़ की राशि जनवरी 2026 से पहले ही जारी की जा चुकी है। जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने से जवाबदेही और पारदर्शिता में सुधार होता है, ऐसा मोदी सरकार का दृढ़ विश्वास है। इसी के अनुरूप ग्रामीण स्थानीय संस्थाओं के विकास के लिए निधियां समय पर जारी की गई हैं। ग्रामीण स्थानीय संस्थाओं को वित्त आयोग के आवंटन के अंतर्गत वर्ष 2026 में तेलंगाना राज्य को अब तक 1,034.42 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। इन निधियों से राज्य की 12,702 ग्राम पंचायतों को बड़े पैमाने पर लाभ होगा। 5 फरवरी को तेलंगाना की ग्राम पंचायतों के लिए पहली किस्त के रूप में 259.36 करोड़ जारी किए गए, इसके बाद दूसरी किस्त के रूप में 387.1 करोड़ रुपये जारी किए गए। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 15वें वित्त आयोग की निधियों की तीसरी किस्त भी केंद्र सरकार ने हाल ही में जारी की है, जिसके तहत तेलंगाना को 387.96 करोड़ की राशि मिली है।

राज्य में ग्राम पंचायत चुनाव संपन्न होने के बाद ही हाल में ये निधियां जारी की गई हैं। इन निधियों के उपयोग से संबंधित व्यय प्रमाण पत्र (यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट) केंद्र सरकार को प्रस्तुत किए जाने के बाद शेष 2000 करोड़ की राशि भी तुरंत जारी कर दी जाएगी। 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार ग्रामीण स्थानीय संस्थाओं के लिए आवंटित निधियों के संबंध में निर्धारित दिशा-निर्देशों के तहत केंद्र सरकार से राज्यों को निधियां प्राप्त होते ही संबंधित राज्य सरकारों के वित्त विभाग को 10 कार्य दिवसों के भीतर बिना किसी कटौती के यह राशि संबंधित ग्राम पंचायतों को स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी के अनुसार तेलंगाना राज्य का वित्त विभाग भी इन निधियों को 10 कार्य दिवसों के भीतर संबंधित ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित करने के लिए बाध्य है। यदि 10 कार्य दिवसों से अधिक देरी होती है, तो राज्य सरकारों को अन्य योजनाओं के लिए लिए गए बाजार ऋण या राज्य विकास ऋण (एसडीएल) पर चुकाई जा रही ब्याज दर के अनुसार ग्राम पंचायतों को भी ब्याज सहित केंद्र की निधियां जारी करनी होंगी। दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक ग्राम पंचायत को निधियों के उपयोग के लिए एक अलग बैंक खाता संचालित करना होगा, जिसे पीएफएमएस पोर्टल में एक विशेष एजेंसी कोड के साथ पंजीकृत किया जाना चाहिए, ताकि निधियों के हस्तांतरण, व्यय और उपयोग प्रमाण पत्रों की प्रस्तुति पारदर्शिता के साथ हो सके।

भाई की हत्या के मामले में तीन भाइयों को 10 साल की सजा

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की एक अदालत ने तीन भाइयों को उनके भाई की हत्या के मामले में 10 साल कड़ी सजा सुनाई। यह मामला 2016 का है। VI अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायालय, कुक्टपल्ली, की न्यायाधीश सी. पवानी ने महेंद्र प्रसाद मिश्रा, धर्मेंद्र प्रसाद मिश्रा और बिरेन्द्र प्रसाद मिश्रा को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 और 323 के तहत दोषी ठहराया। यह मामला माधापुर पुलिस स्टेशन, साइबराबाद में दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, घटना 18 नवंबर 2016 को हुई, जब माधापुर के सिद्दीक़ नगर में किराये के कमरे में रह रहे चार भाइयों के बीच झगड़ा हुआ।

शोर सुनकर मकान मालिक और पड़ोसियों ने दरवाजा खोला और देखा कि देवेंद्र प्रसाद मिश्रा गहरे गले की चोटों के साथ खून में लथपथ पड़े हैं। जांच में सामने आया कि तीनों आरोपी ने पीड़ित पर चाकू और खिड़की का कांच से हमला किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गिरफ्तारी और मुकदमेबाजी के बाद, अदालत ने सभी तीनों आरोपियों को दोषी करार दिया और 10 साल कड़ी सजा के साथ प्रत्येक को 2 हजार जुर्माना लगाया।

रंगारेड्डी में 'प्रजापालना-प्रगति योजना' का शुभारंभ

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले में 6 मार्च से 12 जून तक 99 दिनों तक चलने वाले प्रजापालना-प्रगति योजना कार्यक्रम को जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर के सम्मेलन कक्ष में जिला अधिकारियों, आरडीओ, एमपीडीओ, तहसीलदार, एमपीओ, नगर आयुक्तों और वार्ड अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर के. चंद्र रेड्डी और श्रीनिवास भी उपस्थित थे। इस अवसर पर कलेक्टर ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य गांवों और कस्बों में जनता को विकास और कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करना और यह सुनिश्चित करना है कि सभी पात्र लोग योजनाओं का लाभ प्राप्त करें। कार्यक्रम में जिला, मंडल और ग्राम स्तर के सभी जनप्रतिनिधि शामिल होंगे और इसे टीम वर्क के माध्यम से पूरे जिले में लागू किया जाएगा। कलेक्टर ने बताया कि योजना में कुल 10 विषय स्वच्छता, फाइल निपटान, स्वास्थ्य, सुरक्षित आगमन, कल्याण, बाल सुरक्षा, कृषि, शिक्षा, युवा एवं खेल, महिला एवं पर्यावरण। प्रत्येक विषय के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को दस्तावेजीकरण के निर्देश दिए और कहा कि कार्यक्रम शुरू होने से पहले और बाद में तस्वीरें और वीडियो लेकर पूरी प्रक्रिया का रिकॉर्ड रखा जाए। दैनिक गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि 6 से 15 मार्च तक स्वच्छता और फाइल निपटान कार्यक्रम चलेगा। उद्घाटन समारोह 6 मार्च को सभी मंडलों और नगरपालिकाओं में आयोजित होगा।

सरकारी कार्यालयों में कचरा प्रबंधन, लंबित फाइलों का शीघ्र निपटान, अभिलेखों का उचित रखरखाव और जनता को समय पर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए विशेष उपाय किए जाएंगे। गांवों और नगरपालिकाओं में गीले और सूखे कचरे का अलग-अलग संग्रहण, सार्वजनिक स्थानों से कचरा हटाना, सरकारी भवनों की सफाई और खरपतवारों को हटाना प्रमुख गतिविधियों में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हर कार्य जनता को स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। कलेक्टर ने चेतावनी दी कि कार्यक्रम को सफल बनाने में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) के. चंद्र रेड्डी, अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) के. श्रीनिवास, डीआरओ संगीता, जिला परिषद के सीईओ कृष्णा रेड्डी, डीएसपी सुरेश मोहन, सीपीओ सौम्या, पीडी डीआरडीए श्रीलता, कृषि विभाग की अधिकारी उषा, नागरिक आपूर्ति विभाग की अधिकारी वनजता, मिशन भागीरथा के अधिकारी, आर एंड बी के अधिकारी, कल्याण विभाग के अधिकारी रामाराव, नवीन कुमार रेड्डी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

निर्माणाधीन भवन का स्कैफोल्ड गिरने से तीन मजदूरों की मौत

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के टोलाचौकी क्षेत्र में निर्माणाधीन भवन में स्कैफोल्ड गिरने की दुर्घटना में तीन निर्माण मजदूरों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब मजदूर भवन की पांचवीं मंजिल पर काम कर रहे थे। अचानक लकड़ी का सहारा देने वाला स्कैफोल्ड ढह गया, जिससे पांचों मजदूर पांचवीं मंजिल से नीचे गिर गए। इस हादसे में तीन मजदूरों की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए। घायल मजदूरों को तुरंत निकटवर्ती निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।सूचना मिलते ही टोलीचौकी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। साथ ही पुलिस ने दुर्घटना के सटीक कारणों की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

टोलीचौकी निर्माण दुर्घटना पर टीपीसीसी अध्यक्ष ने जताया गहरा दुख

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के टोलीचौकी क्षेत्र में निर्माणाधीन सात मंजिला भवन दुर्घटना में दो मजदूरों की मौत और तीन अन्य के गंभीर रूप से घायल होने की खबर ने सभी को स्तब्ध कर दिया। इस दुखद घटना पर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने मारे गए मजदूरों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि परिवारजन इस अपूरणीय क्षति को सहने का साहस प्राप्त करें। साथ ही, दुर्घटना में घायल हुए मजदूरों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध किया। महेश कुमार गौड़ ने अधिकारियों से निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने और भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सख्त उपाय करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा नियमों की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। यह दुर्घटना निर्माण क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता को दोबारा रेखांकित करती है और जिम्मेदार अधिकारियों के लिए चेतावनी भी है।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 162वां निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 8 मार्च को

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा रोशनलाल अग्रवाल फाउंडेशन ट्रस्ट एवं डॉ.बी.आर.अम्बेडकर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन्स के सहयोग से 162वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार 8 मार्च को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक बागलिंगमपल्ली स्थित डॉ.बी.आर.अम्बेडकर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन्स में आयोजित किया जाएगा।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स अस्पताल बेगमपेट द्वारा हड्डी, हृदय, ईसीजी 2डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप, सामान्य चिकित्सा की सेवा प्रदान की जाएगी। नेत्रों की जांच एलसीएच साधुराम आई हॉस्पिटल दोमलगुडा द्वारा की जाएगी और नेत्रों की जांच के पश्चात योग्य को निशुल्क चश्मों का वितरण एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल्स क्लिनिक (पुरणदास रणछोडदास) के डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मिनल खैरिया सुगंधी द्वारा की जाएगी। फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो की डॉ. मीता बजाज द्वारा तथा दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. एस.तेजस्वी नवनीत द्वारा की जाएगी।

श्री भगवान भगवान विकलांग सहायता समिति हैदराबाद द्वारा निशुल्क जांच कर योग्य को एड्स एवं एप्लायंसेज कृत्रिम अंग, हैड किट्स, कैलिपर्स, हैंड्स आदि की सेवा प्रदान की जाएगी। शिविर में आवश्यक रोगी के लिए निशुल्क डायलिसिस की भी सेवा प्रदान की जाएगी। शिविर में रोगी अपने साथ चिकित्सा के पूर्व रिकार्ड साथ लाएं ताकि उनका उचित परामर्श किया जा सके। शिविर में नाम पंजीकरण शिविर स्थल पर सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा जबकि शिविर दोपहर 2 बजे तक जारी रहेगा। क्षेत्र के निवासियों से इस शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है। अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, राजेश अग्रवाल, रघु, लक्ष्मण वर्मा से संपर्क किया जा सकता है।

बालाजी नगर स्थित कुमावत समाज बालाजी नगर में होली महोत्सव के तहत बच्चों की ढूंढ कार्यक्रम के साथ फूलों की होली खेली गई है। साथ ही रंगारंग गेर नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष पूनमचन्द डैया, सचिव चेतन पटेल नाराणिया, समस्त कार्यकारणी सदस्यगण, महिला मंडल व समाज बन्धु उपस्थित थे।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद के अधीन 'राष्ट्रीय भारतीय आयुर्विज्ञान विरासत संस्थान' द्वारा आज नामपल्ली स्थित एक होटल में अनुसंधान-उन्मुख सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रमों के अंतर्गत एक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों को आधुनिक अनुसंधान पद्धतियों से जोड़ना है। वर्तमान में कई महत्वपूर्ण शोध परियोजनाएं इन कार्यक्रमों के साथ एकीकृत हैं, जैसे- सिकल सेल एनीमिया में आयुर्वेद-आधारित जीवनशैली और औषधीय पौधों के प्रभाव का मूल्यांकन, तथा 'विरूद्ध आहार' एवं सोरायसिस के बीच संबंध पर केस-कंट्रोल सर्वे अध्ययन का समावेश है। संस्थान के अनुसार, उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए यह प्रशिक्षण देशभर के विभिन्न आयुर्वेद संस्थानों से जुड़े चिकित्सा अधिकारियों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों को कार्यप्रणाली, प्रलेखन और सर्वेक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कौशल प्रदान करेगा।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना सरकार के आयुष विभाग के निदेशक डॉ. पेरुगु श्रीकांत बाबू उपस्थित रहे। साथ ही, केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक प्रो. (वैद्य) रबिनारायण आचार्य, उप-महानिदेशक डॉ.एन. श्रीकांत, प्रभारी सहायक निदेशक डॉ.जी.पी. प्रसाद सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम समन्वयक और सह-अध्यक्ष डॉ.एन. श्रीकांत ने अन्वेषकों के लिए आवश्यक अनुसंधान बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इसकी आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य अतिथि डॉ. पेरुगु श्रीकांत बाबू जी ने सीसीआरएएस एवं तेलंगाना आयुष विभाग के बीच सहयोगात्मक कार्यों में विशेष रुचि दिखाते हुए आयुर्वेद को जन-सामान्य तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस उद्घाटन सत्र के दौरान संस्थान द्वारा प्रकाशित दो पुस्तकों राष्ट्रीय भारतीय आयुर्विज्ञान विरासत संस्थान , हैदराबाद, भारत में संरक्षित 105 यूनानी चिकित्सा पांडुलिपियों की वर्णनात्मक सूची तथा इब्न सीना एकेडमी ऑफ मेडिवल मेडिसिन एंड साइंसेज, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, भारत में संरक्षित 373 यूनानी चिकित्सा पांडुलिपियों की वर्णनात्मक सूची का विमोचन भी किया गया। कार्यशाला में देशभर के 31 राज्यों से 150 से अधिक आयुर्वेद वैज्ञानिक एवं अनुसंधानकर्ता सम्मिलित हो रहे हैं।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. सुभोस, डॉ. गोविंदा रेड्डी, डॉ. अशफाक अहमद, डॉ.वी. श्रीदेवी और संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सक्रिय सहयोग रहा।

राजस्थानी जागृति समिति का

श्रीमद् भागवत कथा 9 अप्रैल से

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी जागृति समिति के तत्वाधान में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 9 अप्रैल से 15 अप्रैल तक प्रति दिन 3 बजे से सायं 7 बजे तक बाहेती भवन सिद्धअम्बर बाजार हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। इस आशय की जानकारी समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी। सोमानी ने कहा कथा वाचक बाल व्यास हरि प्रिया वैष्णवी होंगी।

सभी समाज के बंधुओं से अपने परिवार के पितरों के निमित उनका नाम फोटु मूल पाठ के साथ पूजा में जुड़ सकते हैं। इसके लिए वह समिति अध्यक्ष के पास 28 मार्च से पहले पंजीकृत करा लें।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

'सैन्य संघर्ष समाधान ...

बल्कि अत्यावश्यक भी है, और आतंकवाद को उसके सभी रूपों में समाप्त करना हमारी साझा प्रतिबद्धता है।

इससे पहले पीएम मोदी ने संबोधित करते हुए कहा, 13वें फिनलैंड के राष्ट्रपति के रूप में अपनी पहली भारत यात्रा पर मैं राष्ट्रपति स्टब का हार्दिक स्वागत करता हूं। आप जैसे अनुभवी और बेजोड़े नेता का इस वर्ष के रायसीना डायलॉग का चीफ गेस्ट बनना हमारे लिए बहुत सम्मान और खुशी की बात है।

भारत और फिनलैंड महत्वपूर्ण साझेदार हैं :

पीएम मोदी ने आगे कहा कि, वर्ष 2026 की शुरूआत में ऐतिहासिक भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौता हुआ। ये एग्रीमेंट भारत और फिनलैंड के बीच व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग को और प्रबल करेगा। डिजिटल प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचा और स्थिरता जैसे क्षेत्रों में भारत और फिनलैंड महत्वपूर्ण साझेदार हैं। नोकिया के मोबाइल फोन और टेलीकॉम नेटवर्क ने करोड़ों भारतीयों को जोड़ा है। फिनलैंड के आर्किटेक्ट के सहयोग से हमने चिनाब नदी पर विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज बनाया है।

नीतीश ने राज्यसभा ...

उनका जो कार्यकाल मुख्यमंत्री होने के नाते हैं, उसे बिहार के लोग याद भी करेंगे और उसका सम्मान भी करेंगे। मैं फिर से नितिन नवीन और नीतीश कुमार का राज्यसभा में आने पर स्वागत करता हूं।

नीतीश बोले- नई सरकार को पूरा सपोर्ट :

नामांकन से पहले नीतीश कुमार ने अपने एक्स पर लिखा कि, संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही मेरे मन में एक इच्छा थी कि मैं बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के भी दोनों सदनों का सदस्य बनूं। इसी क्रम में इस बार हो रहे चुनाव में राज्यसभा का सदस्य बनना चाह रहा हूं। बिहार की नई सरकार को मेरा सपोर्ट रहेगा।

नीतीश के ऐलान पर तेजस्वी यादव ने कहा है कि, बिहार में महाराष्ट्र मॉडल बीजेपी ने लागू किया है। भाजपा ने नीतीश कुमार को इतना टॉर्चर किया कि उन्हें इस्तीफा देना पड़ रहा है। बीजेपी अपनी सहयोगी पार्टी को खत्म कर देती है। बीजेपी ने नीतीश को हाईजैक किया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईसीसी रैंकिंग में बड़ा बदलाव
संजू सैमसन ने 25 खिलाड़ियों को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच में आईसीसी ने खिलाड़ियों की ताजा टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग जारी कर दी है, जिसमें भारतीय बल्लेबाजों और गेंदबाजों को जबरदस्त फायदा हुआ है. सेमीफाइनल में पहुंच चुकी भारतीय टीम के प्रदर्शन ने रैंकिंग पर असर डाला है, खासकर संजू सैमसन के शानदार फॉर्म ने उन्हें बड़ी उछाल दी है. वहीं, तिलक वर्मा और ईशान किशन को भी फायदा हुआ है. गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह जैसे स्टार गेंदबाजों ने अपनी रैंकिंग सुधारी है.

आईसीसी रैंकिंग में संजू सैमसन का जलवा

बल्लेबाजों की रैंकिंग में संजू सैमसन ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी हैं. उन्होंने एक साथ 25 पायदानों की छलांग लगाई है और 65वें स्थान से सीधे 40वें नंबर पर पहुंच गए हैं. उनके रेटिंग पॉइंट्स अब 549 हो गए हैं. सैमसन का यह उछाल वर्ल्ड कप में उनके बेहतरीन प्रदर्शन का नतीजा है, जहां उन्होंने सुपर-8 के आखिरी मैच में 97 रनों की एक अहम पारी खेली और टीम को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई.

भारतीय ओपनर ईशान किशन को भी फायदा हुआ है. वह 5वें से एक पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर आ गए हैं. तिलक वर्मा ने भी एक स्थान की छलांग लगाई और 7वें से 6ठे नंबर पर पहुंच गए हैं. हालांकि, सूर्यकुमार यादव को नुकसान हुआ है और वह 7वें स्थान पर खिसक गए हैं. अच्छी खबर यह है कि अभिषेक शर्मा अभी भी नंबर 1 बल्लेबाज बने हुए हैं और टॉप पर अपनी पकड़ मजबूत रखी है.

बुमराह-अर्शदीप को फायदा

गेंदबाजों की रैंकिंग में भी भारतीय गेंदबाजों का दबदबा दिख रहा है. जसप्रीत बुमराह ने एक पायदान की छलांग लगाई और 8वें से 7वें स्थान पर आ गए हैं. उनकी बड़े मैचों में विकेट लेने की क्षमता ने उन्हें यह फायदा पहुंचाया है. अर्शदीप सिंह ने भी शानदार प्रदर्शन किया है और 6 खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं. मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती टॉप पर कायम हैं और नंबर 1 गेंदबाज बने हुए हैं. यह रैंकिंग अपडेट टी20 वर्ल्ड कप के नॉकआउट स्टेज से ठीक पहले आए हैं, जहां भारत 5 मार्च को मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल खेलने वाला है.

जम्मू-कश्मीर टीम ने जय शाह से मुलाकात की
राज्य में क्रिकेट को बढ़ावा देने पर आभार जताया, बीसीसीआई ने फोटो शेयर किए

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर ने 67 साल में पहला रणजी ट्रॉफी जीता है। इस जीत के बाद टीम के खिलाड़ियों ने आईसीसी के चैयरमैन जय शाह से मुलाकात की। बीसीसीआई ने फोटोज शेयर किए हैं। खिलाड़ियों ने जम्मू-कश्मीर में क्रिकेट को मजबूत बनाने में उनके योगदान के लिए जय शाह को धन्यवाद दिया।

बीसीसीआई ने एक्स पर बताया कि रणजी ट्रॉफी का पहला खिताब जीतने के बाद जम्मू-कश्मीर टीम ने जय शाह से मिलने की इच्छा जताई। खिलाड़ियों ने कहा कि बीसीसीआई के सचिव रहते हुए जय शाह की लीडरशिप ने राज्य में क्रिकेट को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई।

बीसीसीआई ने अपने पोस्ट में जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक जीत की तारीफ की और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए जय शाह का धन्यवाद किया।

कप्तान पारस डोगरा की अगुवाई में जम्मू-कश्मीर ने 67 साल का इंतजार खत्म करते हुए 2025-26 सीजन में अपना पहला रणजी ट्रॉफी खिताब जीता। फाइनल मैच ड्रॉ रहा, लेकिन पहली पारी में बड़ी बढ़त के कारण टीम को विजेता घोषित किया गया। टीम ने 8 बार की विजेता कर्नाटक को हराया है। बेंगलुरु के पास हुवली क्रिकेट ग्राउंड पर 5 दिन मैच में 24 फरवरी को जम्मू एंड कश्मीर की टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 584 रन बनाए थे। इसके बाद उन्होंने कर्नाटक को 293 रन पर ऑल आउट कर दिया था।

टीम ने 8 बार की विजेता कर्नाटक को हराया

दूसरी पारी में जम्मू कश्मीर ने 4 विकेट पर 342 रन बनाए और पारी डिक्लेयर कर दी। पहली पारी में मिली बढ़त की आधार पर जम्मू कश्मीर की टीम को विजेता घोषित किया गया। टीम ने 8 बार की विजेता कर्नाटक को हराया है।

सचिन तेंदुलकर के बेटे की शादी: धोनी पत्नी साक्षी के साथ पहुंचे
सुरेश रैना, हरभजन,राहुल द्रविड़ भी समारोह में मौजूद

मुंबई, 5 मार्च (एजेंसियां)। सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक की आज (5 मार्च) को शादी हो रही है। शादी के लिए गेस्ट वेन्यू पर पहुंचने लगे हैं। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़, महेंद्र सिंह धोनी, अनिल कुंबले समारोह में पहुंच गए हैं। क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे, सुरेश रैना, हरभजन सिंह भी शादी में पहुंचे हैं। शादी के फंक्शन 3 मार्च से ही चल रहे हैं।

अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक के प्री-वेडिंग फंक्शन 27 फरवरी को गुजरात के जामनगर में अंबानी परिवार के घर में हुए थे। दोनों ने अगस्त 2025 में सगाई की थी। सानिया चंडोक ग्रैविस ग्रुप के चेयरमैन रवि घई की पोती हैं। अर्जुन की बहन सारा की करीबी दोस्त भी हैं।

सचिन बोले- बेटे को प्यार करने वाला जीवनसाथी मिला

कार्यक्रम का सबसे यादगार पल तब था जब सचिन तेंदुलकर ने माइक संभाला। सचिन ने कहा- 'अर्जुन, मुझे तुम पर बहुत गर्व है। जब कोई बेटा, बेटी को घर लाता है और उसका परिचय कराता है तो पिता समझ जाता है कि बेटा अब बड़ा हो गया है। अर्जुन और सानिया एक-दूसरे के प्यार में पागल और बेहद खुश दिख रहे हैं। अर्जुन, तुम्हें ऐसा साथी मिल गया है, जो तुमसे उतना ही प्यार करता है, जितना तुम उससे करते हो।'

तेंदुलकर और चंडोक फैमिली का स्वागत करते हुए नीता अंबानी ने कहा, 'सचिन और अंजलि, आप हमेशा से हमारे परिवार का हिस्सा रहे हैं। आपकी खुशी में शामिल होकर हमारा दिल खुशी से भर गया है। मैंने अर्जुन को एक छोटे बच्चे से एक जिम्मेदार युवक बनते देखा है। आज वह अपने जीवन की सबसे खूबसूरत साझेदारी की शुरुआत करने जा रहा है।'

सचिन ने पीएम मोदी, राष्ट्रपति और राहुल गांधी को भी न्योता दिया

सचिन ने अपने बेटे की शादी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भी न्योता दिया है। 10 दिन पहले वे दिल्ली गए थे, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें शादी का निमंत्रण दिया।

सचिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। सचिन ने लिखा, 'प्रधानमंत्री को शादी का निमंत्रण देना हमारे लिए सम्मान की बात है।' सचिन ने युवा जोड़े को प्रधानमंत्री से मिले आशीर्वाद के लिए धन्यवाद भी दिया। पढ़ें पूरी खबर...

पैट स्पा सेंटर की डायरेक्टर है सानिया

सानिया चंडोक मशहूर बिजनेस परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद सानिया लाइमलाइट से दूर रहती हैं। वे मुंबई में ही मिस्टर पॉज पैट स्पा एंड स्टोर एलएलपी की पार्टनर और डायरेक्टर हैं। यह पशुओं की स्किनकेयर, ग्रूमिंग और इससे रिलेटेड प्रोडक्ट्स की सेवाएं देता है। सानिया ने इसकी शुरुआत 2022 में एक लाख रुपए से की थी। सानिया की फैमिली यानी घई परिवार हॉस्पिटैलिटी और फूड वर्ल्ड में जाना-माना नाम है। उनका इंटरकॉन्टिनेंटल होटल्स ग्रुप है, जिसकी मल्टीनेशनल वैल्यू 18.43 बिलियन डॉलर (1.6 लाख करोड़ रुपए) है। वहीं मुंबई में इंटरकॉन्टिनेंटल होटल है। चंडोक परिवार फेमस आइसक्रीम ब्रांड ब्रूकलिन क्रीमरी का भी मालिक है।

रेणुका सिंह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट से बाहर
वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण आराम दिया, काशवी गौतम को मौका; 6 मार्च से पर्थ में मुकाबला

पर्थ, 5 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट से पहले इंडिया विमेंस ने तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण आराम दे दिया। उनकी जगह ऑलरांडर काशवी गौतम को टीम में जगह मिली। काशवी वनडे सीरीज का भी हिस्सा थीं।

लगातार क्रिकेट खेल रही थीं रेणुका

मेडिकल टीम ने बीसीसीआई से कहा कि रेणुका लगातार क्रिकेट खेल रही हैं। विमेंस प्रीमियर लीग के बाद उन्होंने टीम के लिए सभी मैच खेले। फिटनेस और टी-20 वर्ल्ड कप को देखते हुए उन्हें टेस्ट से आराम दे देना चाहिए।

बीसीसीआई ने कहा, पर्थ के वाका में होने वाले पिंक-बॉल टेस्ट के लिए रेणुका उपलब्ध नहीं रहेंगी। उनके वर्कलोड को बेहतर मैनेज करने के लिए यह फैसला लिया गया। मेडिकल टीम उनकी

फिटनेस पर लगातार नजर रखेगी।

रेणुका ने टी-20 और वनडे सीरीज में पूरे मैच खेले

इंडिया विमेंस फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में मल्टी फॉर्मेट सीरीज खेलने के लिए गई हैं। रेणुका ने 3 टी-20 में 4 विकेट लिए, वहीं 3 वनडे में वे 2 विकेट ही अपने नाम कर सकीं।

सीरीज में 8-4 से आगे ऑस्ट्रेलिया

भारत ने टी-20 सीरीज 2-1 से जीती। वनडे सीरीज ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से जीती। ऑस्ट्रेलिया में विमेंस क्रिकेट सीरीज में हर मैच के अलग-अलग पॉइंट्स होते हैं। व्हाइट बॉल मैच जीतने पर 2 पॉइंट्स मिलते हैं। इसलिए ऑस्ट्रेलिया के 8 और भारत के पास 4 पॉइंट्स हैं। अगर भारत ने टेस्ट जीत लिया तो दोनों के 8-8 पॉइंट्स हो जाएंगे और सीरीज ड्रॉ रहेगी। टेस्ट ड्रॉ होने पर दोनों टीमों को 2-2 पॉइंट्स मिलेंगे, ऐसे में ट्रॉफी ऑस्ट्रेलिया के पास चली जाएगी।

इंडिया विमेंस की अपडेटेड टेस्ट टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्ज, हरलीन देओल, प्रतिका रावल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, स्नेह राणा, सयाली साटघरे, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, काशवी गौतम और वैष्णवी शर्मा।

हरियाणा का आयरन मैन अर्जेंटीना में लड़ेगा बड़ी फाइट
26 साल छोटे फ्रेंच फाइटर को चुनौती देंगे संग्राम सिंह; 5 अप्रैल को मुकाबला

सोनीपत, 5 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के दिग्गज एमएमए फाइटर संग्राम सिंह एक बार फिर इतिहास रचने की दहलीज पर खड़े हैं। प्रोफेशनल रेसलिंग से मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) की दुनिया में कदम रखने वाले संग्राम अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का झंडा बुलंद करने जा रहे हैं।

5 अप्रैल 2026 को अर्जेंटीना के टाइग्रे, ब्यूनस आयर्स में आयोजित होने जा रहे समुराई फाइट हाउस 28 में संग्राम सिंह मुख्य मुकाबले में उतरेंगे। यह सिर्फ एक फाइट नहीं, बल्कि भारतीय एमएमए इतिहास का वह क्षण होगा जब पहली बार कोई भारतीय फाइटर अर्जेंटीना की धरती पर प्रतिस्पर्धा करेगा।

संग्राम सिंह अपनी उम्र से 26 साल छोटे फ्रांस के उभरते हुए फाइटर माटेओ मोंटेइरो के साथ फाइट करेंगे। ऐसा पहली बार हो रहा है कि इतनी ज्यादा उम्र में तेज-तर्रार युवक से संग्राम फाइट करेंगे।

रोजाना 6 घंटे कर रहे प्रैक्टिस

संग्राम भारतीय और रशियन कोच की निगरानी में रोज 6 घंटे प्रैक्टिस कर रहे हैं।

ॉपिछले दिनों संग्राम सिंह पेरिस, थाईलैंड और बाली में ट्रेनिंग शेड्यूल पूरा करके आए थे। खास बात ये है कि हरियाणवी फाइटर शुद्ध शाकाहार पर निर्भर हैं। दूध-घी-चूरमा उनकी डाइट का अहम हिस्सा है। संग्राम सिंह दो बार एमएमए खिताब जीत चुके हैं। इंग्लैंड के पहली बार केज में उतरेंगे।

टाइग्रे, ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना में आयोजित समुराई फाइट हाउस 28 का यह मुकाबला उनके करियर की तीसरा प्रोफेशनल फाइट है। संग्राम मूलरूप से रोहतक के मदीना गांव से नाता रखते हैं। एमएमए में बॉक्सिंग, किक बॉक्सिंग, रेसलिंग, जूडो, कराटे और ब्राजीलियन जिउ-जित्सु सब शामिल रहता है। यानी एक ही फाइट में मारना, पकड़ना, गिराना और सबमिशन सब कुछ शामिल होता है।

पाकिस्तान के खिलाड़ी पर आरोप
श्रीलंका में होटल स्टाफ के साथ खराब व्यवहार

कोलंबो, 5 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2026 काफी खराब रहा, जिसके चलते खिलाड़ियों को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने खिलाड़ियों के खिलाफ एक्शन भी लिया है. इन सब के बीच एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है. दरअसल, पाकिस्तान की टीम ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे. वहां टीम होटल में एक ऐसी घटना घटी थी, जिसने पाकिस्तान टीम के मैनेजर नवीद चीमा को एक्शन लेने पर मजबूर कर दिया था.

पाकिस्तान के एक खिलाड़ी पर श्रीलंका में होटल स्टाफ के साथ कथित बुरे व्यवहार का आरोप लगा है, जिसके बाद इस खिलाड़ी पर जुर्माना भी लगाया गया. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना श्रीलंका के कैंडी स्थित गोल्डन क्राउन होटल में हुई, जहां पाकिस्तान टीम वर्ल्ड कप के दौरान ठहरी हुई थी. आरोप के मुताबिक, टीम के एक खिलाड़ी ने महिला हाउसकीपिंग स्टाफ के साथ खराब व्यवहार किया. जिसके बाद होटल के अधिकारियों ने इसकी शिकायत टीम मैनेजर नवीद चीमा से की. मैनेजर ने खिलाड़ी पर जुर्माना लगाया और होटल मैनेजमेंट से माफी मांगी.

टीम मैनेजर नवीद चीमा की ओर से मामले को जल्दी निपटाया गया, लेकिन खिलाड़ी को आगे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की डिसिप्लिनरी कमेटी के सामने पेश होने की संभावना है, जहां आगे की कार्रवाई हो सकती है. टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना के दौरान महिला हाउसकीपिंग स्टाफ ने चिल्लाकर मदद के लिए पुकारा, जिसके बाद होटल के कर्मचारी उसकी मदद के लिए आए. हालांकि, खिलाड़ी का नाम अभी तक सामने नहीं आया है.

यह घटना पाकिस्तान के आखिरी सुपर-8 मैच से ठीक पहले या उसके आसपास घटी थी, जिसमें उन्होंने श्रीलंका को सिर्फ 5 रनों से हराया था. हालांकि इस जीत के बावजूद टीम नेट रन रेट के कारण सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाई, जिससे उनका अभियान निराशाजनक रहा. बता दें, पाकिस्तान क्रिकेट में ऐसे विवाद पहली बार नहीं हैं. पहले भी टीम के दौरे के दौरान खिलाड़ियों या सपोर्ट स्टाफ पर अनुशासनहीनता के आरोप लग चुके हैं.

बाबर और सईम बांग्लादेश सीरीज से बाहर
6 अनकैप्ड प्लेयर्स को मौका

इस्लामाबाद, 5 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टी-20 वर्ल्ड कप में अपनी टीम के खराब प्रदर्शन का गुस्सा वनडे टीम पर उतारा। बांग्लादेश सीरीज के लिए टीम अनाउंस हुई। वर्ल्ड कप में बुरी तरह फ्लॉप रहे पूर्व कप्तान बाबर आजम और सईम अयूब को टीम से बाहर कर दिया।

टीम में 6 अनकैप्ड प्लेयर्स और वर्ल्ड कप में टॉप स्कोरर रहे साहिबजादा फरहान को शामिल कर लिया। फरहान ने अक्टूबर 2024 से कोई घरेलू लिस्ट-ए मैच भी नहीं खेला है। वे अब तक पाकिस्तान के लिए वनडे डेब्यू भी नहीं कर सके।

तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ही पाकिस्तान की कप्तानी करेंगे। उन्हें पिछले साल ही मोहम्मद रिजवान के बाद कप्तान बनाया गया था। वर्ल्ड कप टीम से बाहर रहे विकेटकीपर रिजवान वनडे टीम में अपनी जगह बरकरार रखने में कामयाब रहे। टी-20 कप्तान सलमान अली आगा, ऑलराउंडर फहीम अशरफ और लेग स्पिनर अबरार अहमद को भी टीम में जगह मिल गई।

वनडे सीरीज में कई प्लेयर्स को डेब्यू का मौका मिल सकता है। 28 साल के अब्दुल समद को जगह मिली, जिन्होंने टी-20 क्रिकेट में फिनिशर के रूप में पहचान बनाई। 21 साल के शामिल हुसैन और और 20 साल के माज सदाकत भी स्क्वॉड का हिस्सा हैं। 3 लिस्ट-ए मैच खेलने वाले 21 साल के शाद मसूद और गाजी घोरी भी टीम में शामिल किए गए हैं।

अबरार के अलावा बॉलिंग डिपार्टमेंट में मोहम्मद वसीम जूनियर और हारिस रऊफ शामिल किए गए। बैटिंग ऑलराउंडर हुसैन तलत के साथ चाइनामैन फैसल अकरम भी टीम का हिस्सा हैं, जिन्होंने 2024 में वनडे डेब्यू किया था। सईम अयूब और बाबर आजम अपने करियर में सबसे ज्यादा मजबूत वनडे फॉर्मेट में ही नजर आए। पिछले 13 मुकाबलों में अयूब ने 3 शतक और 2 फिफ्टी लगाईं। 2024 में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका में वनडे सीरीज जीत में अयूब ने अहम भूमिका निभाई थी। अयूब वर्ल्ड कप में जरूर फ्लॉप रहे, लेकिन उनकी स्पिन गेंदबाजी ने टीम को अहम विकेट दिलाए थे।

इंग्लिश प्रीमियर लीग : न्यूकैसल ने 10 खिलाड़ियों से मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराया

मैनचेस्टर सिटी, 5 मार्च (एजेंसियां)। इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल में बड़े उलटफेर देखने को मिले। न्यूकैसल ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए मैनचेस्टर यूनाइटेड को हरा दिया। जोआओ पेड्रो की हैट्रिक से चेल्सी ने एस्टन विला को 4-1 से हराया।

आर्सनल ने टूर्नामेंट में 20वीं जीत से नंबर-1 पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। वहीं नॉटिंघम फॉरेस्ट ने 10 बार की चैंपियन मैनचेस्टर सिटी को ड्रॉ पर रोक दिया।

न्यूकैसल के सेंट जेम्स पार्क में बेहद रोमांचक मुकाबला खेला गया। फर्स्ट हाफ के इंजरी टाइम में जैकब रेम्सी 2 यलो कार्ड मिलने के कारण मैच से बाहर हो गए। 10 प्लेयर्स के बावजूद टीम ने 2-1 से मैच जीता और पॉइंट्स टेबल में 12वां स्थान हासिल कर लिया। इस हार के बाद मैनचेस्टर यूनाइटेड तीसरे नंबर पर ही मौजूद है।

मैनचेस्टर के इथियाड स्टेडियम में मैनचेस्टर सिटी और नॉटिंघम के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। मैच जीतकर 10 बार की चैंपियन सिटी पॉइंट्स टेबल में अपनी स्थिति मजबूत कर सकती थी, लेकिन नॉटिंघम ने टीम को 2-2 के ड्रॉ पर रोक दिया।

आर्सनल ने ब्राइटन के घर में जाकर उन्हें 1-0 से हरा दिया। मैच का इकलौता गोल 9वें मिनट में बुकायो साका ने किया। वे अपने करियर का 300वां मैच खेल रहे थे। इस गोल के बाद दोनों ही टीमों ने अपने डिफेंस पर जोर दिया, जिस कारण गोल के ज्यादा मौके नहीं बन सके। टूर्नामेंट में 20वीं जीत से आर्सनल 67 पॉइंट्स लेकर टॉप पर मौजूद है। मैनचेस्टर सिटी 60 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर है।

सरफराज अहमद को मिलने वाली है पाकिस्तान टीम में बड़ी जिम्मेदारी

इस्लामाबाद, 5 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को बड़ी जिम्मेदारी मिलने वाली है. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड उन्हें 5 महीने बाद बड़ी जिम्मेदारी देने वाली है. हाल ही में पाकिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में निराशाजनक प्रदर्शन किया था. टीम का सफर सुपर 8 में ही खत्म हो गया था. अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड कोचिंग युनिट में बड़ा बदलाव करने वाली है.

सरफराज अहमद को मिलने वाली है बड़ी जिम्मेदारी

सरफराज अहमद को पाकिस्तान सीनियर टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया जा सकता है. 5 महीने बाद उन्हें ये जिम्मेदारी मिल सकती है. फिलहाल इस पद पर माइक हेसन हैं, लेकिन उनकी कोचिंग में टीम का प्रदर्शन अच्छा

नहीं रहा है. सरफराज मई में बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान की टेस्ट श्रृंखला के दौरान यह भूमिका संभालेंगे. फिलहाल सरफराज खान पाकिस्तान अंडर-19 और पाकिस्तान शाहिन के लिए काम कर रहे हैं. उनकी कोचिंग में पाकिस्तान अंडर-19 टीम ने एशिया कप का खिताब भी जीता है. इसके अलावा सरफराज खुद अपनी कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी 2017 पाकिस्तान को जितवा चुके हैं.

ऐसा रहा है करियर

38 साल के सरफराज ने पाकिस्तान के लिए 54 टेस्ट मैच में 37.41 की औसत के साथ 3031 रन बनाए हैं. इसके अलावा 117 वनडे मैच में उन्होंने 33.55 की औसत के साथ 2315 रन बनाए हैं. वहीं, 61 टी-20 मैच में सरफराज के बल्ले से 818 रन निकले हैं. टेस्ट में उनके नाम 4 शतक और वनडे में 2 शतक दर्ज हैं.

अभिषेक मनु सिंघवी, वेम नरेंद्र रेड्डी ने नामांकन दाखिल किया

कांग्रेस की राज्यसभा सीटें निर्विरोध जीतने की संभावना

> सभी पक्षों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखते हैं नरेंद्र रेड्डी

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अभिषेक मनु सिंघवी और वेम नरेंद्र रेड्डी ने गुरुवार को कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधित्व करते हुए तेलंगाना से राज्यसभा के उम्मीदवारों के रूप में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। नामांकन पत्र चुनाव अधिकारी उपेंद्र रेड्डी को सौंपे गए। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और कई मंत्री उपस्थित थे। एकजुटता के प्रदर्शन में, बड़ी संख्या में सत्तारूढ़ दल के विधायक, विधान परिषद सदस्य और सांसद विधानसभा परिसर में एकत्र हुए और राज्यसभा के नामांकित उम्मीदवारों को बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान अभिषेक सिंघवी ने तेलंगाना की ओर से राज्यसभा में दूसरे कार्यकाल के लिए सेवा करने का अवसर मिलने पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी नेताओं, जिनमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी और के.सी. वेणुगोपाल शामिल हैं, के समर्थन को स्वीकार किया। वेम नरेंद्र रेड्डी ने भी राज्यसभा उम्मीदवार के रूप में चुने जाने पर अपना आभार व्यक्त किया और नेतृत्व के समर्थन को स्वीकार किया।

कांग्रेस उच्च कमान ने वर्तमान सांसद अभिषेक मनु सिंघवी के चयन की पुष्टि की, जो पिछली शाम हैदराबाद पहुंचे थे। दूसरे उम्मीदवार को लेकर विस्तृत चर्चा के बाद अंततः वेम नरेंद्र रेड्डी के नाम का चयन किया गया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने वेम नरेंद्र रेड्डी के नामांकन के लिए जोरदार पैरवी की। नरेंद्र रेड्डी के खिलाफ कोई आपत्ति नहीं उठी, जो सभी पक्षों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखते हैं। इसलिए उच्च कमान ने मुख्यमंत्री की सिफारिश को महत्वपूर्ण महत्व दिया। गौरतलब है कि तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करने वाली दो राज्यसभा सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया गुरुवार को सफलतापूर्वक पूरी हो गई। नामांकन के अंतिम दिन तेलंगाना से कुल तीन प्रस्तुतियाँ की गईं। कांग्रेस उम्मीदवार अभिषेक वेम नरेंद्र रेड्डी ने नामांकन पत्रों के तीन सेट प्रस्तुत किए, जबकि दूसरे उम्मीदवार वेम नरेंद्र रेड्डी ने चार सेट दाखिल किए। उल्लेखनीय है कि साई नामक एक निर्दलीय उम्मीदवार ने एक सेट नामांकन पत्र दाखिल किया; हालांकि, उसके प्रस्तुतिकरण में 10 विधायकों के आवश्यक हस्ताक्षर नहीं थे, जो जांच और उम्मीदवार की मान्यता के लिए अनिवार्य शर्त है।

चूंकि इस निर्दलीय उम्मीदवार ने निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया, इसलिए उम्मीद है कि जांच चरण के दौरान रिटर्निंग अधिकारी उसका नामांकन खारिज होने की संभावना है। चूंकि बीआरएस पार्टी ने चुनाव से दूर रहने का निर्णय लिया है, इसलिए कांग्रेस उम्मीदवार अभिषेक सिंघवी और वेम नरेंद्र रेड्डी के सर्वसम्मति से निर्वाचित होने की संभावना है।

मीसेवा ने एसएससी हॉल टिकट के लिए नि:शुल्क व्हाट्सऐप सेवा शुरू की

पहले ही दिन 30 हजार छात्रों ने डाउनलोड किया

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार मंत्री श्री डी. श्रीधर बाबू के दूरदर्शी नेतृत्व में मीसेवा नागरिक-केंद्रित डिजिटल शासन को सुदृढ़ करते हुए आवश्यक सरकारी सेवाओं तक पहुंच का विस्तार कर रहा है।

मीसेवा व्हाट्सऐप/चैटबॉट प्लेटफॉर्म, जिसे 18 नवंबर 2025 को शुरू किया गया था, नागरिकों को सरल संदेश इंटरफेस के माध्यम से विभिन्न सार्वजनिक सेवाओं तक सुविधाजनक पहुंच प्रदान कर रहा है। आगामी एसएससी (कक्षा 10) परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्र अब आधिकारिक मीसेवा व्हाट्सऐप नंबर 8096 95 8096 के माध्यम से अपना हॉल टिकट नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं।

इस सेवा को पहले ही दिन जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और लगभग 30,000 छात्रों ने प्लेटफॉर्म के माध्यम से सफलतापूर्वक अपने हॉल टिकट डाउनलोड किए। छात्र मीसेवा व्हाट्सऐप चैटबॉट के माध्यम से निम्नलिखित चरणों का पालन करके आसानी से अपना एसएससी हॉल टिकट प्राप्त कर सकते हैं। सबसे पहले आधिकारिक मीसेवा व्हाट्सऐप नंबर 8096 95 8096 को अपने फोन संपर्कों में मीसेवा तेलंगाना के नाम से सहेजें। इसके बाद व्हाट्सऐप खोलें और चैटबॉट शुरू करने के लिए 'Hi' संदेश भेजें। 'SSC Hall Ticket' टाइप करें और मेनू से ओपन सर्विस विकल्प चुनें। आवश्यक विवरण जैसे जिला, स्कूल का नाम, छात्र का नाम, जन्म तिथि (रिकॉर्ड के अनुसार) और स्ट्रीम दर्ज करें। विवरण सत्यापित होने के बाद एसएससी हॉल टिकट तुरंत व्हाट्सऐप पर प्राप्त होगा, जिसे सहेजा, डाउनलोड और प्रिंट किया जा सकता है।

शुरू होने के बाद से मीसेवा व्हाट्सऐप/चैटबॉट प्लेटफॉर्म को पूरे तेलंगाना में नागरिकों से मजबूत प्रतिक्रिया मिली है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से अब तक लगभग 8 लाख लेनदेन हो चुके हैं।

टीजी ईएपीसीईटी 2026 में पांच जिलों के परीक्षा केंद्र किए गए फ्रीज

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी ईएपीसीईटी) 2026 में शामिल होने वाले छात्र पांच जिलों में परीक्षा क्षेत्र का चयन नहीं कर सकेंगे। आयोजनकर्ता जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू) हैदराबाद ने महबूबनगर, नालगोंडा, संगारेड्डी, आदिलाबाद और निजामाबाद जिलों के परीक्षा केंद्रों को फिलहाल फ्रीज कर दिया है। विश्वविद्यालय के अनुसार इन जिलों से परीक्षा केंद्रों की क्षमता से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसके कारण यह निर्णय लिया गया है। टीजी ईएपीसीईटी 2026 के संयोजक डॉ. विजया कुमार रेड्डी ने बताया कि नए पंजीकरण के दौरान इन जोनों को शामिल नहीं किया जाएगा।

राज्यसभा नामांकन में बीसी नेताओं की उपेक्षा से कांग्रेस में नाराजगी

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस द्वारा घोषित उम्मीदवारों को लेकर पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ता नजर आ रहा है। पिछड़ा वर्ग (बीसी) समुदाय के नेताओं ने आरोप लगाया है कि स्थानीय निकायों में 42 प्रतिशत आरक्षण के मुद्दे के बाद अब राज्यसभा नामांकन में भी बीसी समुदाय की अनदेखी की गई है।

तेलंगाना से राज्यसभा की दो सीटें रिक्त थीं और कई बीसी नेताओं ने नामांकन की इच्छा जताई थी। हालांकि एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे ने राज्यसभा चुनाव के लिए अभिषेक मनु सिंहवी और सरकारी सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी के नाम को अंतिम रूप दे दिया। एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार सुबह इस संबंध में आदेश जारी किए। इस निर्णय के बाद कई वरिष्ठ बीसी नेताओं की उम्मीदें टूट गईं। पूर्व राज्यसभा सदस्य वी. हनुमंत राव, पूर्व सांसद मधुयास्की गौड़ और अन्य नेताओं ने अंतिम समय तक प्रयास किए, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिल सका। पार्टी के भीतर यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि उदयपुर घोषणापत्र में तय मानदंडों की भी अनदेखी की गई है।

खरीदारी के लिए आई किशोरी लापता, पुलिस जांच में जुटी

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मणिकोंडा की रहने वाली 17 वर्षीय एक किशोरी सिकंदराबाद में खरीदारी के लिए आने के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। पुलिस के अनुसार किशोरी की पहचान हस्मिता के रूप में हुई है, जो 4 मार्च को सिकंदराबाद आई थी। उसे आखिरी बार राठीफिले बस स्टेशन के पास एक होटल में जूस पीने के लिए रुकने के बाद देखा गया था। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कहीं भी उसका पता नहीं चल सका। इसके बाद परिवार ने गुरुवार को गोपालपुरम पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और किशोरी के ठिकाने का पता लगाने के लिए जांच कर रही है।

प्लाईवुड गोदाम में लगी आग

लाखों की संपत्ति जलकर राख

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार तड़के शहर के काटेदान इलाके में स्थित एक प्लाईवुड गोदाम में भीषण आग लगने से लाखों रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। पुलिस के अनुसार तड़के गोदाम से तेज लपटें और धुआं उठता देख स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही आसपास के दमकल केंद्रों से कई फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया।

दमकल कर्मियों ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग के कारण गोदाम में रखा प्लाईवुड और अन्य सामान जलकर नष्ट हो गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और दमकल विभाग के अधिकारी मामले की जांच में जुटे हुए हैं।

साइबराबाद पुलिस की 'फुट पेट्रोलिंग' से बढ़ा भरोसा

पुलिस की विशेष पहल, जनता के बीच पहुंच रहे पुलिसकर्मी

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विजिबल पुलिसिंग के तहत साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में फुट पेट्रोलिंग को और मजबूत बनाने के लिए पुलिस ने एक नई पहल शुरू की है। केवल पेट्रोलिंग वाहनों की गश्त तक सीमित न रहकर अब पुलिसकर्मी सीधे जनता के बीच पैदल जाकर 'हम मौजूद हैं' का भरोसा दिला रहे हैं।

पेट्रोल कारों और ब्लू कोल्ट्स के पुलिसकर्मी अपने वाहनों को एक स्थान पर खड़ा कर बाजारों, मुख्य सड़कों, बस स्टैंडों, आवासीय कॉलोनियों और तंग गलियों में पैदल घूमते हुए हालात का जायजा ले रहे हैं। इस दौरान वे लोगों से सीधे बातचीत कर उन्हें सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस फुट पेट्रोलिंग का उद्देश्य लोगों में सुरक्षा की भावना बढ़ाना, संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर नजर रखना और जरूरत पड़ने पर उनकी जांच करना है। इसके चलते जहां आम नागरिकों में रात के समय सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है, वहीं अपराधियों में भय का माहौल भी बन रहा है। पुलिस का कहना है कि स्थानीय लोगों से सीधे संवाद के जरिए कम्युनिटी पुलिसिंग को भी मजबूती मिल रही है और अपराध नियंत्रण में मदद मिल रही है। अधिकारियों ने बताया कि लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह पैदल गश्त लगातार जारी रहेगी। फुट पेट्रोलिंग के प्रमुख फायदों में ब्लू कोल्ट्स और पेट्रोलिंग स्टाफ वाहन छोड़कर बाजारों, बस स्टैंडों और आवासीय क्षेत्रों में पैदल गश्त कर रहे हैं। तंग गलियों में भी पुलिस की मौजूदगी से असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लग रहा है। रात में काम करने वाले मजदूरों और व्यापारियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनी जा रही हैं।

पुलिस के मुताबिक पैदल गश्त से स्थानीय परिस्थितियों की बेहतर समझ विकसित हो रही है और जनता से नजदीकी बढ़ने के कारण महत्वपूर्ण जानकारी भी जल्दी मिल रही है। अधिकारियों ने कहा कि जनता की सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि नागरिकों का सहयोग भी उतना ही जरूरी है। दुंडीगल इंस्पेक्टर पी. सतीश ने बताया कि वाहन से गश्त के दौरान कई बार केवल सतही निगरानी ही हो पाती है, लेकिन पैदल चलने से क्षेत्र की वास्तविक स्थिति का बेहतर आकलन किया जा सकता है। इससे लोगों का पुलिस पर भरोसा भी बढ़ता है। उन्होंने कहा कि अपराधों को पहले ही रोकने और जनता का विश्वास बढ़ाने के लिए पैदल गश्त लगातार जारी रखी जाएगी। एसआई राममोहन ने कहा कि केवल अपराधियों को पकड़ना ही नहीं, बल्कि आम लोगों की सुरक्षा के लिए खड़े रहने का एहसास भी पुलिसकर्मियों को पेशेवर संतोष देता है। उनके अनुसार, लोगों के बीच रहने से संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी भी तुरंत मिल जाती है, जो अपराध रोकने में मददगार है। पीसी एस. राजू ने बताया कि रोजाना कई किलोमीटर पैदल चलने से रात में आने वाली नींद भी दूर हो जाती है और सतर्कता बढ़ती है।

पीसी के. साई कुमार के अनुसार फुट पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस उन गलियों तक भी पहुंच पा रही है जहां वाहन नहीं जा सकते। इससे घरों के ताले, छिपे हुए संदिग्ध व्यक्ति या अन्य छोटी-छोटी बातों पर भी नजर रखना आसान हो गया है। वहीं पीसी वाई. चिरंजीवी ने कहा कि जब पुलिस पैदल चलकर लोगों के बीच जाती है तो लोग खुद आगे आकर बातचीत करते हैं। चाय की दुकानों और रात्रि चौकीदारों से बात करने पर कई स्थानीय समस्याएं सामने आती हैं, जिनका समाधान करने में पुलिस को मदद मिलती है।

वैश्विक शहर के रूप में पहचान बना रहा हैदराबाद : वाकिटी श्रीहरी

महिला हॉकी टूर्नामेंट 2026 के आयोजन की तैयारियां पूरी

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गच्चीबावली हॉकी स्टेडियम में 8 मार्च आयोजित होने वाले महिला विश्व हॉकी कप-2026 क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के संबंध में एलबी स्टेडियम में आज आयोजित प्रेस मीट में राज्य के खेल, युवा सेवा, पशुपालन एवं मत्स्य पालन मंत्री वाकिटी श्रीहरी ने संबोधित किया। इस प्रेस मीट में राज्य खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष के. शिव सेना रेड्डी, एसएटीजी प्रबंध निदेशक सोनी बाला मायादेवी तथा अन्य खेल अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मंत्री वाकिटी श्रीहरी ने कहा कि वैश्विक शहर के रूप में पहचान बना रहा हैदराबाद एक और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन की मेजबानी करने जा रहा है। हॉकी में देश को विश्वस्तरीय पहचान दिलाने वाले ध्यानचंद की प्रेरणा से तेलंगाना सरकार के खेल विभाग के नेतृत्व में फेडरेशन इंटरनेशनल हॉकी वर्ल्ड क्वालिफाई महिला हॉकी टूर्नामेंट 2026 के आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 8 मार्च से 14 मार्च तक होने वाली ये प्रतियोगिताएं गच्चीबाली स्थित गच्चीबावली हॉकी स्टेडियम में आयोजित होंगी। इस टूर्नामेंट में भारत के साथ-साथ ऑस्ट्रिया, इंग्लैंड, इटली, कोरिया, स्कॉटलैंड, उरुग्वे और वेल्स की टीमें भाग ले रही हैं। ये टीमें पहले ही हैदराबाद पहुंच चुकी हैं और गच्चीबावली में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार किए गए एस्ट्रो टर्फ मैदान में अभ्यास कर रही हैं। महिला विश्व कप हॉकी क्वालिफायर 2026 के लिए ये प्रतियोगिताएं अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होंगी।

टूर्नामेंट को बिना किसी कमी के सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए तेलंगाना खेल प्राधिकरण ने सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। खिलाड़ी रहे राज्य के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के निर्देशों के अनुसार गच्चीबाली में अंतरराष्ट्रीय मानकों वाला एस्ट्रो टर्फ मैदान, उच्च सुरक्षा व्यवस्था, आधुनिक सुविधाएं तथा खिलाड़ियों के लिए उत्कृष्ट आवास की व्यवस्था की गई है। इन तैयारियों के लिए फेडरेशन इंटरनेशनल हॉकी और हॉकी इंडिया के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय किया जा रहा है। साथ ही राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के माध्यम से सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सभी टीमें पहले ही हैदराबाद पहुंच चुकी हैं। तेलंगाना सरकार के खेल विभाग ने उनका भव्य स्वागत किया है। इसके साथ ही अभ्यास के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं और अंतरराष्ट्रीय स्तर की आवास व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। सभी टीमों की खिलाड़ी गच्चीबाली के आधुनिकीकृत एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में शानदार अभ्यास कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और खिलाड़ियों के लिए शहर के ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण तथा मनोरंजन कार्यक्रमों की भी योजना बनाई जा रही है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा खेलों को दिए जा रहे प्रोत्साहन के कारण ही ऐसे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों का सफल आयोजन संभव हो पा रहा है।

खेल विभाग को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के सहयोग और प्रोत्साहन से केवल दो वर्षों में ही तेलंगाना का खेल विभाग उल्लेखनीय प्रगति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हाल ही में दूसरे चरण के मुख्यमंत्री कप 2025 का आयोजन गांव स्तर से पांच चरणों में सफलतापूर्वक किया गया, जिसे मैं इस अवसर पर याद दिलाना चाहता हूं।

राज्य में खेल भावना को बढ़ावा देने के लिए तेलंगाना खेल विभाग भविष्य में भी कई कार्यक्रमों के साथ आगे बढ़ेगा। गच्चीबावली में होने वाली इन हॉकी प्रतियोगिताओं में आप सभी प्रतिदिन उपस्थित होकर इस आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, ऐसी मेरी आपसे अपील है।

अस्पताल में ईएफएएसटी तकनीक शुरू, आपातकालीन उपचार होगा तेज

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) में ट्रॉमा के लिए सोनोग्राफी के साथ विस्तारित केंद्रित मूल्यांकन (ईएफएएसटी) तकनीक शुरू की गई है। यह एक त्वरित बेडसाइड अल्ट्रासाउंड तकनीक है, जिसका उपयोग छाती या पेट की चोट वाले मरीजों के शीघ्र मूल्यांकन के लिए किया जाता है। ओजीएच के अधीक्षक डॉ. राकेश सहाय और उस्मानिया मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. एम. राजा राव ने बताया कि यह प्वाइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड (पीओसीएस) उपकरण है, जो आपातकालीन चिकित्सकों को छाती और पेट की गुहाओं के भीतर 3 से 5 मिनट के भीतर खून या हवा जैसे खतरनाक संकेतों का पता लगाने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि ईएफएएसटी तकनीक से डॉक्टरों को मरीजों के इलाज को प्राथमिकता देने में सहायता मिलेगी, खासकर बहुआघात की स्थिति में। इससे तेजी से जांच कर विशेषज्ञ तुरंत निदान कर सकेंगे और बिना देरी के आवश्यक उपचार शुरू किया जा सकेगा।

मूसी नदी परियोजना को लेकर केटी रामाराव ने सरकार पर साधा निशाना

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने प्रस्तावित मूसी नदी तट विकास परियोजना को लेकर कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस परियोजना के नाम पर बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ की योजना बनाई जा रही है, जिससे राजधानी में नदी किनारे रहने वाले करीब 1.5 लाख लोग प्रभावित हो सकते हैं। गुरुवार को नागोल के पास मूसी नदी से जुड़े विकास कार्यों और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण करने के बाद रामाराव ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार को गरीबों के घरों को तोड़े बिना नदी तट विकास कार्य पूरे करने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सरकार ऐसा नहीं कर सकती तो 16,000 करोड़ रुपये की इस परियोजना को बीआरएस को सौंप दिया जाए। रामाराव ने दावा किया कि बीआरएस सरकार के दौरान मूसी नदी के पुनरुद्धार के लिए व्यापक योजना बनाई गई थी। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर परियोजना की लागत बढ़ाकर लोगों को बेघर करने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

कलेक्टर ने 99 दिवसीय कार्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

निर्मल, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर अभिलाषा अभिनव ने अधिकारियों को राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई 99 दिवसीय कार्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गुरुवार को उन्होंने इस पहल के तहत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय में मेस प्रबंधन, भोजन की गुणवत्ता, स्टॉक रजिस्टर और अन्य बुनियादी सुविधाओं की जांच की। उन्होंने छात्राओं से बातचीत कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा संस्थान में दी जा रही शिक्षा और भोजन की गुणवत्ता का भी आकलन किया।

तिरुमलगिरी फुटबॉल मैदान में प्रवेश बंद

खिलाड़ियों और मॉर्निंग वॉकरों को परेशानी

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद कैंटोनमेंट के तिरुमलगिरी स्थित प्रतिष्ठित फुटबॉल मैदान में इन दिनों प्रवेश बंद कर दिया गया है। करीब दो एकड़ में फैले इस परिसर में चारदीवारी का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, जिसके कारण खिलाड़ियों और मॉर्निंग वॉकरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि एचएमडीए जिमखाना ग्राउंड से शमीरपेट ओआरआर सीमा तक प्रस्तावित एससीबी एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना के तहत सड़क चौड़ीकरण के लिए परिसर की चारदीवारी का निर्माण किया जा रहा है। निर्माण कार्य के चलते पिछले एक महीने से मैदान में प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। स्थानीय निवासियों और खिलाड़ियों का कहना है कि यह सिकंदराबाद छावनी क्षेत्र का एकमात्र ऐसा फुटबॉल मैदान है, जहां अभी भी पर्याप्त हरियाली मौजूद है। तिरुमलगिरी निवासी और वरिष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी एस मोहन ने बताया कि हर साल गर्मी की छुट्टियों में करीब 200 बच्चे यहां फुटबॉल का अभ्यास करते थे, लेकिन फिलहाल मैदान बंद होने से उन्हें दिक्कत हो रही है। वहीं एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए मैदान के दूसरी ओर भूमि अधिग्रहण का कार्य भी जारी है।

राहुल गांधी को लेकर रेवंत रेड्डी के दावे पर दासोजू श्रवण का तंज

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि उन्होंने राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनने के लिए राजी किया था। श्रवण ने इस दावे को राजनीतिक अहंकार और बेतुका बताया। एक बयान में श्रवण ने सवाल उठाया कि क्या राहुल गांधी जैसे राष्ट्रीय नेता को उभरने के लिए रेवंत रेड्डी के समर्थन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री खुद को इस तरह प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं मानो प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के चयन को प्रभावित करने का अधिकार उनके पास हो। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का राजनीतिक कद भारत जोड़ो यात्रा जैसे राष्ट्रीय आंदोलनों से बना है, न कि किसी मुख्यमंत्री के समर्थन से। श्रवण ने आरोप लगाया कि इस तरह के बयान देकर रेवंत रेड्डी केवल राजनीतिक प्रचार हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं और इससे कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व का महत्व कम होता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.